शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची एवं पटना से प्रकाशित | रांची ● शुक्रवार, 03 नवंबर 2023 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 197 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.5	21.2
जमशेदपुर	33.2	21.2
डालटनगंज	33.2	19.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * *

सुर्खियां »

इंटरनेशनल
- युद्ध में 9000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत
- बहरीन ने इजरायल से अपना राजदूत वापस बुलाया
- जयशंकर ने इटली के रक्षा मंत्री से बातचीत की
- पुतिन ने सीटीबीटी संबंधी विधेयक पर हस्ताक्षर किए

नेशनल
- ईडी ने भोपाल के पीपुल्स ग्रुप की 230 करोड़ की संपत्ति जब्त की
- एफसीआई ने ई-नीलामी के 19वें दौर में 2.87 लाख टन गेहूं बेचा
- भाजपा ने राजस्थान में 58 लोगों की तीसरी सूची जारी की
- भूटान नरेश आज से असम की तीन-दिनी यात्रा पर

स्टेट
- धनबाद में व्यापारियों की हड़ताल खत्म, बाजार में लौटी रौनक
- झारखंड आंदोलनकारियों और आश्रितों को 4.41 करोड़ की पेंशन
- कोल्हान विवि के नॉन टीचिंग कर्मियों का 7वां वेतनमान लागू
- रांची में 3 से 5 नवंबर तक बाल कलाकार प्रदर्शनी

अबुआ बीर दिशोम अभियान

हेमंत सरकार वन आश्रित ग्रामीणों को देगी

वन अधिकार का पट्टा

कौशल आनंद। रांची

- वनाधिकार कानून 2006 के इतर सरकार 6 नवंबर से शुरू करने जा रही नया अभियान
- आदिवासी और वनों पर निर्भर सभी ग्रामीणों को मिलेगा निजी और सामुदायिक वनों का पट्टा

झारखंड के जंगलों में निवास करने वाले आदिवासियों एवं अन्य गैर आदिवासी वर्गों को अब नए सिरे से हेमंत सरकार उनका अधिकार देने जा रही है. राज्य सरकार की एक और महत्वाकांक्षी योजना अबुआ बीर दिशोम अभियान का शुभारंभ 6 नवंबर से किया जाएगा. सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर पहली बार व्यापक अभियान के तहत आदिवासियों और वनों पर निर्भर रहने वाले अन्य सभी लोगों को व्यक्तिगत और सामुदायिक वन संसाधन वनाधिकार पट्टा मुहैया कराया जाएगा. मालूम हो कि महात्मा गांधी की जयंती पर राज्य की 30 हजार से अधिक ग्राम सभाओं ने भाग लेकर जल, जंगल और जमीन तथा इसके संसाधनों की रक्षा के लिए समर्पित और संगठित प्रयास करने के लिए शपथ ली थी.

इन्हें मिलेगा वनपट्टा, प्रथम चरण दिसंबर तक चलेगा : वन अधिकार एक्ट, 2006 के तहत मिले अधिकारों का उपयोग करते हुए बीते 3 से 18 अक्टूबर तक ग्राम, अनुमंडल एवं जिलास्तर पर वनाधिकार समिति का गठन/पुनर्गठन किया गया. ये समिति वनों पर निर्भर लोगों और समुदायों को वनाधिकार पट्टा दिये जाने के लिए उनके दावों पर नियमानुसार अनुशंसा करेगी. साथ ही, अबुआ बीर दिशोम आभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु मोबाइल एप्लीकेशन एवं वेबसाइट भी तैयार की गयी है. जिसके जरिए आदिवासी और वनों पर निर्भर रहने वाले लोगों को वनाधिकार पट्टा दिया जाएगा. वन अधिकार समिति द्वारा चिन्हित लोगों को पट्टा देने के लिए सरकार प्रथम चरण में दिसंबर तक यह अभियान चलाएगी.

रघुवर सरकार में स्थिति रही खराब : अगर पिछली सरकार की बात करें तो तत्कालीन रघुवर सरकार ने अगस्त 2016 तक साढे तीन लाख आदिवासी परिवारों एवं अन्य वन निवासियों के बीच वन पट्टा देने का लक्ष्य रखा था. मगर वह पूरा नहीं हो सका.

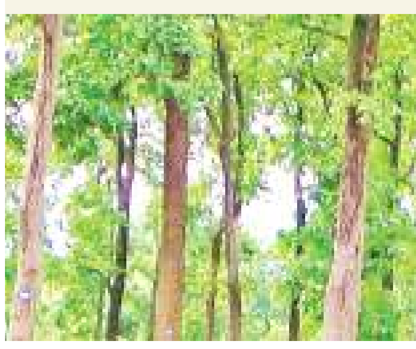

वन और वन पट्टों से जुड़े कुछ फैक्ट

- सीएफआरएलए रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 18 लाख 63 हजार 737 हेक्टेयर (4605394.423 एकड़) वैसी वन भूमि है, जिसपर वन-अधिकार कानून का दावा बनता है. लेकिन राज्य के गठन को हुए 23 साल के बाद भी अब तक एक लाख लोगों को भी वन पट्टा नहीं मिल पाया है.
- झारखंड में 86 लाख आदिवासियों की आबादी का 80 फीसदी हिस्सा परोक्ष-अपरोक्ष रूप से जंगलों पर आश्रित है. करीब 10 लाख ऐसे आदिवासी परिवार हैं, जो वन-अधिकार कानून के तहत वन पट्टे के लाभार्थी हैं.

अधिक से अधिक लोगों को लाभ देने का है लक्ष्य

अबुआ बीर दिशोम अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को एक राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला से होगी. इसके तहत झारखंड राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों और वन प्रमंडल पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा. साथ ही, गांवों से लेकर जिलास्तर पर वनाधिकार समिति के सदस्यों को अभियान की सफलता के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा. इस अभियान का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले. इसके लिए विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार को गति भी दी जाएगी.

वन पट्टा देने में झारखंड रहा है फिसड्डी : बता दें कि करीब 18 साल पहले 2006 में तत्कालीन यूपीए सरकार राज्य में वनाधिकार कानून लाई थी. मगर इतने सालों में झारखंड वन पट्टा देने के मामले में फिसड्डी ही साबित हुआ. अगर हेमंत सोरेन सरकार की बात करें, तो वर्ष 2019 से लेकर अब तक केवल 1271 लोगों को ही वन पट्टा मिला है. अभी भी 1,01,812 वन पट्टा देने के आवेदन लंबित हैं. अकेले गुमला जिले में 58 हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं.

सीएम हेमंत सोरेन ने 66 पशु चिकित्सकों को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा

नियुक्तियों में धांधली करने वाले जाएंगे जेल

प्रमुख संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में गुरुवार को 66 पशु चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र सौंपा. कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि राज्य में किसी भी नियुक्ति में कोई धांधली और भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं करेंगे. हमारी सरकार ने एक कानून बनाया है, जिसमें किसी भी नियुक्ति में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की धांधली और भ्रष्टाचार की बात सामने आई, तो संबंधित संस्था और पदाधिकारी जेल में होंगे.

उन्होंने मंच से पशु चिकित्सकों से पूछा कि क्या आपसे किसी ने नौकरी के लिए घूस लिया है. अगर लिया है, तो उसका नाम बताएं, वह जेल में होगा. यह हमारा वादा है.

कुछ समूह साजिश के तहत नियुक्ति प्रक्रिया बाधित करते हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय नियुक्ति पत्र देना भी काफी चुनौतीपूर्ण है. नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होने के साथ उसे विवादों में लाने की कोशिश शुरू हो जाती है. कुछ समूह साजिश के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को बाधित करने की कोशिश करते हैं. लेकिन, हमारी सरकार में जितनी भी नियुक्तियां हुई है, उसमें कोई विवाद नहीं हुआ है. आज गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले परिवार का नौजवान भी डीएसपी और डिप्टी कलेक्टर बन कर राज्य की सेवा कर रहा है.

व्यावसायिक पशुपालन अपनाने पर विशेष जोर

सीएम ने कृषि और पशुपालन विभाग के अधिकारियों से कहा कि वह ग्रामीण इलाकों में एक और दो एकड़ जमीन का पैक बनाएं. यह जमीन पशुपालकों को लीज़ पर दें. उन्हें आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराएं, उन्हें मार्गदर्शन भी दें, ताकि वे व्यवसायिक पशुपालन करने के लिए आगे आएं. इससे पशुपालकों कि आय भी बढ़ेगी और अंडा-मछली इत्यादि के उत्पादन में राज्य आत्मनिर्भर होगा.

जीत के हीरो

शुभमन गिल	विराट कोहली
92 रन	88 रन
गेंद : 92	गेंद : 94
चौका : 11	चौका : 11
छक्का : 2	छक्का : 0

सेमीफाइनल में भारत

रिकॉर्ड 302 रन से श्रीलंका को हराया

मुंबई। शानदार फॉर्म में चल रही टीम इंडिया ने वर्ल्ड कप में श्रीलंका को 302 रन से हरा दिया. यह वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत है. भारत ने अपना 16 साल पुराना रिकॉर्ड बेहतर किया. टीम ने 2007 में बरमुडा को 257 रन से हराया था. भारत ने इस वर्ल्ड कप में लगातार 7वां मैच जीतकर सेमीफाइनल में सबसे पहले जगह पक्की की. टीम के 7 मैचों में 14 अंक हो गए और टीम पॉइंट्स टेबल में टॉप पर है. मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 357 रन बनाए. मौजूदा सीजन में यह टीम का बेस्ट स्कोर है.

-विस्तृत खेल पेज पर

भारत	मैन ऑफ द मैच	श्रीलंका
357/8	मोहम्मद शमी	55/10

रिम्स में छात्र का जला शव मिला, सनसनी

रांची। राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स में गुरुवार को एक युवक का जला हुआ शव मिलने से हड़कंप मच गया. उसकी पहचान मधन कुमार के रूप में हुई है, जो रिम्स के एफएमपी डिपार्टमेंट के सेकेंड इयर का छात्र था और तमिलनाडु का था. मधन हॉस्टल 5 के कमरा न. 79 में रह कर पढ़ाई कर रहा था. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी. पुलिस जांच में हॉस्टल की छत से युवक के पैरों के निशान मिले. जिससे यह आशंका है कि उसने हॉटल की छत पर पहुंच कर आग लगाई इसके बाद नीचे कूदा और उसकी मौत हो गई. पुलिस को छत पर जला मोबिल मिला. पुलिस हॉटल के अन्य छात्रों से पूछताछ कर रही. पुलिस आत्महत्या और हत्या के एंगल पर जांच कर रही है. लेकिन छत पर सिर्फ एक ही शख्स के पैरों के निशान पुलिस को मिले हैं.

ईडी के सामने पेश नहीं हुए केजरीवाल, पूछे सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शराब नीति केस में पूछताछ के लिए गुरुवार को ईडी के सामने पेश नहीं हुए. बदले में केजरीवाल ने ईडी को पत्र भेज कर समन को वापस लेने को कहा. साथ ही जांच एजेंसी से सवाल किया कि, आपने समन में मुझे यह नहीं बताया कि मैं संदिग्ध हूं या गवाह. ईडी के मुताबिक, एजेंसी केजरीवाल को नया समन जारी कर सकती है. ईडी को भेजे पत्र में केजरीवाल ने लिखा, समन से क्लीयर नहीं कि मुझे किस हैसियत से बुलाया जा रहा है. इस मामले में आप मुझे गवाह मान रहे हैं या संदिग्ध. आप मुझे दिल्ली के सीएम के तौर पर बुला रहे हैं या आम आदमी पार्टी के संयोजक के रूप में. ऐसा लग रहा है कि यह मछली पकड़ने की जाल की तरह है. इसके बाद केजरीवाल पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ मध्यप्रदेश के सिंगरौली पहुंचे और यहां उन्होंने रोडशो और रैली में हिस्सा लिया.

किसने क्या कहा

- एक छात्रा अपने संस्थान में निर्भय होकर चल नहीं सकती, धिक्कार है ! –प्रियंका गांधी वाड्रा
- केसीआर परिवार कालेश्वरम परियोजना का अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल कर रहा है – राहुल गांधी
- कांग्रेस विकास विरोधी है. उसको जनता की सेवा, गांव गरीब किसान की सेवा से कोई मतलब नहीं है –बाबूलाल मरांडी

धनबाद के कई ठिकानों पर ईडी की रेड

बालू कारोबारी मिथिलेश गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

ईडी की टीम ने गुरुवार को सुबह धनबाद में बिहार के बालू घोटाले के आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी की. ईडी ने इस सिलसिले में पहले सिंदरी में सुरेंद्र जिंदल के ठिकानों पर रेड की. इसके अलावा बिहार के बालू कारोबारी मिथिलेश सिंह सहित अन्य के ठिकानों पर दबिश दी.

ईडी ने मिथिलेश सिंह को पटना में गिरफ्तार कर लिया. इससे पहले ईडी ने धनबाद में पॉलिटेक्निक रोड स्थित बालू और शराब कारोबारी जग नारायण सिंह, धैया निवासी अशोक और सिंदरी के सुरेंद्र जिंदल के यहां रेड की थी. मामले में जग नारायण और उनके पुत्र जेल में हैं. जांच अभी जारी है. इस रेड से धनबाद के बालू माफिया में हड़कंप मच गया है.

बिहार- झारखंड में 24 ठिकानों पर की थी रेड : बालू घोटाला मामले में ईडी ने बीते 5 जून को बिहार और झारखंड में 24 ठिकानों पर रेड की थी. ईडी ने पहले जदयू विधान पार्षद व बालू सिंडिकेट से जुड़े राधाचरण सेठ को गिरफ्तार किया था. इसके बाद उनके पुत्र कन्हैया और बाद में 16 सितंबर को आदित्य मल्टीकॉम के अधिकारी जगनारायण सिंह और सतीश कुमार को गिरफ्तार किया था. बालू घाटोले में गिरफ्तार लोगों मिली जानकारी के आधार पर ईडी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है.

बिहार में बालू घोटाला के आरोपियों की तलाश में ईडी

नीतीश बोले-कांग्रेस की इंडिया में दिलचस्पी नहीं

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार गुरुवार को सीपीआई की रैली में कांग्रेस से नाराज दिखे. पटना में आयोजित रैली में नीतीश ने कहा कि कांग्रेस इंडिया पर ध्यान नहीं दे रही. कांग्रेस की दिलचस्पी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में है.

उन्होंने कहा कि पटना में और अन्य जगहों पर मीटिंग हुई थी और सबकुछ तय करके इंडिया का गठन हुआ था. हमने सभी दलों के साथ बातचीत की और तय किया कि एकजुट होकर देश को बचाना हैं. कांग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए हम लोग लगे हैं, लेकिन उनको अभी इसकी की चिंता नहीं है. अभी तो लगे हैं पांच राज्य के चुनाव में. इसलिए 5 राज्य का चुनाव होगा, तो खुद ही वे लोग हम सबको बुलाएंगे. हम तो देश को एकजुट करने के लिए लगे हैं.

एथिक्स कमेटी के सवाल पर भड़कीं महुआ, किया वाकआउट

'रात में किससे बात करती थीं'...

एजेंसी। नई दिल्ली

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर लगे आरोपों की जांच के लिए बुलाई गई लोकसभा की एथिक्स कमेटी की बैठक में गुरुवार को जम कर हंगामा हुआ. विपक्षी सांसद गुस्से में नजर आए. बैठक में महुआ मोइत्रा ने ''अनैतिक सवाल'' पूछे जाने की बात कही है. बाहर आकर भड़कते हुए मोइत्रा बोलीं, ''वे गंदे सवाल पूछ रहे थे. बेकार की बातें करते हैं. उन्होंने कहा, ''तुम्हारी आंखों में आंसू हैं. क्या मेरे आंसू हैं...? यह कह कर महुआ मीडिया के सामने अपनी आंखें दिखाने लगीं.

-शेष पेज 10 पर

कमेटी के चीफ निजी सवाल पूछ रहे थे...

विपक्षी सांसदों ने दावा किया है कि कमेटी के प्रमुख भाजपा सांसद विनोद सोनकर बार-बार तृणमूल नेता से निजी सवाल पूछ रहे थे. वह बिजनसमैन दर्शन हीरानंदानी के साथ उनके निजी संबंधों के बारे में पूछ रहे थे. सूत्रों के मुताबिक जिन सवालों को महुआ ''अनैतिक'' कह रही हैं उसमें था कि

- आपने 2023 में मिस्टर हीरानंदानी से कितनी बार संपर्क किया?
- आप कितनी बार दुबई गईं?,
- और आप किस होटल में रुकी थीं (दुबई में).
- आप (महुआ) कहां जाती हैं?
- आप कहां मीटिंग करती हो?
- क्या आप अपना फोन रिकॉर्ड दे सकती हो?

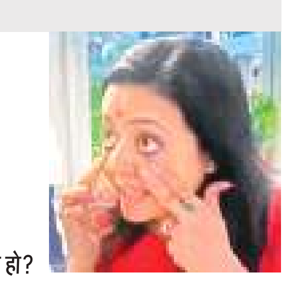

सर्राफा

सोना (बिक्री)	57,700
चांदी (किलो)	73,000

ब्रीफ खबर

बीएचयू में आईआईटी छात्रा से छेड़खानी, जोरदार प्रदर्शन

वाराणसी। वाराणसी स्थित बीएचयू के परिसर में बुधवार देर रात दोस्त के साथ घूम रही आईआईटी की एक छात्रा से बदमाशों ने छेड़छाड़ की और उसे कथित रूप से निर्वस्त्र कर किस किया एवं वीडियो बना लिया. इसको लेकर सैकड़ों छात्रों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया. पीड़िता ने लंका थाने में दी तहरीर में बताया कि बीती रात वह छात्रावास से निकली, उसका दोस्त उसे मिल गया, तभी बाइक पर सवार तीन लोगों ने उन्हें रोक लिया. बदमाश उसका मुंह दबा कर उसे कोने में ले गए और उसे निर्वस्त्र कर किस किया व वीडियो बना लिया और फोटो खींचे.

जब बुरे दिन आते हैं साथ न देता कोई

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

महुआ मोइत्रा जिस व्यूह में फंसी हैं, उसका कारण एक कुत्ता है. उसका नाम हेनरी है. इसी को लेकर अपने वकील मित्र से पंगा ले लिया. जिसने उनका राजफाश कर दिया है

प्रसंगवश

गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे अपमानित महसूस कर रहे हैं. उनका कहना है कि सांसद महुआ मोइत्रा ने उन्हें पिटबुल (एक प्रकार का खूंखार कुत्ता) कहा है, वह भी झारखंडी विशेषण के साथ. दुबे जी को महुआ ने एक साक्षात्कार के दौरान इस उपाधि से नवाजा है. यह सांसद, संसद और झारखंड का अपमान है. निशिकांत दुबे ने महुआ मोइत्रा और साक्षात्कार लेनेवाले पत्रकार पर कार्रवाई की मांग सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर से की है. पत्रकार पर कार्रवाई की मांग इसलिए, क्योंकि उन्होंने झारखंडी पिटबुल जैसे विशेषण को प्रसारित -प्रकाशित किया है. यह पहली बार नहीं है. इससे पहले भी बोफोर्स कांड में जब मशहूर वकील राम जेठमलानी ने सवाल पूछना शुरू किया था, तब राजीव गांधी ने उन्हें भौंकनेवाला कुत्ता कह दिया था. इसके जवाब में जेठमलानी ने कहा था कि कुत्ते चोर को देख कर ही भौंकते हैं. वैसे जो महुआ मोइत्रा दुबे जी को संसद में गुंडा तक कह सकती हैं, उनसे और क्या उम्मीद की जा सकती है ? यह महुआ की पारिवारिक , सामाजिक और राजनीतिक परवरिश को दर्शाता है. वैसे भी महुआ इस समय सन्निपात की अवस्था में हैं. बड़बड़ाना और फूहड़ शब्दों का इस्तेमाल उनकी आदत है. फिर इस समय वह जिस व्यूह में फंसी हैं, उसका कारण भी एक कुत्ता ही है. उसका नाम हेनरी है. उसकी प्रजाति का तो पता नहीं, लेकिन उसमें कुछ ऐसे गुण जरूर हैं, जिनके कारण महुआ अपने अंतरंग मित्र एडवोकेट जय अनंत देहाद्रई से झगड़ बैठीं और देहाद्रई ने उनका ऐसा राज फाश कर दिया है, जिससे उनकी बेचैनी बढ़ गयी है.

दरअसल जो खबरें प्रकाश में आ रही हैं, उनके मुताबिक महुआ ने देहाद्रई से हेनरी को कुछ दिनों के लिए लिया और फिर उस पर इस कदर फिदा हुईं कि उसे लौटाने से इनकार कर दिया. जब देहाद्रई ने हेनरी की वापसी के लिए दबाव डाला, तो महुआ ने उन पर कई आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दिया. मजबूरन देहाद्रई ने महुआ से समझौता कर लिया और हेनरी की वापसी की जिद छोड़ दी. फिर महुआ ने भी केस वापस ले लिया. अब देहाद्रई ने सीबीआई से शिकायत की है कि महुआ मोइत्रा पैसे लेकर संसद में सवाल पूछती हैं. हालांकि सीबीआई ने अभी तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन इसी शिकायत के आधार पर गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा स्पीकर को एक पत्र लिख दिया है. अब इस मामले की जांच संसद की एथिक्स कमिटी कर रही है, जिसके सामने निशिकांत दुबे और देहाद्रई की गवाही हो चुकी है. बहरहाल महुआ इस कमिटी के सामने दो नवंबर को हाजिर हुई हैं. इस प्रकरण में एक अन्य किरदार हैं दर्शन हीरानंदानी. ये एक नामी बिजनेसमैन हैं. ये भी महुआ के खास मित्र हैं या थे. उन्होंने एक एफिडेविट में कहा है कि महुआ ने संसद का अपना लॉगिन और पासवर्ड उन्हें दिया था. महुआ ने अपने साक्षात्कार में इससे इनकार भी नहीं किया है. क्यों दिया था, इसके जवाब में उनका कहना है कि कोई भी सांसद अपने सवाल खुद टाइप नहीं करता.

-शेष पेज 10 पर

खराब लॉ एंड ऑर्डर पर हाईकोर्ट ने धनबाद एसएसपी से मांगी रिपोर्ट

संवाददाता। रांची

जवाब दीजिए
- धनबाद एसएसपी को भी पार्टी बनाने का निर्देश
- रांची के मामले में सरकार से भी मांगी विस्तृत रिपोर्ट

झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के दिवंगत रिटायर्ड जज की जमीन हड़पने की कोशिश करने की खबरों पर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से एसआईटी द्वारा अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है.

अदालत ने पूछा है कि एसआईटी ने भू-माफिया के खिलाफ क्या कार्रवाई की है. इसके साथ ही अदालत ने धनबाद जिले में लॉ एंड ऑर्डर की बिगड़ी स्थिति पर धनबाद एसएसपी से भी जवाब मांगा है. अदालत ने उन्हें दो सप्ताह के अंदर जवाब के माध्यम से विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत ने उनसे पूछा है कि लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति ठीक करने के लिए जिले में क्या- क्या कदम उठाए जा रहे हैं. बता दें कि भू-माफिया ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस स्व युसूफ इकबाल की जमीन हड़पने कोशिश की थी. इससे संबंधित खबरें प्रकाशित होने के बाद हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था, जिसे जनहित याचिका में तब्दील कर कोर्ट सुनवाई कर रहा है. हाईकोर्ट ने इस जनहित याचिका में धनबाद एसएसपी को भी पार्टी बनाने का निर्देश दिया है.

ब्रीफ खबरें

रंगोली प्रति. में वेस्ट हाउस बनी विजेता

कोडरमा। ग्रिजली विद्यालय में अंतर हाउस रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में वेस्ट हाउस की टीम विजेता बनी. विद्यालय के चार हाउस ईस्ट, वेस्ट, नार्थ और साउथ हाउस के छात्रों ने उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और एक से बढ़कर एक कलात्मक रंगोली बनाये. विद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्येक हाउस के छात्रों ने रंगोली बनाने के कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया. मौके पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने रंगोली का निरीक्षण करने के बाद कहा कि इस प्रतियोगिता ने न केवल छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को उभारा है बल्कि सभी हाउस के बीच टीम वर्क, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है.

एनआईटी में करप्शन के दुष्प्रभाव पर हुई चर्चा

आदित्यपुर। एनआईटी जमशेदपुर में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक सतर्कता सप्ताह मनाया जा रहा है. पूर्व निदेशक और प्रशासनिक कमांडेंट आर्मी कैंप सोनारी के कर्नल आरपी सिंह बुधवार शाम आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए. उन्होंने करप्शन से समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर अपनी बातें रखी. उन्होंने करप्शन से होने वाले समाज के ऊपर प्रभाव, उसे दूर करने के उपाय, पब्लिक इंटरेस्ट डिस्क्लोजर और प्रोटेक्शन ऑफ इंफॉर्मर्स, रेजोल्यूशन, रिपोर्टिंग, इन्वेस्टिगेशन, पनिशमेंट के ऊपर विस्तार से चर्चा की. मौके पर उन्होंने प्रश्नोत्तरी में सभी के उत्साह और प्रश्नों का जवाब दिया. संस्थान के निदेशक डॉक्टर गौतम सूत्रधर ने कर्नल आरपी सिंह का स्वागत किया और उनके विचारों को आत्मसात करने की बात कही. इस कार्यक्रम में प्रोफेसर रवि मोहंती, प्रोफेसर राजीव भूषण, प्रो. विनय शर्मा, प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह, प्रोफेसर एम के सिन्हा ने हिस्सा लिया.

बच्चों ने ली देश की अखंडता सुरक्षित रखने की शपथ

चौपारण। चौपारण के बहेरा आश्रम में नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. वहीं राष्ट्रीय एकता दिवस मनाते हुए बच्चों ने देश की अखंडता सुरक्षित रखने की शपथ ली. कार्यक्रम में सर्वप्रथम विद्यालय की प्राचार्या रीना पांडेय ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की योग्यता और महत्ता पर प्रकाश डाला. वहीं शिक्षिका अमृता मैसी ने बच्चों को राष्ट्रीय एकता व अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ दिलाई. विद्यालय के खेल शिक्षक राकेश रंजन, उमेश भगत व आशुतोष कुमार ने छात्र-छात्राओं के साथ रन फॉर यूनिटी के तहत एकता दौड़ का आयोजन कराया.

प्रश्नोत्तरी में सरोजनी नायडू ग्रुप अव्वल

बेंगाबाद (गिरिडीह)। खादी महोत्सव 2023 के तहत बेंगाबाद स्थित केएन बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को तीन ग्रुप में बांट कर पूरा किया गया. जिसमें सरोजनी नायडू, सर्वपल्ली राधा कृष्णन एवं सर जेसी बोस ग्रुप शामिल थी. इस प्रतियोगिता में बीएड के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया. जिसमें सरोजनी नायडू ग्रुप को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजीत कुमार सिंह ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह वर्धन किया.

शिक्षकों को मिश्रित शिक्षा का मिला ज्ञान

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय नेशनल लेवल ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम चल रहा है. तीसरे दिन गुरुवार दो सत्रों में टीचर रिफ्रेशर कोर्स में देश के दो विद्वतजनों ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दी. इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लिए प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च स्तर के शिक्षकों एवं शोधार्थियों को नवीन तकनीकी व शैक्षणिक कौशल विकास की जानकारी दी गई. क्रिएटिंग थ्रो इनोवेटिव टेक्नो-पेडागोगिज इन द लाइट ऑफ एनईपी-2020 के तहत बहुसाक्षरता और चर्चा आधारित शिक्षण-अधिगम पर जीजीएसआईपी विवि दिल्ली यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित आहूजा ने कहा कि बहुसाक्षरता समाज की आवश्यकता है.

2 गोल्ड मेडल, 20 सिल्वर मेडल मिलेंगे, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सौंपेंगे प्रमाण पत्र

एनआईटी का दीक्षांत समारोह कल, 1040 को मिलेंगे सर्टिफिकेट

संवाददाता । आदित्यपुर

आदित्यपुर स्थित एनआईटी जमशेदपुर का 13वां दीक्षांत समारोह में 4 नवंबर को होगा. समारोह में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन 2 विद्यार्थी को गोल्ड मेडल और 20 को सिल्वर मेडल सहित 1040 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र सौंपेंगे. इसमें 42 पीएचडी, 158 एमटेक, 93 एमसीए, 84 एमएससी और 663 बीटेक के विद्यार्थी शामिल हैं. कार्यक्रम संस्थान के जिमखाना हॉल में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा. उक्त जानकारी गुरुवार को संस्थान के निदेशक डॉ प्रो. गौतम सूत्रधर ने प्रेसवार्ता में दी.

प्रेसवार्ता में रजिस्ट्रार निशीथ कुमार राय, डीन एकेडमी सीएम राव और एसोसिएट डीन एकेडमी एम राउत मौजूद थे.

प्रेसवार्ता में संस्थान के विद्यार्थियों के चल रहे कैंपस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि इस वर्ष अब तक के शीर्षस्थ सालाना पैकेज एक ऑस्ट्रेलियन कंपनी अटलांसियन ने 6 छात्रों को 83-83 लाख रुपये दिये हैं. इस वर्ष 1040 विद्यार्थियों में से 990 छात्रों का कैंपस देश की विभिन्न नामी कंपनियों ने कर लिया है. इसकी प्रतिशत 98.97 फीसदी है. प्रेसवार्ता में ही केंद्र सरकार की स्टार्टअप योजना की जानकारी देते हुए निदेशक ने बताया कि संस्थान के कैम्पस में ही एलुमनी विद्यार्थियों को इन्क्यूबेशन सेंटर खोलने के लिए 10 हजार एकड़ जमीन उपलब्ध करा दी गई है. वहीं एलुमनी के लिए केंद्र सरकार ने भी 4.90 करोड़ रुपये सहायतार्थ आवंटित कर दिये हैं. भारत सरकार को साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्रालय ने 3 साल तक के केंद्र के इम्प्लायी को वेतन आदि देने की घोषणा की है. इन्क्यूबेशन सेंटर का कार्य जून 2024 से शुरू हो जाएगा. यहां नए उद्यमी तैयार होंगे.

- ऑस्ट्रेलियन कंपनी अटलांसियन 6 छात्रों को 83-83 लाख का सालाना पैकेज
- इन्क्यूबेशन सेंटर के लिए एलुमनी को मिला 10 हजार एकड़ जमीन
- केंद्र सरकार दिया 4.90 करोड़ रुपये, जून 2024 से शुरू होगा निर्माण कार्य
- बीटेक मेटलर्जी की छात्रा सायरी और एमएससी फिजिक्स के छात्र मैनाक को मिलेगा गोल्ड मेडल

आपकी बात

शिक्षा के क्षेत्र में शुरू से अपने को समर्पित किया. आज उनके पढ़ाये हुए बच्चे देश-विदेश में कार्यरत हैं.

नाम : एमके सिन्हा
पद : प्राचार्य, डीएवी कडरू, 10 डीएवी स्कूलों के डायरेक्टर
विशेषज्ञ : शिक्षक
निवास : रांची

एमके सिन्हा का जन्म 31 अक्टूबर 1962 को मुंगेर के धरहरा प्रखंड में एक साधारण परिवार में हुआ. उन दिनों उनके गांव में शिक्षा एक बड़ी बात थी. बेहतर शिक्षा के अभाव में 10वीं तक अपने गांव के ही सरकारी उच्च विद्यालय से शिक्षा प्राप्त किये. उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव नौवीं क्लास में हुआ. जब उन्हें साइंस के प्रति जागृति हुई. वे अपने आचार्य कपिल जी से काफी प्रभावित थे. उनके आचार्य ने कहा था कि भौतिकी पढ़ने वाला ही मेरा ज्येष्ठ पुत्र होगा. सबसे कमजोर विषय गणित होने के बावजूद भी काफी अच्छे नंबर से वे पास हुए और मुंगेर से आईएससी करने के बाद भौतिकी से बीएससी ऑनर्स किये. इसी विषय से एमएससी, भागलपुर यूनिवर्सिटी से किए. लेकिन शिक्षक के प्रति उनकी रुचि शुरू से थी. उन्होंने रीजनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन भुवनेश्वर से बीएड पूरा किया. डीएवी समूह से 1989 में जुड़े. 1996 उन्हें रजरप्पा डीएवी में हेड मास्टर के रूप में नियुक्ति मिली. 1997 में वे डीएवी कपिल देव के प्राचार्य के रूप में ज्वाइन किया. 1 जून 2017 को डीएवी हेहल में प्राचार्य बने. अप्रैल 2023 को डीएवी कपिल देव आ गए. उनके पढ़ाये हुए पांच बच्चों को नेशनल इनोवेशन के तहत राष्ट्रपति पुरस्कार भी मिला है. एम के सिन्हा को 2007 में महात्मा हंसराज अवार्ड से नवाजा गया है. वहीं 5 सितंबर 2010 में राष्ट्रपति पुरस्कार का सम्मान मिला है. वे सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर के रूप कार्य कर चुके हैं. उनके तीन बच्चों में बेटी स्नेहा व दामाद प्रवीण सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं. उनका बड़ा बेटा शुभम सौरव व छोटा बेटा उत्कर्ष मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर हैं. उनकी धर्मपत्नी सुषमा सिंह डीएवी कपिल देव में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं.

झारखंड लोक आयोग की ओर से की गई शिक्षकों की नियुक्ति

कोहान विवि को इतिहास के 17 शिक्षक मिले, एनपीयू को 11

संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से राज्य के दो विश्वविद्यालयों और उनके अधीनस्थ अंगीभूत कॉलेजों के लिए इतिहास विषय के 28 शिक्षकों (सहायक प्राध्यापक) की नियुक्ति की गयी है. इनमें 17 शिक्षक कोल्हान विश्वविद्यालय और 11 नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के लिए नियुक्त किये गये हैं. आयोग की ओर से संबंधित रिजल्ट की घोषणा करते हुए दोनों विश्वविद्यालयों को सूचित कर दिया गया है. इसमें चाईबासा स्थित कोल्हान विश्वविद्यालय तथा मेदिनीनगर (पलामू) स्थित नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय शामिल है. इनमें विश्वविद्यालय पीजी डिपार्टमेंट और अंगीभूत कॉलेजों के लिए अलग-अलग शिक्षकों को नियुक्त किया गया है. रिजल्ट की अधिसूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि किस शिक्षक की पीजी डिपार्टमेंट व किसकी अंगीभूत कॉलेज के लिए नियुक्ति की गयी है.

तीन-तीन शिक्षक पीजी डिपार्टमेंट में दोनों ही विश्वविद्यालय को पीजी डिपार्टमेंट के लिए तीन-तीन शिक्षक-शिक्षिकाएं मिले हैं. जबकि कोल्हान विश्वविद्यालय को अपने विभिन्न अंगीभूत कॉलेजों के लिए 14 शिक्षक-शिक्षिकाएं मिले हैं. इसी प्रकार नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय को अधीनस्थ विभिन्न कॉलेजों के लिए 8 शिक्षक-शिक्षिकाएं मिले हैं.

कहां किसकी नियुक्ति

01 कोल्हान विश्वविद्यालय पीजी डिपार्टमेंट : विकास नंदन, मुक्ता रानी ओरिया, प्रदीप कुमार झा.

02 कोल्हान विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेजों के लिए : पंकज कुमार श्रीवास्तव, शिप्रा नंदन, स्वीकृति, साकेत बिहारी, अमृता जायसवाल, नूपुर, कविता कुमारी, अरविंद कुमार साहू, विनोद कुमार लोहरा, नितिन नीरज, पंजिशा बेदिया, मेरीलीना हांसदा, हेमा सुजाता लकड़ा, मनीष कुमार.

03 नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय पीजी डिपार्टमेंट : आयना एमएस, प्रिंस कुमार, अरुण.

04 नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेजों के लिए : चंदन कुमार सुमन, भगवान सिंह, केएम ज्योति, नरेश कुमार साव, माधुरी प्रियदर्शीनी, बिनोद आगस्टीन सुरीन, ललिता कीडो, शैलेश.

कोल्हान विवि में स्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का रजिस्ट्रेशन 23 तक

जमशेदपुर। कोल्हान विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष में नामांकित छात्र-छात्राओं के लिए रजिस्ट्रेशन (पंजीयन) की प्रक्रिया आरंभ कर दी गयी है. रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 23 नवंबर है. इस संबंध में विश्वविद्यालय की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गयी है. अधिसूचना के अनुसार चांसलर पोर्टल के माध्यम से ही रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी पूरी की जायेगी. छात्र-छात्राओं को मैट्रिक व इंटरमीडिएट के प्रमाण पत्रों की प्रतिलिपि जमा करने को कहा गया है. साथ ही बताया गया है कि री-एडमिशन की स्थिति में संबंधित छात्र अथवा छात्रा को अपना पूर्व का रजिस्ट्रेशन स्लीप जमा करना होगा. झारखंड अथवा जैक बोर्ड से 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपये तथा अन्य राज्य अथवा बोर्ड से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए 450 रुपये निर्धारित किया गया है.

रजिस्ट्रेशन से संबंधित विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है. इससे अलावा संबंधित कॉलेज से भी छात्र-छात्राएं विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं.

बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

कतरास। बीसीसीएल में चलाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत गुरुवार के दिन बरोरा क्षेत्र द्वारा डीएवी बरोरा व नेहरू बालिका विद्यालय में वर्ग 7 से वर्ग 10 तक के 100 से अधिक बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. बच्चों ने काफ़ी उत्साह के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा अपने हुनर दिखाए. इस मौके पर बरोरा क्षेत्र के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक मुकेश कुमार, उप कार्मिक प्रबंधक-संतोष कुमार सिन्हा व अन्य कर्मी उपस्थित थे.

व्यक्तित्व को निखारती है हंसी : चौहान

संवाददाता। खलारी

उर्सुलाइन कान्वेंट स्कूल, आदर्श उवि शांतिनगर खलारी और सीआईएसएफ कैंप डकरा में गुरुवार को खुशी क्लास का आयोजन हुआ. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए खुशी क्लास के संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन को अपनी जिंदगी में आस-पास भी फटकने नहीं देना है. सकारात्मकता से खुशी जगती है और यही खुशी मंजिल तक ले जाती है. यूं कहें सकारात्मकता ही आपको सफलता दिलाएगी.

चौहान ने सकारात्मकता के ताकत से संबंधित कहानी भी सुनाई. कहा कि एक गांव में दो मित्र थे. गांव के 5 किमी की परिधि में तकरीबन 30 गांव थे. पढ़ाई के लिए एकमात्र प्राथमिक विद्यालय था. एक मित्र सोचता, यहां शिक्षा के लिए कुछ होना चाहिए. दूसरा मित्र सोचा, मुझे अपने गांव के लिए कुछ करना है. वह अपने खेतिहर जमीन का एक टुकड़ा बेच कर गांव में स्कूल बनाने लगा. उसका हौसला देख ग्रामीणों ने भी मदद शुरू कर दी. 3-4 साल के अंदर उसका स्कूल पूरे एरिया में प्रसिद्ध हो गया. 2 हजार छात्र हो गए. उसकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत हो गयी. पहला मित्र सोचता रहा, दूसरा मित्र बाजी मार ले गया.

खुशी क्लास
- उर्सुलाइन कान्वेंट स्कूल खुशी क्लास का हुआ आयोजन
- छात्रों को दिए गए पॉजिटिव रहने के टिप्स

प्रतियोगिता में अव्वल छात्र-छात्राएं सम्मानित

संवाददाता। कतरास

विद्या भारती के योजना अनुसार साहिबगंज (भागलपुर) में क्षेत्रीय मूर्ति कला संस्कृति बोध प्रश्न मंच एवं कथा- कहानी प्रतियोगिता आयोजित हुई. इसमें सरस्वती विद्या मंदिर सिनीडीह के भैया-बहनों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय तथा विद्या भारती, झारखंड का गौरव बढ़ाने का कार्य किया.

इन बच्चों को विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया. सम्मान पाने वालों में कथा कहानी में शिशु वर्ग की तृषा लाला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, शिशु वर्ग के संस्कृति बोध प्रश्न मंच में तनय मोदी, नमन पॉल एवं अनय लाला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, वहीं मूर्ति कला के बाल वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया आर्यन कुमार रहे. तरुण वर्ग के संस्कृति बोध प्रश्न मंच में नैतिक कुमार, जय कुमार एवं हिमांशु कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया. मौके पर प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि नियोजित ढंग से कार्य करने पर ही सफलता प्राप्त होती है. इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी दिसंबर माह में मथुरा में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे. मौके पर विद्यालय के उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा, अनूप कुमार पांडे, राजीव कुमार सिंह, अजय कुमार पांडे, नमिता कुमारी, अशोक कुमार सिंह, नवल किशोर झा एवं अन्य आचार्य उपस्थित थे.

खास बातें
- साहिबगंज में मूर्ति कला संस्कृति बोध प्रश्न मंच हुआ का आयोजन
- सरस्वती विद्या मंदिर को मिला पहल, दूसरा व तीसरा स्थान

छात्रों को मिले इंडस्ट्रियल सेफ्टी मैनेजमेंट के टिप्स

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के करनडीह स्थित लाल बहादुर शास्त्री मेमोरियल (एलबीएसएम) कॉलेज जमशेदपुर में रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा इंडस्ट्रीयल सेफ्टी मैनेजमेंट पर कार्यशाला का आयोजन किया गया. यह आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ सेफ्टी प्रोफेशनल के सहयोग से विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं के लिए किया गया. इसमें ट्रेनर मो अनवर साजिद ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कल-कारखाने एवं आवासीय परिसर में आग पर काबू पाने के विभिन्न उपायों की चर्चा की. उन्होंने बताया कि किस परिस्थिति में कौन से अग्निशामक का प्रयोग किया जाय, ताकि जान-माल की क्षति न हो.

केमिस्ट्री छठे सेमेस्टर के छात्रों की विदाई: इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो अरविंद प्रसाद पंडित ने बताए कि जो लोग सेफ्टी का ट्रेनिंग लेंगे उन्हें कल-कारखानों में सेफ्टी ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया जाता है. इस अवसर पर रसायन विज्ञान छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह का भी अयोजित किया गया एवं राष्ट्रीय स्तर की रसायन विज्ञान परीक्षा में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए.

कार्यक्रम में शामिल ट्रेनर, शिक्षक व विद्यार्थी.

इंडस्ट्री में केमिस्ट के रूप में कॅरियर : प्राचार्य

इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ अशोक कुमार झा ने रसायन विज्ञान के छात्र-छात्राओं के लिए इंडस्ट्री में केमिस्ट के रूप में करियर की जानकारी दी. इस अवसर पर जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज की डॉ सुमन कुमारी, जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज के डॉ रवि भूषण सिंह, डॉ विजय प्रकाश, डॉ विनय कुमार गुप्ता एवं 50 से अधिक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे. धन्यवाद ज्ञापन डॉ जया कच्छप ने किया.

समस्या जल समस्या के कारण किया गया था जलमीनार का निर्माण, आठ महीने से खराब

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुसहरिया में पेयजल की समस्या बढ़ी

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुसहरिया परिसर में लगी जलमीनार का छात्र, शिक्षक सहित अन्य कर्मी लाभ नहीं उठा पा रहे हैं. दरअसल विद्यालय परिसर में मुखिया मद से जलमीनार का निर्माण किया गया है. इसका कनेक्शन परिसर स्थित चापाकल से किया गया है. लेकिन वह करीब आठ माह से खराब पड़ी है. जिसकी वजह से यहां पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गयी है. आलम यह है कि मध्याह्न भोजन बनाने के लिए कभी नदी से तो कभी दूसरे जगहों से पानी की व्यवस्था की जा रही है. विद्यालय आने वाले बच्चे अपने घर से ही पानी का बोतल लाते हैं. तब जाकर वह मध्याह्न भोजन कर पाते हैं.

मध्याह्न भोजन बनाने के लिए नदी व अन्य अस्थाई व्यवस्था पर निर्भरता

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय मुसहरिया में पेयजल संकट, छात्र व शिक्षक परेशान

बच्चे साथ लेकर जाते हैं पीने का पानी

जनप्रतिनिधियों से इस पर पहल करने की अपील

इस संबंध में विद्यालय के सचिव योगेंद्र कुमार दास ने बताया कि विद्यालय परिसर स्थित जलमीनार में लगा चापाकल महीनों से खराब पड़ा है. जिसके कारण मध्याह्न भोजन के लिए नदी या दूसरे स्थान से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है. इस संबंध में उन्होंने स्थानीय मुखिया को भी जानकारी दी. लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि ने कोई पहल नहीं की. योगेंद्र कुमार दास ने एक बार फिर जनप्रतिनिधियों से इस पर पहल करने की अपील की है.

करीम सिटी कॉलेज में की गयी कई फिल्मों की स्क्रीनिंग

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज ने झारखंड नेशनल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन की भी मेजबानी की. यह एक ऐसा कार्यक्रम रहा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में 'माइंड योर लिमिट्स', 'विंडोज ऑफ टाइम'' और 'अल्ट्रा हिमालय' जैसी अद्भुत फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री फिल्मों की स्क्रीनिंग शामिल थी, जिसने दर्शकों का मन मोह लिया. शुक्रवार को शहर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में इमरती, फना और कपटिया जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा. इस अवसर पर जमशेदपुर के डीएसपी सीसीआर साकची अनिमेश कुमार गुप्ता की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जो एक प्रतिभाशाली कलाकार भी हैं. उन्होंने उत्सुक श्रोताओं को मूल्यवान और प्रेरणादायक शब्दों से संबोधित किया. इस दौरान जेएनएफएफ की संरक्षक पूरबी घोष जेएनएफएफ के सह संस्थापक संजय सत्पथी व राजू मित्रा समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

भूगर्भ में कोयले का अकूत भंडार : विधायक

बेरमो । बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह ने कहा है कि यहा भूगर्भ में कोयले का अकूत भंडार है. यह बात उन्होंने यहां सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) कोलियरी विस्तार को लेकर 2 नवम्बर बंद ढोरी एक्सवेशन परिसर में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन के बाद कहा. भूमि पूजन में यजमान के रूप मे बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह और ढ़ोरी जीएम मनोज कुमार अग्रवाल शामिल थे. विधायक सिंह और जीएम अग्रवाल ने नारियल फोड़ कर इसका शिलान्यास किया.

17 दिसंबर को झामुमो का जिला सम्मेलन

रांची । झामुमो रांची जिला का सम्मेलन 17 दिसंबर को होगा. इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे. यह निर्णय गुरुवार को जिला झामुमो अध्यक्ष मुश्ताक आलम की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया. बैठक में सदस्यता अभियान पर जोर दिया गया. बैठक में केंद्रीय सचिव नंदकिशोर मेहता, केंद्रीय सदस्य सह राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, समनूर मंसूरी, अंतू तिर्की, रामशरण विश्वकर्मा, डॉ. हेमलाल कुमार मेहता शामिल थे.

कांग्रेस प्रवक्ता ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

रांची । झारखंड कांग्रेस के प्रवक्ता राकेश कुमार सिन्हा ने रेल मंत्री अश्विवनी वैष्णव को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने पलकनुमा एक्सप्रेस के बेपटरी होने और तीन ट्रेकमेन के जख्मी होने के मामले की जांच की मांग की है. पत्र में राकेश सिन्हा ने कहा है कि सुशील कुमार सौरव को गार्डेनरीच कोलकत्ता में उपमुख्य अभियंता के पद से स्थानांरित करते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे रांची मंडल में वरिष्ट मंडल अभियंता के पद पर स्थापित किया जाना यह दर्शाता है कि रेलवे विभाग कैसे एक लापरवाह अधिकारी को इनाम से नवाजा जा रहा है.

विधायक ने चहारदीवारी का शिलान्यास किया

चौपारण । चौपारण प्रखंड के उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय दनुआ में डीएमएफटी मद से चहारदीवारी का निर्माण होगा. इसका शिलान्यास गुरुवार को बरही के विधायक सह निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला ने किया. इससे पहले विद्यालय के प्रधानाध्यापक रतन कुमार वर्मा के नेतृत्व में विधायक का स्वागत किया गया. प्रधानाध्यापक ने विधायक को सुभाष चन्द्र बोस से संबंधित पुस्तक भेंट की. इस दौरान विधायक ने बच्चों को पढ़-लिख कर अच्छे इंसान बनने और देश की प्रगति में हाथ बढ़ाने को कहा.

हक और अधिकार के लिए आंदोलन जरूरी

बेरमो । झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति गुंजरडीह के द्वारा 8 सूत्री मांगो को लेकर सीसीएल ढोरी एरिया के महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया. यहां अंदोलनकारी नेता जयराम महतो ने कहा कि गुंजरडीह एवं चपरी पंचायत के ग्रामीण सीसीएल से ही प्रभावित है. यहां कारीपानी और तारमी परियोजना में हेवी ब्लास्टिंग से घरों का काफी नुकसान होता है. धूल कण उड़ने से फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा है. इन पंचायतों में सीसीएल द्वारा उत्खनन के दौरान पेड़ों की कटाई हुई है जिससे पर्यावरण संकट बढ़ गया है.

झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग कर रहा है आंदोलनकारियों की पहचान

अबतक पहचान न होना दुर्भाग्यपूर्ण: बिरुली

संवाददाता । चाईबासा

कोल्हान एकता मंच के सचिव बीर सिंह बिरुली ने कहा है कि झारखंड आंदोलनकारी चिह्नितीकरण आयोग का नेतृत्व खुद एक आंदोलकारी के बेटे सह राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इसके बावजूद आंदोलनकारियों को चिह्नित करने का काम पूरा न होना दुर्भाग्यपूर्ण है. इस सिलसिले में बुधवार को मुख्यमंत्री ने आयोग की बैठक बुलाई थी.

बीर सिंह बिरुली ने कहा कि झारखंड प्रदेश की परिकल्पना को लेकर आंदोलकारियों ने अपनी कुर्बानी दी है. राज्य की संपत्ति व संसाधनों में पहला हक आंदोलनकारियों का बनता है. पूर्व और वर्तमान की सरकारों ने सिर्फ आंदोलकारियों को छलने का काम किया है.

23 वर्ष बीतने के बाद भी पहचान नहीं : झारखंड के 23 वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी आंदोलनकारियों की पहचान और आंदोलनकारी और उनके आश्रितों को मन सम्मान न मिलना शर्म की बात है. आजाद भारत का पहला नरसंहार सबसे बड़ा खरसावां गोलीकांड के आंदोलकारियों, शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित तो हर साल किया जाता है. वहां सिर्फ शहीदों की वेदी पर राजनीति रोटी सेंकी जाती रही है. आंदोलकारी आयोग द्वारा वैसे लोगों को आंदोलकारी के रूप में चयन किया जा रहा है, जिसका झारखंड आंदोलन या अन्य विद्रोह में कोई भूमिका नहीं थी. आयोग द्वारा ऐसा करना आंदोलनकारियों और शहीदों का अपमान है. पार्टी का झंडा ढोने और चापलूसी करने वालों को भी आंदोलनकारी बनाया जा रहा है. यह न्यायसंगत नहीं है.

खास बातें

- राज्य के संसाधनों में पहला हक आंदोलनकारियों का
- पूर्व और वर्तमान सरकारों ने सिर्फ छलने का काम किया

पोटो हो के वास्तविक वंशज का पता नहीं

बीर सिंह बिरुली ने कहा कि सेरेंसिया के वीर सपूत पोटो हो के नाम से सरकार पूरे राज्य में योजना चला रही है. लेकिन आज भी सरकार पोटो हो के वास्तविक वंशज का पता नहीं लगा सकी है. वर्तमान में जिनको वंशज का दर्जा दिया जा रहा, क्या वो वास्तव में पोटो हो के वंशज हैं. इसका जवाब आंदोलनकारी चिह्नितकरण आयोग और सरकार को देना चाहिए. उम्मीद करते हैं कि सरकार आयोग के माध्यम से झारखंड के वीर सपूतों को और उनके आश्रितों को चिह्नित कर इंसाफ देगी. यही आंदोलकरी और शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

आओ जानें

तमाड़ से कब कौन जीतकर पहुंचे झारखंड विधानसभा

वर्ष	पार्टी	विधायक
2000	समता पार्टी	रमेश सिंह मुंडा
2005	जदयू	रमेश सिंह मुंडा
2009	निर्दलीय	गोपाल कृष्ण पातर
2009	जदयू	गोपाल कृष्ण पातर
2014	आजसू	विकास सिंह मुंडा
2019	झामुमो	विकास सिंह मुंडा

---

66 नव नियुक्त पशु चिकित्सकों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण

कई चुनौतियों के बीच काम कर रही सरकार : हेमंत

प्रमुख संवाददाता । रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड मंत्रालय में 66 नवनियुक्त पशु चिकित्सकों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया. इस दौरान सीएम ने कहा कि उनकी सरकार में युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं. झारखंड गठन के वक्त जो काम होने चाहिए थे पूर्व की सरकारों ने वह काम नहीं किया. मजबूरन उनकी सरकार आज उन कामों को कर रही है. सीएम ने कहा कि झारखंड सुखाड़ से परेशान है और सरकार उससे निबटने की दिशा में काम कर रही है. इससे पहले उनकी सरकार बनते ही कोरोना आ गई. सरकार ने कोरोना का डटकर मुकाबला किया और किसी को भूखा नहीं रहने दिया. सरकार कई चुनौतियों के बीच काम कर रही है. फिर भी विपक्ष के लोग सरकार को बदनाम और परेशान करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं. विपक्ष सरकार की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन सरकार विकास पर जोर दे रही है.

किसानों-पशुपालकों को सशक्त बनाने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार इस परिकल्पना के साथ काम कर रही है कि कैसे हमारे गांव समृद्ध हों, किसान-पशुपालक कैसे सशक्त बनें और लोग कैसे स्वस्थ रहें. कहा कि हमारा प्रयास है कि राज्य कुपोषण मुक्त हो. इसके लिए हमारी सरकार मुख्यमंत्री पशुधन योजना के माध्यम से पशुपालन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से काम कर रही है.

पूरी ईमानदारी और निष्ठा से अपनी सेवा दें

खास बातें

- सरकार ने कोरोना का डटकर मुकाबला किया
- सरकार सुखाड़ खत्म करने की दिशा में काम कर रही है

संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा

मुख्यमंत्री ने पशु चिकित्सकों से कहा कि आप आज से सरकार के अभिन्न अंग बन रहे हैं. विशेषकर आप जिस सेवा से जुड़ रहे हैं, वह इस राज्य का मूल आधार है. कृषि और पशुपालन का विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. ग्रामीणों की आय कैसे बढ़े, इसपर सरकार का विशेष फोकस है. इसमें आपको ग्रामीणों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करने होंगे. सरकार के संसाधनों का बेहतर से बेहतर उपयोग कैसे हो, इसे भी सुनिश्चित करना है.

राज्य की नींव मजबूत होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गठन के साथ ही हमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा. तमाम चुनौतियां के बीच सरकार राज्य की बुनियाद मजबूत करने की दिशा में लगातार काम करती आ रही है. इसी का नतीजा है कि आज राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ चला है. मेरा मानना है कि अगर बुनियाद मजबूत होगी तो हर चुनौती को आसानी से झेल लेंगे. मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद थे.

छत्तीसगढ़ के कुनकुरी में बाबूलाल मरांडी ने की सभा

कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी : मरांडी

प्रमुख संवाददाता । रांची

भाजपा के स्टार प्रचारक बाबूलाल मरांडी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली है. गुरुवार को बाबूलाल ने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी विष्णुदेव साय के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया. मरांडी ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता विकास विरोधी है. कांग्रेस को जनता की सेवा,गांव गरीब किसान की सेवा से कोई मतलब नहीं है. वह सिर्फ आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों के नाम पर वोट लेना जानती है. देश में लगभग 60 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी ने सत्ता संभाली, लेकिन अलग छत्तीसगढ़ राज्य अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बनी. इसे भाजपा सरकार ने ही दिया.

विधायक नहीं भविष्य निर्धारित करते हैं : बाबूलाल ने कहा कि चुनाव में हम केवल प्रत्याशी को वोट देकर अपना विधायक ही नहीं चुनते बल्कि अपना भविष्य भी निर्धारित करते हैं. उन्होंने कहा कि जैसे हम अपने दैनिक उपयोग की वस्तुओं को पूरी तरह जांच-परख कर लेते हैं , क्यों न वैसे ही अब हम सब जनप्रतिनिधियों को भी जांच-परख कर लें.

बाबूलाल ने कहा कि भाजपा की सरकारों का रिकॉर्ड विकास और केवल विकास है. मोदी सरकार की लोक कल्याणकारी, गांव, गरीब, किसान को समर्पित योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए प्रदेश में भी भाजपा की सरकार जरूरी है.

खास बातें

- भाजपा प्रत्याशी विष्णुदेव साय के पक्ष में जनसभा की
- छत्तीसगढ़ राज्य वाजपेई के नेतृत्व में बना

सीएम को पत्र लिख कर सड़क खोलने की मांग

रांची । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दुबे ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पत्र लिखकर डोरंडा हाइकोर्ट के बगल वाली सड़क खोलने की मांग की है. पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि लाखों लोग सड़क बंद होने से प्रभावित हैं, आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो रही है. उन्होंने कहा कि डोरंडा काली पूजा में लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं. एक दशक से बंद पड़े इस सड़क को यदि ऐसे शुभ अवसर पर खोल दिया जाये तो काली पूजा में आने वाले भक्तों को बड़ी राहत मिलेगी. इस तरह डोरंडावासियों के लिये यह दिवाली के तोहफे के समान होगी.

वरिष्ठ कांग्रेसी से मिलने रांका पहुंची विधायक

चांडिल । ईचागढ की विधायक सविता महतो वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य माधव सिंह मानकी से मिलने गुरुवार को उनके गांव रांका पहुंची. घोर नक्सल प्रभावित गांव रांका पहुंच कर विधायक ने पूर्व जिला परिषद सदस्य के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उन्हें शॉल ओढ़ाकर उनका आशीर्वाद लिया. मौके पर विधायक ने किसी भी प्रकार की जरूरत पड़ने पर उनसे संपर्क करने का आग्रह किया. मालूम हो कि पूर्व जिला परिषद सदस्य सह वरिष्ठ कांग्रेसी नेता माधव सिंह मानकी का स्वास्थ्य खराब चल रहा है. पिछले दिनों तबीयत खराब होने के कारण उन्हें जमशेदपुर के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया था. स्वास्थ्य में हल्का सुधार होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. अब वे अपने पैतृक गांव रांका में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं. इसी बीच गुरुवार को विधायक सविता महतो उनके गांव पहुंचकर उनसे मिली और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली. इस अवसर पर बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे.

केंद्र के निर्देश पर भाजपा की लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू

पूर्णकालिक विस्तारक मनोनीत

संवाददाता । रामगढ़

भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व के निर्देश पर लोकसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू कर दी है. इसी निमित्त भाजपा ने कोलकाता में दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया था. इसमें बिहार बंगाल, झारखंड ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश सहित सभी नौ राज्यों से लोकसभा विस्तारकों को आम चुनाव की तैयारी की जिम्मेदारी सौंपी गई. राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, संगठन महामंत्री बिहार भीखू भाई दलसानिया द्वारा प्रशिक्षित कर विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में भेजा जा रहा है. इसी के तहत झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीटों पर पूर्णकालिक लोकसभा विस्तारकों का चयन हुआ.

जिम्मेदारी मिलने से गर्व महसूस कर रहा : प्रशिक्षण वर्ग से वापस लौटे झारखंड के सभी विस्तारकों को आमंत्रित कर प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और लोकसभा विस्तारक अभियान के झारखंड संयोजक योगेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा लोकसभा क्षेत्र का आवंटन किया गया. रामगढ़ भाजपा का जिला मीडिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी को गिरिडीह लोकसभा की जिम्मेदारी दिए जाने पर बाबूलाल मरांडी ने अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनायें दी.

इन्होंने दी शुभकामना

सत्यजीत चौधरी को शुभकामना देने वालों में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह पूर्व भाजपा प्रत्याशी रामगढ़ विधानसभा रणंजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू, जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, महामंत्री प्रो .खिरोधर साहू, रंजन फौजी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, प्रो .अखिलेश प्रसाद, आनंद बेदिया, मंत्री वसुध तिवारी, दिलीप सिंह, राजेंद्र कुशवाहा, किरण देवी, संजीव बावला, राजीव पमदत्त, सोशल मीडिया प्रभारी संतोष शर्मा समेत कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं.

पेसा नियमावली अधिसूचित करने की मांग

संवाददाता । लातेहार

पेसा नियमावली को अधिसूचित करने की मांग को लेकर निकाली गयी झारखंड ग्राम सभा जागरूकता यात्रा- 2023 मनिका प्रखंड मुख्यालय पहुंची. यह यात्रा 27 अक्टूबर को नीलांबर-पीतांबर के प्रतिमा स्थल, भंडरिया के अड्डा महुआ से प्रारंभ हुई है. प्रखंड कार्यालय परिसर में पहुंची इस यात्रा को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता जेम्स हेरेंज ने कहा कि पेसा कानून के 27 साल बाद भी पेसा नियमावली का अधिसूचित नहीं होना पांचवीं अनुसूची इलाकों के साथ एक संवैधानिक अन्याय है. इससे राज्य के 13 जिलों और तीन प्रखंडों का स्थानीय पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है. इन इलाकों में अफसर और बिचौलिये मिलकर ग्रामीणों का आर्थिक शोषण व उत्पीड़न कर रहे हैं. राजनीतिक पार्टियां और पंचायत ने ग्राम सभाओं को तोड़ने का काम किया है.

मनिका से निकाली गयी रैली : सभा का संचालन क्रांतिकारी किसान मजदूर यूनियन गढ़वा के जिलाध्यक्ष अशोक पाल ने किया. इससे पहले हाई स्कूल, मनिका से एक रैली निकाली गई.

खास बातें

- निकाली गई झारखंड ग्राम सभा जागरुकता यात्रा
- 27 साल बाद भी अधिसूचित नहीं होना अन्याय है : जेम्स हेरेंज

ये लोग थे शामिल

यात्रा दल में अफसाना खातून, अधिवक्ता बीआर रावत, जिला परिषद कन्हाई सिंह, मनराखन सिंह, चिंता देवी, लाजरुस तिर्की, नरेन्द्र नगेसिया, लालबिहारी सिंह, सोमवती देवी, नागेन्द्र उरांव, निरंजन ठाकुर मौजूद थे.

भारत में करीब 730 जनजातियां हैं

क्रांतिकारी किसान मजदूर यूनियन पलामू जिलाध्यक्ष वृजनंदन मेहता ने कहा कि भारत में करीब 730 जनजातियां हैं. जिन्हें संविधान के अनुच्छेद 342 के तहत अधिसूचित किया गया है. 2022 के आंकलन के अनुसार, करीब 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं. एक अन्य आंकड़े के अनुसार, आजाद भारत के 75 सालों में विभिन्न परियोजनाओं से करीब छह करोड़ आदिवासी विस्थापित हो चुके हैं. हाल में भारत की संसद में पारित वन संरक्षण (संशोधन) के लागू होने से जंगल की कटाई आदिवासियों का विस्थापन और बढ़ेगा, पर्यावरण असंतुलन बढ़ेगा और कई तरह की पारिस्थितिकीय समस्यायें पैदा होंगी.

लातेहार

आजसू ने शहर में आक्रोश रैली निकाली और समाहरणालय के समक्ष सभा की

राज्य सरकार को छात्र हित की चिंता नहीं : आजसू

आशीष टैगोर । लातेहार

आजसू पार्टी ने गुरूवार को शहर में आक्रोश रैली निकाली और समाहरणालय के समक्ष सभा भी की. लातेहार में डिग्री कॉलेज में पढ़ाई शुरू नहीं होने के विरोध में यह कार्यक्रम किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमीत कुमार पांडेय ने की. सभा में पांडेय ने कहा कि गत फरवरी माह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने दो दिवसीय दौरे के क्रम में लातेहार में एक डिग्री कॉलेज एवं एक महिला डिग्री भवन का उदघाटन किया था. उदघाटन के आठ माह बीत जाने के बाद भी इन दोनों कॉलेजों में पढ़ाई शुरू नहीं हो सकी. यह यहां के छात्रों के साथ धोखा है. जबकि लातेहार में करोड़ों रूपये की लागत से दोनों कॉलेजों के भवन बन कर तैयार हैं. उन्होंने कहा कि इस सरकार को छात्रों के हित से कोई लेना देना नहीं है. केंद्रीय सचिव जीतेंद्र सिंह ने कहा कि कालेज भवन कर तैयार होने के बावजूद पढ़ाई चालू नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है. उप प्रमुख राजकुमार प्रसाद ने कहा कि डिग्री कॉलेज के भवन बन जाने से बच्चों को उच्च शिक्षा नहीं मिलती है, जब तक उसमें पढ़ाई शुरू नहीं होगी, तो यह भवन बेकार है. जिला प्रवक्ता रितेश पांडेय ने कहा कि आजसू पार्टी लगातार जनहित मुद्दे को लेकर आंदोलन करती रही है.

बाजारटांड़ से निकाली गयी रैली : बाजारटांड़ से आक्रोश रैली निकाली गयी. इस दौरान आजसू कार्यकर्ताओं ने डिग्री कॉलेज में पढ़ाई शुरू करो, मुख्यमंत्री कुछ तो बोलो, डिग्री कॉलेज का ताला खोलो आदि नारे लगाये.

खास बातें

- लातेहार डिग्री कॉलेज में पढ़ाई शुरू नहीं होने का मामला
- उद्घाटन के 8 माह बाद भी पढ़ाई शुरू नहीं हुई है

कोई भी अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं आया

धरने के बाद आजसू नेता मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उपायुक्त को देने पहुंचे थे. लेकिन उपायुक्त कार्यालय में नहीं थे. उपायुक्त की गैर हाजिरी में अन्य कोई अधिकारी वहां ज्ञापन लेने के लिए मौजूद नहीं था. जिला अध्यक्ष अमित पांडेय ने कहा कि धरना प्रदर्शन को लेकर अनुमति ली गयी थी. धरना की जानकारी जिला प्रशासन को होने के बाद भी मांग पत्र नहीं लेना जिले के लिए दुर्भाग्य है. उन्होंने कहा कि एक घंटे के इंतजार के बाद भी कोई अधिकारी मांग पत्र लेने नहीं पहुंचे.

'मधु, गीता पर भ्रम फैला रही भाजपा'

संवाददाता । आदित्यपुर

पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा एवं सिंहभूम क्षेत्र की लोकप्रिय कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के संबंध में भाजपा के लोग भ्रम फैलाने में लगे हुए हैं. गीता कोड़ा और मधु कोड़ा कांग्रेस पार्टी के सच्चे, वफादार, जिम्मेवार एवं प्रभावशाली नेता हैं. यह दोनों पार्टी छोड़कर कहीं नहीं जा रहे हैं. ये बातें सरायकेला कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अम्बुज कुमार ने गुरुवार को यहां कही.

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जनाधार कोल्हान क्षेत्र में पूरी तरह समाप्त हो गया है. इसलिए वह कांग्रेस के नेताओं पर डोरे डालकर डरा धमका कर पार्टी में शामिल करवाना चाहती है, इसमें भाजपा कभी सफल नहीं होगी. 2024 के लोकसभा चुनाव एवं विधानसभा चुनाव में कोल्हान समेत पूरे झारखंड में भारतीय जनता पार्टी का सफाया हो जाएगा. झारखंड को डोमिसाइल की आग में झोंकने वाले बाबूलाल मरांडी को झारखंड की 3:30 करोड़ जनता पहचान चुकी है. उनके नाम पर अब भाजपा को तवज्जो नहीं मिलने वाला है. मधुकोड़ा और गीता कोड़ा आगामी लोकसभा चुनाव में सिंहभूम संसदीय क्षेत्र से 2 लाख से अधिक मतों से विजयी होंगे. वहीं कोल्हान की अधिकांश सीटों पर कांग्रेस एवं गठबंधन के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करेंगे.

खास बातें

- झारखंड में भाजपा का सफाया हो जाएगा
- राज्य की जनता बाबूलाल को पहचान चुकी है

ब्रीफ खबरें

फंड के अभाव में नहीं हो रहा काम : अपर निदेशक

आदित्यपुर। सुवर्णरेखा परियोजना आदित्यपुर प्रशासक कार्यालय कुछ दिनों से बेहतर काम नहीं कर पा रही है. परियोजना में विस्थापितों के सभी कार्य बंद पड़े हैं. परियोजना के नए अपर निदेशक ने बजट बनाकर सरकार को प्रस्ताव भेजा है. अब देखना है सरकार कब तक फंड उपलब्ध कराती है. बता दें कि एक माह पूर्व नए अपर निदेशक के रूप में दिनेश कुमार रंजन ने योगदान दिया है. कहा कि फंड के अभाव में वे विस्थापितों के लिए कोई कार्य नहीं कर पा रहे हैं.

बीडीओ से मिले कसमार के पंचायत स्वयंसेवक

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के पंचायत स्वयंसेवकों ने आज गुरुवार को कसमार प्रखंड में नवपदस्थापित बीडीओ अनिल कुमार एवं सीओ सुरेश कुमार सिन्हा का स्वागत गुलदस्ता देकर किया. पंचायत स्वयंसेवकों ने बीडीओ को ज्ञापन सौंप कर वित्तीय वर्ष 2019-20 एवं 2020-21 के प्रधानमंत्री आवास का प्रोत्साहन राशि का भुगतान करने का आग्रह किया. बीडीओ ने सप्ताह भर के अंदर पंचायत स्वयंसेवकों का प्रोत्साहन राशि भुगतान करने का आश्वासन दिया.

सैनिक कल्याण पदाधिकारियों को मिला है सेवा विस्तार

रांची। तीन जिलों के सैनिक कल्याण पदाधिकारियों को एक साल का सेवा विस्तार मिला है. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है. जारी अधिसूचना के मुताबिक, अनुबंध पर नियुक्त किये गये गुमला जिला के पी रामा राव को 30 सितंबर 2024, हजारीबाग के राजेश कुमार गुप्ता को 27 सितंबर 2024 और रांची के संजय कुमार गुप्ता को एक नवंबर 2024 तक सेवा विस्तार मिला है.

केएमसीईएल कारखाना की जमीन का सर्वे शुरू

मैथन। कुमारधुबी के नीलाम हो चुके केएमसीईएल कारखाना की जमीन का हाई कोर्ट रांची के आदेश पर गुरुवार से सर्वे शुरू हुआ. एग्यारकुंड सीओ कृष्ण कुमार मरांडी के नेतृत्व में टीम ने कारखाना की जमीन का सर्वे शुरू किया. जमीन सर्वे की सूचना पर केएमसीईएल मजदूरों में काफी आक्रोश देखा गया. कारखाना जमीन पर अवैध रूप से रह रहे लोगों को भी बेघर होने का डर सताने लगा है. जमीन मापी के दौरान सीओ मरांडी ने पंचमोहली एवं कुमारधुबी मौजा में अवस्थित जमीन की भौतिक स्थिति को देखा.

डीसी के निर्देश पर बिरसा मुंडा के वंशज का हुआ इलाज

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा के वंशज कान्हू मुंडा का गुरुवार को रिम्स में आंख का इलाज किया गया. उनके भाई सुखराम मुंडा ने बताया कि खूंटी उपायुक्त के निर्देश पर कान्हू मुंडा को सदर अस्पताल से एंबुलेंस बरियातू स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया. रिम्स के डाक्टरों ने उनके आंख की जांच की. इलाज के बाद उन्हें वापस उलीहातू भेज दिया गया. कान्हू मुंडा आंख और पेट दर्द से परेशान हैं. इसकी जानकारी खूंटी उपायुक्त कार्यालय को दी गयी थी.

छठ घाट निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

बालूमाथ (लातेहार)। प्रखंड के गणेशपुर में जिला परिषद फंड से छठ घाट का निर्माण कार्य का विधिवत उद्घाटन पूजा कर नारियल फोड़ एवम फीता काट कर किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में बालूमाथ पूर्वी जिला परिषद सदस्या प्रियंका कुमारी, भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा, गणेशपुर मुखिया परमेश्वर, भाजपा एससी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार शामिल थे. प्रियंका ने कहा कि चुनाव के दौरान वादा किया गया था कि जीतने के बाद छठ घाट का निर्माण किया जाएगा.

संघमित्रा क्षेत्र के जीएम ने सीओ को दी विदाई

बालूमाथ (लातेहार)। बालूमाथ के पूर्व अंचल अधिकारी आफताब आलम के स्थानांतरण के बाद मगध परियोजना कार्यालय में मगध-संघमित्रा क्षेत्र के महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ ने आफताब आलम को भावभीनी विदाई दी. अंचल अधिकारी आफताब आलम का तबादला गढ़वा जिला किया गया है. महाप्रबंधक नृपेन्द्र नाथ ने कहा कि जिस कार्य कुशलता एवं व्यवहार कुशलता के साथ इन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन किया.

लकड़ियों को ट्रैक्टर पर लोड कर थानसिंहडीह-घुठिया के आसपास कर दिया जाता है डंप

तिसरी प्रखंड में खुलेआम जंगल उजाड़ रहे माफिया

संवाददाता । तिसरी (गिरिडीह)

जिले के तिसरी प्रखंड के सीमावर्ती इलाकों में इन दिनों लकड़ी माफियाओं ने उत्पात मचा रखा है. माफिया दिन के उजाले में ही घने जंगलों से बेशकीमती लकड़ियों को काटकर डंप कर रहे हैं और रात के अंधेरे में सीमावर्ती राज्य में सप्लाई कर रहे हैं.

मामला प्रखंड के थानसिंहडीह का है, जहां के घने जंगलों को कुछ माफिया किस्म के लोग अपने फायदे के लिए उजाड़ने पर तुले हैं. बता दें कि थानसिंहडीह स्थित बरदही गांव के समीप डीढदह के जंगलों से इन बेशकीमती लकड़ियों की कटाई हो रही है. बरदही गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित डीढदह नामक स्थान एक पूजा स्थल व पिकनिक स्पॉर्ट है. जहां के घने जंगलों से कतिपय स्थानीय लकड़ी माफियाओं द्वारा भारी मात्रा में इन बेशकीमती साल प्रजाति के पेड़ों की कटाई की जा रही है. सूत्र बताते हैं कि ज़्यादा मात्रा में पेड़ों की कटाई करने के बाद लकड़ियों को ट्रैक्टर पर लोड कर थानसिंहडीह-घुठिया के आसपास डंप किया जाता है. जिसके बाद पिकअप वाहन में लोड कर थानसिंहडीह स्थित चेकनाका को पार कर बिहार के लखीसराय भेजा जाता है. सूत्रों की मानें तो माफियाओं द्वारा यह कार्य प्रतिदिन किया जा रहा है. रोजाना चार से पांच पिकअप वाहन में लोड कर लकड़ियों को बिहार ले जाया जाता है. इसमें वन विभाग और स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहा है.

प्रशासन मौन

- जंगल से बेशकीमती साल के पेड़ काटे जा रहे हैं
- लकड़ियों को बिहार के लखीसराय भेजा जाता है

आरा मिलों का हब हुआ करता था थानसिंहडीह

एक समय में थानसिंहडीह पंचायत आरा मिलों का हब हुआ करता था. इस क्षेत्र के जंगलों में दर्जनों आरा मिल संचालित थे. यहां के स्थानीय माफियाओं ने प्राकृतिक संपदाओं का जमकर दोहन किया है. हालांकि वन विभाग ने समय-समय पर इन आरा मिलों के खिलाफ कार्रवाई भी की है, लेकिन विभागीय कार्रवाई का माफियाओं पर कोई खास प्रभाव पड़ता नहीं दिखा है. अब भी कई माफियाओं द्वारा इसका स्वरूप बदलकर इस अवैध धंधे को संचालित करने की बात सामने आ रही है. रेंजर अनिल कुमार ने कहा कि वन विभाग पेड़ों की कटाई की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई कर रही है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- झारखंड में सैनिक वेशभूषा धारण कर होने वाल नृत्य – पाइका
- मूंगफली के टिक्का रोग का कारण कौन कवक है – सर्कोस्पोरा
- सुल्तान अजलान शाह कप किस खेल से संबंधित है – हॉकी
- किस देश ने एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी की – यूके
- हाथों से बने कपड़ों का जनक किस जनजाति को कहा जाता है – चीक बड़ाईक
- अधिक जल का अवशोषण किस विधि द्वारा होता है – निष्क्रिय अवशोषण
- एग्रीकल्चर शॉट किस खेल से संबंधित है – क्रिकेट
- भारतीय वायुसेना द्वारा किसे रिटायर किया गया – मिग-21 बिशन
- लाल मिर्च तीखी होती है, उसमें क्या होता है – कैपसेसिन

धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर ने बताए रेलवे के लक्ष्य

160 किमी की स्पीड से दौड़ेंगी ट्रेनें

संवाददाता । धनबाद

मार्च 2024 से धनबाद होकर हावड़ा-दिल्ली रूट पर 160 किमी की रफ्तार से राजधानी समेत अन्य एक्सप्रेस-मेल ट्रेनें दौड़ेंगी. अभी अधिकतम 130 किमी की रफ्तार से ट्रेनें चल रही है. आनेवाल समय में इस रूट पर वंदे भारत समेत कई और हाईस्पीड ट्रेनें चलेंगी. कम समय में लंबी दूरी तक सफर और सुरक्षित यात्रा के लिए रेलवे ट्रैक व सिग्नल को दुरुस्त किया जा रहा है. उक्त बातें धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने गुरुवार को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद के सभागार कक्ष में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि ट्रेनों व मालगाड़ियों की संख्या में हमेशा बढ़ोत्तरी होने से रेलवे ट्रैक जल्दी घिस जाती है. कुछ वर्ष में ही पटरियां क्रैक होने लगती है. जिसे बीच-बीच में जांच कर बदला जाता है. 70 करोड़ के आरजीएम मशीन से रेलवे ट्रैक की लाइफ बढ़ जाएगी. इस मशीन से पटरियों की लाइफ बढ़ने से खतरा कम होगा और पटरियां कम घिसेंगी. जल्दी ट्रैक में दरार भी नहीं पड़ेगी. इसके अलावा अप-डाउन रेल लाइन के किनारे चहारदीवारी नहीं होने से मवेशियों और वाहनों से अक्सर रेल हादसा होता है. बाइक, कार, ट्रैक्टर, गाय-भैंस से ट्रेनें व मालगाड़ियां टकरा जाती हैं. जिससे कई लोगों की मौत हो चुकी है. रेलवे को काफी नुकसान हो चुका है. संभावित बड़े हादसे को रोकने के लिए चहारदीवारी का निर्माण कराया जा रहा है.

लक्ष्य तय

- हावड़ा-दिल्ली रूट पर और हाईस्पीड ट्रेनें चलेंगी
- 70 करोड़ की मशीन से बढ़ेगी रेलवे ट्रैक की लाइफ
- रेल हादसा रोकने के लिए दोनों छोर पर होंगी दीवारें

धनबाद स्टेशन के दक्षिण छोर में खुलेंगे दो कोच रेस्टोरेंट

डीआरएम ने कहा कि धनबाद स्टेशन के दक्षिण छोर में यात्रियों के लिए कई सुविधाएं बढ़ेंगी. स्टेशन के पुराने भवन के सामने पार्किंग के अलावा जगह नहीं है. इसलिए दक्षिण छोर में दो कोच रेस्टोरेंट, कमर्शियल कांप्लेक्स, डीलक्स टॉयलट, चार्जिंग प्वाइंट, वाहन पार्किंग बनाये जायेंगे. ताकि यात्रियों की गतिविधि दक्षिण छोर में बढ़ेगी. अभी सुविधा कम होने से यात्रियों की चहल कदमी दक्षिण छोर में कम है. दक्षिण छोर की सड़क को पुराना स्टेशन तक जोड़ा जाएगा. अभी संकरी सड़के है, जिससे लोगों को दिक्कत होती है.

सात महीने में 14342 करोड़ कमाई कर धनबाद नंबर वन

वित्तीय वर्ष 2023-24 के अप्रैल-अक्टूबर तक सात महीने में धनबाद रेल मंडल में 14,342 करोड़ की कमाई कर भारतीय रेलवे में नंबर वन बन गया. डीआरएम ने कहा कि धनबाद लगातार पिछले कुछ वर्षों से कीर्तिमान हासिल कर रहा है. इस वित्तीय वर्ष में धनबाद के बाद दूसरे स्थान पर बिलासपुर रहा है, जो 11835 करोड़ की कमाई की है. तीसरे स्थान पर खुर्दा रेल मंडल रहा, जिसने 8216 करोड़ रुपये की कमाई की.

तीन कॉलोनियों का होगा जीर्णोद्धार

अंग्रेजो के जमाने का पुराना स्टेशन रेलवे कॉलोनी समेत तीन रेलवे कॉलोनियों का जीर्णोद्धार होगा. 100 साल से अधिक पुराने जर्जर रेलवे क्वार्टर को तोड़कर नया बनाया जाएगा. फिलहाल निर्माण कार्य चल रहा है, जिसमें चार-पांच साल लगेंगे. इसके अलावा बंद पड़ा रेलवे ओवर ब्रिज का काम भी चालू हो गया है. गलत तरीके से बनाने पर पूर्व में रोक दिया गया था.

धनबाद से सीतामढ़ी होकर रक्सौल तक चलेगी छठ स्पेशल ट्रेन

डीआरएम ने कहा कि 19 नवंबर को छठ पूजा है. उससे पहले धनबाद से सीतामढ़ी होकर रक्सौल के लिए छठ पूजा चलाने की घोषणा हो जाएगी. पिछले बार की तरह इस बार यात्रियों को दिक्कत नहीं होगी. कोशिश होगी कि छठ पूजा से तीन-चार दिन पहले धनबाद से ट्रेन चले. तभी टिकटें बिकेगी. पिछली बार रैक नहीं मिलने से छठ पूजा के एक दिन बाद चली थी, जिसके कारण ट्रेन लगभग खाली गई थी.

गृह कारा विभाग ने 4.41 करोड़ रुपये की पेंशन राशि को मंजूरी दी

आंदोलनकारियों की पेंशन राशि आवंटित

संवाददाता। रांची

झारखंड अलग राज्य के लिए मुहिम चलाने वाले आंदोलनकारियों और व उनके आश्रितों के लिए एक अच्छी खबर है. दरअसल उनकी पेंशन की राशि का आवंटन किया गया है. इससे उनके परिवार में खुशी का माहौल है. बता दें कि गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2023-23 के लिए 4.41 करोड़ रुपये की पेंशन की राशि को मंजूरी दे दी है. इसको लेकर गृह सचिव ने सभी 23 जिलों के डीसी को आदेश भी जारी की है.

जानें किस जिले को कितनी राशि आवंटित

- बोकारो : 22.81 लाख
- चाईबासा : 6.82 लाख
- चतरा : 10.84 लाख
- देवघर : 7.70 लाख
- धनबाद : 32.71 लाख
- दुमका : 50.98 लाख
- गिरिडीह : 31.71 लाख
- गोड्डा : 15 लाख
- गुमला : 7.92 लाख
- हजारीबाग : 40.10 लाख
- जमशेदपुर : 67.35 लाख
- जामताड़ा : 11 लाख
- कोडरमा : 30.40 लाख
- लातेहार : 01 लाख
- लोहरदगा : 24.41 लाख
- पलामू : 1.50 लाख
- पाकुड : 3 लाख
- रामगढ़ : 22.50 लाख
- रांची : 22.50 लाख
- साहेबगंज : 1.74 लाख
- सरायकेला : 14.28 लाख
- सिमडेगा : 4.30 लाख
- खूंटी : 10.85 लाख
- **कुल : 4.41 करोड़**

आधी-अधूरी व्यवस्था के बीच इमरजेंसी वार्ड शुरू

धनबाद। शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के कैथ लैब भवन में नए इमरजेंसी वार्ड को आधी-अधूरी व्यवस्था के बीच शिफ्ट कर दिया गया. जिससे मरीजों को इलाज में परेशानी हो रही है. इमरजेंसी में मरीजों को बेड तक नसीब नहीं हो रहा है. अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 60 बेड पर मरीजों का इलाज शुरू किया जाना था, लेकिन वह भी मुमकिन नहीं हो सका. वर्तमान में 6 से 10 बेड पर ही मरीजों का इलाज हो रहा है. यह हाल तब है जब अस्पताल प्रबंधन ने दावा किया था कि इमरजेंसी में 100 बेड मरीज के लिए तैयार किए गए हैं. बीते चार दिनों में समय पर बेड और पर्याप्त इलाज नहीं मिलने से 6 मरीज दम तोड़ चुके हैं. इमरजेंसी में जरूरी दवाओं का भी अभाव है. इमरजेंसी में 56 तरह की जगह मात्र चार प्रकार की ही दवा है. इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को नीडल और कॉटन भी लाने को कहा जा रहा है.

बैंक में पैसे नहीं मिलने से लोगों को हो रही परेशानी

संवाददाता । गावां (गिरिडीह)

जिले के गावां स्थित इंडियन बैंक की शाखा में ग्राहकों को पैसे नहीं दिए जा रहे हैं, जिससे परेशानी हो रही है. ग्राहकों का कहना है कि उक्त बैंक में दशहरा के पहले से यही स्थिति बनी हुई है. दर्जनों की संख्या में बैंक ग्राहक गुरुवार को बैंक में पैसे निकालने पहुंचे, लेकिन उन्हें बिना रुपये लिए बैरंग लौटना पड़ा. इससे लोगों में काफी मायूसी देखी जा रही है.

गावां समेत आसपास के पंचायतों के बहुत लोग सुदूर महानगरों में काम करते है. जबकि परिवार के सदस्य अपने घरों में रहते हैं. वे लोग अपने परिवार के खर्च के लिए वहां बैंक एकाउंट में रुपये डालते हैं. जिसकी निकासी यहां नहीं हो पा रही है. बैंक कर्मी यह कहकर टाल देते हैं कि अभी बैंक में रुपये नहीं है. बैंक ग्राहक प्रकाश पंडित, टुनटुन सिंह, प्रमोद कुमार, आशीष कुमार, पुष्पा देवी आदि ने कहा कि दीपावली व छठ में रुपये की जरूरत है. जबकि बैंक जाने पर रुपये नहीं होने की बात कहकर वापस भेज दिया जाता है. दशहरा में भी यही हाल रहा, जिससे बहुत परेशानी हो रही है.

ग्रामीणों की शिकायत पर विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह बैंक जाकर प्रबंधक से बातचीत की. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश लोग बाहर रहते हैं. ऐसी स्थिति में यहां उनके परिजनों को बैंक से पैसे निकासी में कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए बैंक को ठोस व्यवस्था करनी चाहिए. उन्होंने मामले को लेकर एसडीएम व बीडीओ से भी शिकायत की है. उन्होंने कहा कि पूर्व के प्रबंधक के द्वारा हर सप्ताह स्वयं गिरिडीह जाकर रुपयों लाते थे, जिससे लोगों परेशानी नहीं होती थी.

बादामपहाड़-टाटा मार्ग का रेल जीएम करेंगे निरीक्षण

संवाददाता। जमशेदपुर

महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा.

दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा शनिवार को बादामपहाड़-बहलदा-टाटा रेल मार्ग का निरीक्षण करेंगे. इसके लिए वे विशेष ट्रेन से शनिवार 4 नवंबर की तड़के टाटानगर पहुंचेंगे. यहां कुछ देर रुकने के बाद वे बादामपहाड़ के लिए रवाना हो जाएंगे. कार्यक्रम के तहत जीएम साढ़े आठ बजे से बादामपाहड़ रेलवे स्टेशन के विकास कार्य का निरीक्षण करेंगे. उसके पश्चात वे विशेष ट्रेन से शालीमार के लिए रवाना हो जाएंगे.

इसके लिए रेलवे की ओर से इंस्पेक्शन शेड्यूल जारी किया गया है. महाप्रबंधक की विशेष ट्रेन शुक्रवार की रात शालीमार स्टेशन से साढ़े बारह बजे खुलेगी जो टाटानगर में शनिवार की सुबह 4.30 बजे पहुंचेगी. बता दें कि जल्द ही शालीमार-बादामपहाड़ एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू होने वाला है. नई ट्रेन चलाने से पूर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए ही रेल जीएम अनिल कुमार मिश्रा शनिवार को बादामपहाड़-बहलदा-टाटा सेक्शन का निरीक्षण करेंगे. ताकि हर स्टेशनों पर सुविधाओं की जांच हो सके. इधर, रेल जीएम के निरीक्षण में चक्रधरपुर के डीआरएम अरुण जे राठौर समेत वाणिज्य, परिचालन, इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं ट्रैक्शन विभाग के मंडल पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे. मालूम हो कि द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद रेलवे ने शालीमार-बादामपहाड़ व टाटानगर-बादामपहाड़ ट्रेन चलाने की घोषणा की थी.

हाइवा चालकों ने बालूमाथ में किया जाम

बालूमाथ। डीवीसी कंपनी द्वारा संचालित तुबेद कोल माइंस से ट्रांसपोर्टिंग हो रही कोयला वाहनों को स्थानीय हाइवा चालकों ने बालूमाथ में गुरुवार को पूर्व निर्धारित आंदोलन के तहत घंटो जाम कर दिया. तूबेद कोल माइन से मां अम्बे ट्रांसपोर्टिंग कंपनी द्वारा बाहरी गाड़ियों से कोयला का ट्रांसपोर्टिंग किया जा रहा है. जिसको लगातार स्थानीय हाईवा मालिक बाहरी गाड़ियों का विरोध कर रहे हैं एवं कंपनी और जिला प्रशासन से बाहरी गाड़ियों को हटाकर स्थानीय हाईवा को उचित भाड़ा पर ट्रांसपोर्टिंग पर लगाने की मांग की जा रही है. मांगें नहीं माने जाने पर हाईवा मालिकों ने डीवीसी तुबेद माइंस से निकलने वाली सभी गाड़ियों को बालूमाथ-पांकी मार्ग हाई स्कूल के समीप घंटो जाम कर दिया. जिसके बाद स्थानीय पुलिस- प्रशासन एवं डीवीसी माइंस के ट्रांसपोर्टिंग कंपनी मां अंबे का प्रतिनिधि बलराम पांडेय जाम स्थल पर पहुंच स्थानीय हाईवा ऑनरो से वार्ता किया गया.

जनहित याचिका नियम 2010 की पांच धाराओं को दी गई चुनौती

हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

संवाददाता। रांची

हाईकोर्ट में याचिका दायर कर जनहित याचिका नियम 2010 की पांच धाराओं को चुनौती दी गई है. इस संबंध में प्रार्थी मंटू सोनी की ओर से याचिका दायर की गई है. उन्होंने अधिवक्ता अभिषेक कृष्ण गुप्ता को अपना वकील नियुक्त किया है. याचिका में झारखंड जनहित याचिका नियम 2010 की पांच धाराओं को असंवैधानिक बताया गया है, उन्होंने याचिका में कहा है कि हाईकोर्ट की जनहित याचिका नियम से संबंधित प्रावधान अस्पष्ट है, जिसकी वजह से संबंधित पक्षों को याचिका प्रभावित करने के लिए संवैधानिक मूल्य प्रभावित होते हैं. याचिका में झारखंड सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ लॉ के सेक्रेट्री और झारखंड हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को प्रतिवादी बनाया गया है. याचिका में मुख्य रूप से जनहित याचिका नियम 2010 की धारा चार, पांच, सात और नौ में उल्लेखित क्रिडेंसियल्स शब्द की अस्पष्टता और व्याख्या के अलावे सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2013 में जनहित याचिका के लिए बनाए नियमों में अस्पष्टता है. इन बिंदुओं को लेकर हाईकोर्ट के जनहित याचिका के नियम की धाराओं को चुनौती दी गई है.

झारखंड हाईकोर्ट की जनहित याचिका नियम की धाराओं में अस्पष्टता है

याचिका में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका से संबंधित प्रावधान में यह स्पष्ट किया है कि जनहित याचिका के आवेदक को किन-किन बिंदुओं पर स्पष्ट जानकारी देनी है. लेकिन झारखंड हाईकोर्ट के जनहित याचिका नियम की धाराओं में अस्पष्टता है. जिससे आवेदकों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और संवैधानिक मूल अधिकार भी प्रभावित होते हैं.

सुप्रीम कोर्ट जनहित याचिका नियमावली में आपराधिक विवरण देने का है निर्देश

झारखंड हाईकोट के जनहित याचिका नियम 2010 के धारा 5 में याचिकाकार्ता पर सिविल या क्रिमिनल मुकदमों का स्पष्ट रूप से विवरण देना अनिवार्य नहीं बताया गया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट की जनहित नियमावली में स्पष्ट किया गया है कि याचिकाकर्ता पर किसी भी नागरिक, आपराधिक या राजस्व मुकदमे से संबंधित विवरण, जिसका जनहित याचिका में शामिल मुद्दों के साथ कानूनी संबंध हो या आगे हो सकता है. इसका विवरण देना स्पष्ट रूप से अनिवार्य किया गया है.

पूर्व डीसी छवि रंजन की बेल पर ईडी कोर्ट में सुनवाई पूरी

रांची। लैंड स्कैम के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की जमानत अर्जी पर रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है. गुरुवार को सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक रमित सत्येंद्र ने बहस की. वहीं छवि रंजन की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. छवि के वकील ने जमानत दिए जाने की गुहार लगाई. दूसरी ओर ईडी की ओर से कहा गया कि रांची का डीसी रहते हुए छवि रंजन की जानकारी और सहमति से सभी लैंड स्कैम किए गए हैं. दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी होने के बाद अदालत अब अपना फैसला सुनाएगा. दरअसल ईडी रांची में लैंड स्कैम से जुड़े दो मामलों की जांच कर रही है. दोनों ही मामलों में छवि को अभियुक्त बनाया गया है. जिस केस में उन्होंने जमानत अर्जी दाखिल की है, वह चेशायर होम रोड में फर्जी दस्तावेज के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री का केस है.

कार्रवाई चौका थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग द्वारा की गई छापेमारी में शराब भट्ठियों का पता चला

उत्पाद विभाग की टीम ने दो शराब भट्टी को किया ध्वस्त

दिलीप कुमार । चांडिल

चौका थाना क्षेत्र में अवैध रूप से महुआ शराब चुलाई का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है. उत्पात विभाग और जिला पुलिस की ओर से चलाई जा रही छापामारी अभियान में लगातार शअवैध शराब भट्ठी संचालन का खुलासा होता रहा है. उत्पाद विभाग व पुलिस की कार्रवाई के बावजूद शराब कारोबारी अपना गौरखधंधा तु डाल-डाल तो मै पात-पात की तर्ज पर चला ही रहे हैं. गुरुवार को भी उत्पाद विभाग द्वारा चौका थाना की पुलिस के सहयोग से किए गए छापामारी में दो शराब भट्ठी के संचालन का खुलासा किया.

दोनों भट्ठियों को नष्ट करते हुए तैयार शराब को जब्त किया गया और अन्य सामग्रियों को नष्ट कर दिया गया.

दरअसल, सरायकेला-खरसावां जिले के उत्पाद अधीक्षक बिमला लकड़ा को सूचना मिली थी कि चौका थाना क्षेत्र के बानसा और चुटियाखाल में व्यापक पैमाने पर महुआ शराब का उत्पादन किया जा रहा है. सूचना मिलने के बाद उत्पात अधीक्षक के निर्देश पर उत्पाद दल ने चौका थाना की पुलिस के साथ संयुक्त रूप से दोनों स्थानों पर उत्पाद छापामारी किया. चौका थानांतर्गत बानसा और चुटियाखाल में संचालित अवैध शराब भट्ठी पर उत्पाद छापामारी के दौरान 800 किलोग्राम जावा महुआ और 30 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया. इसके साथ ही दल ने शराब बनाने में उपयोग किए जाने वाले अन्य सामग्रियों को नष्ट कर दिया. ड्रम व कई बर्तन भी जब्त किया गया.

मारा छापा

- उत्पाद टीम ने अन्य सामग्रियों को नष्ट कर दिया
- छापामारी के दौरान 800 किलोग्राम जावा मिला

खुंचीडीह में ढाबा से अवैध महुआ शराब बरामद

इस दौरान उत्पाद दल ने चौका थाना की पुलिस के साथ मिलकर चौका थाना क्षेत्र के खुंचीडीह में संचालित एक ढाबा में उत्पाद छापामारी किया. छापामारी में ढाबा से अवैध महुआ शराब बरामद किया गया. वहीं छापामारी दल ने ढाबा संचालक मोमिन महतो को गिरफ्तार कर लिया. आवश्यक प्रक्रिया के बाद गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. इसकी जानकारी देते हुए उत्पात अधीक्षक बिमला लकड़ा ने बताया कि बानसा और चुटियाखाल में फरार भट्ठी संचालक के विरुद्ध उत्पाद वाद दर्ज किया जाएगा. उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा.

नेताजी उद्यान में शेड के जर्जर छज्जे से बनी रहती है दुर्घटना की आशंका

संवाददाता । बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में अवस्थित नेताजी शिशु उद्यान परिसर में बैठने के लिए बनाए गए शेड का छज्जा जर्जर होकर लटक रहा है. इससे यहां बैठने वाले लोगों के लिए खतरे से खाली नहीं है. यह छज्जा बड़ी दुर्घटना को आमंत्रित कर रहा है. वहीं नेताजी शिशु उद्यान परिसर में विधायक समीर कुमार महंती द्वारा बैठने के लिए दिया गया बेंच असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़ दिया गया है. इससे उद्यान आने वाले लोगों को बैठने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. यहां आने वाले लोगों का कहना है कि उद्यान का उचित देखभाल नहीं होने के कारण असामाजिक तत्वों का प्रवेश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है.

लालबांध तालाब से सटे जंगल के ट्रेंच में फंसी हथिनी लखन चौक से होते हुए पास के काजू जंगल में गई थी

ट्रेंच से बाहर निकली हथिनी की कुछ घंटे बाद काजू जंगल में मौत

संवाददाता । चाकुलिया

चाकुलिया के माचाडीहा के पास गुरुवार को आखिर में ट्रेंच से निकले हथिनी की मौत हो गई. सूचना पाकर जमशेदपुर की वन प्रमंडल पदाधिकारी ममता प्रियदर्शी घटनास्थल पर पहुंचीं. डीएफओ ने मामले की जानकारी ली. डीएफओ और पदाधिकारियों ने मृत हथिनी के शरीर पर पुष्प अर्पित किया. चाकुलिया के प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी मनोज कुमार महंता, बहरागोड़ा के डॉ राजेश कुमार सिंह और धालभूमगढ़ की डॉ प्रतिमा कुमारी ने मृत हथिनी का पोस्टमार्टम किया. इसके बाद वन विभाग ने हथिनी के शव को दफन करवा दिया. जानकारी के अनुसार लालबांध तालाब से सटे जंगल के ट्रेंच में फंसी हथिनी कई घंटा बाद ट्रेंच से निकली थी. वहीं पास के मैदान होते हुए लखन चौक के पास पहुंची थी. फिर यहां से पास के काजू जंगल में गई. काजू जंगल में हथिनी अचानक जमीन पर गिर गई और उसकी मौत हो गई. इससे पहले वन विभाग के कर्मचारी उक्त हथिनी की हरकत पर निगरानी रखे हुए थे. वहीं हथिनी की मौत की सूचना पाकर विधायक समीर कुमार मोहंती घटना स्थल पर पहुंचे. कहा कि विगत दिनों चाकुलिया नगर पंचायत के कमारीगोड़ा के पास स्थित तालाब के पास तीन-चार हाथी हाई वोल्टेज के बिजली के तार से सट गए थे.

विभाग चिंतित

- बुधवार को भी एक हथिनी की हो गई थी मौत
- ग्रामीण हथिनी की पूजा अर्चना करने में जुट गए थे

हेमंत राज में अब हाथी भी सुरक्षित नहीं हैं: डॉ गोस्वामी

चाकुलिया । भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने कहा कि जल, जंगल, जमीन एवं जानवर की सुरक्षा की प्रतिबद्धता जताकर सत्ता में आई राज्य की गठबंधन सरकार के राज में अब जंगलों में हाथी भी सुरक्षित नहीं हैं. चाकुलिया के जंगलों में 2 दिनों में 2 हाथियों की मृत्यु सरकार एवं वन विभाग के वन्य प्राणियों के संरक्षण के दावे की कलई खोल दी.हाथियों की मौत पर वन विभाग अब बिजली विभाग को जिम्मेदार ठहरी रहा है. वन्य प्राणी सरकारी विभागों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं. डॉ गोस्वामी गुरुवार को चाकुलिया प्रखंड की बिरदोह पंचायत के बिरदह स्थित आनंदमयी आश्रम में ग्रामीणों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे. बैठक की अध्यक्षता भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हरिसाधन मल्लिक ने की. ग्रामीणों ने कहा कि पिछले सप्ताह हाथियों के झुंड ने कुचियाशोली पंचायत के कई गांवों के धान के खेतों को रौंद डाला. ग्रामीण हाथियों के उपद्रव से जान माल के खतरे से आशंकित हैं.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- कहानी संग्रह रामलीला के लेखक कौन हैं – राधाकृष्ण
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने में कहां पर अमृत वाटिका की आधारशिला रखी – नई दिल्ली
- पुष्पीय पौधों का अध्ययन किस शाखा में करते हैं – फैनोरोगेम्स
- गजनवी के सोमनाथ आक्रमण के समय वहां का राजा कौन था – भीमदेव
- भारत ने किसके साथ शिक्षा के क्षेत्र में समझौता किया – यूएई
- कोरा जनजाति की उपशाखा का क्या नाम है – मुंडा
- वाहिनिकाएं तथा वाहिकाएं किसमें पाई जाती हैं – जाइलम
- यूनेस्को ने राजस्थान के किस शहर को को संगीत का शहर नाम दिया – ग्वालियर
- जूना खां किस राजा का असली नाम था – मुहम्मद बिन तुगलक

मलेर किस जनजाति का दूसरा नाम है – सौरिया पहाड़िया

ब्रीफ खबरें

धनबाद में चार को होगी हल्की बारिश

धनबाद । धनबाद जिला सहित राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में स्थित जामताड़ा, देवघर और दुमका में चार नवंबर को कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही पांच नवंबर से न्यूनतम तापमान में गिरावट आने की भी संभावना है. मौसम विभाग के अनुसार पांच नवंबर को न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस गिरकर 18 पर, जबकि छह नवंबर को न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस गिरकर 17 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचने की संभावना है. दो नवंबर को धनबाद जिले का मौसम शुष्क रहा.

सीआई ने की अपराध नियंत्रण गोष्ठी की बैठक

साहिबगंज । गुरुवार को सर्किल इंस्पेक्टर कार्यालय में मासिक अपराध नियंत्रण बैठक की गई. इस बैठक की अध्यक्षता सर्किल इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने की. उन्होंने अपराध नियंत्रण के लिए सभी थाना प्रभारियों को सतर्क रहने, किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने, सुचारू रूप से रात्रि गश्ती व वाहन जांच अभियान चलाने, लंबित कांडों का जल्द से जल्द निष्पादन करने, सरिस्तों का संधारण करने व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया.

रेलवे ने चलाया जागरुकता अभियान

धनबाद । अनारक्षित टिकट लेने के लिए रेलवे ने धनबाद समेत कई स्टेशनों पर जागरुकता अभियान चलाया है. अभियान के दौरान बूथ पर कर्मी के माध्यम से यात्रियों को यूटीएस मोबाइल ऐप के बारे में बारीकी से जानकारी दी जा रही है. ताकि यात्री काउंटर पर भीड़ से बचने के लिए ऐप के जरिए अनारक्षित टिकट बुक कर सकें. यह भारतीय रेलवे का मोबाइल टिकटिंग एप्लिकेशन है, जो यात्रियों को अपने स्मार्टफोन पर अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान करता है. इस ऐप से टिकट बुक करने से यात्रियों के ट्रेन नहीं छूटेंगे.

जन कल्याण मोर्चा अपर नगर आयुक्त से मिला

आदित्यपुर । आदित्यपुर की सामाजिक संस्था जन कल्याण मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को अपर नगर आयुक्त से मिला. सर्वप्रथम उनका अभिनंदन किया और आदित्यपुर की महत्वाकांक्षी योजना वृहत पेयजल आपूर्ति और सीवरेज की अधूरी योजनाओं से अवगत कराया. अपर नगर आयुक्त को बताया कि यहां पेयजलापूर्ति की बड़ी समस्या है. चूंकि करीब 50 हजार परिवार वाले नगर निगम क्षेत्र में महज 9 हजार परिवार को ही पुरानी पेयजलापूर्ति योजना से पाइप लाइन जलापूर्ति का लाभ मिलता है,

वाहन जांच अभियान में 45 हजार का कटा चालान

बेंगाबाद (गिरिडीह) । यातायात पुलिस ने गुरुवार को बेंगाबाद थाना के समीप वाहन जांच अभियान चलाया. इस अभियान के तहत दो पहिया वाहनों एवं चार पहिया वाहनों के कागजातों एवं अन्य आवश्यक चीज़ों की जांच की गई. इस दौरान जिन वाहनों में कागजातों की कमी एवं अन्य त्रुटियां पाई गई, उनका चालान काटा गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए यातायात पुलिस के एसआई कृष्णकांत ने बताया कि वाहनों के कागजात, लाइसेंस, इंश्योरेंस आदि की कमी के अलावे हेलमेट एवं सीट बेल्ट नहीं पहनने वालों का चालान काटा गया है.

डीलरों को निलंबन किये जाने पर आंदोलन की तैयारी में अब डीलर संघ

मृतकों के नाम पर उठाया राशन

शेखर शरदेंदु । बोकारो

बोकारो जिले के विभिन्न प्रखंडों में बीते 15 दिनों से राशन कार्डों में मृतकों के नाम पर राशन उठाने का मामला चर्चा में है. इस मामले में जिला आपूर्ति विभाग ने कसमार प्रखंड में 10 डीलरों को निलंबित कर दिया है. डीलरों को निलंबन किये जाने के कारण डीलर संघ आंदोलन करने की तैयारी कर रहा है. विभाग की कार्रवाई से कसमार प्रखंड के अलावा जिले के अन्य प्रखंडों में हड़कंप मचा हुआ है. कसमार प्रखंड के डीलर संघ के अध्यक्ष श्यामल झा ने आरोप को नकारते हुए कहा कि मृतकों के नाम पर एक छंटाक भी राशन डीलरों ने नहीं खाया है. लेकिन विभागीय अधिकारियों ने कसमार प्रखंड के दस डीलरों को निलंबित कर दिया. उन्होंने कहा कि कि कोई भी लाभुक अपने घर के किसी भी जीवित या मृत सदस्य का राशन डीलर को नहीं देता है. लेकिन विभागीय अधिकारियों की मंशा समझ में नहीं आ रही है. कहा कि इस मामले की गहन जांच की जानी चाहिए, तब जाकर मामला साफ होगा. उन्होंने आपूर्ति विभाग को सुझाव दिया कि विभाग को डीलरों को निलंबित न कर राशन कार्डधारियों को नोटिस देकर मृत व्यक्तियों के नाम पर राशन लेने के आरोप की जांच करनी चाहिए. वहीं इस मामले पर कसमार प्रखंड के राशन दुकानदारों (डीलरों) के अनुसार, उन्होंने राशन कार्डों से मृत व्यक्तियों के नाम कटवाने के लिए एक साल पहले आपूर्ति विभाग को लिखित सूचना दी थी. विभाग ने इस दिशा में ध्यान नहीं दिया और अब राशन डीलरों पर एकतरफा कार्रवाई कर रहा है. डीलरों ने आरोप लगाया है कि वे कोई भी दस्तावेज कार्यालय में जमा करते हैं तो उसकी रिसीविंग नहीं मिलती है. अब बेवजह डीलरों पर विभागीय गाज गिर रही है.

कसमार के इन 10 डीलरों का हुआ है निलंबन

जानकारी के अनुसार जिला आपूर्ति विभाग ने कसमार के जिन डीलरों पर निलंबन की कार्रवाई की है, उनमें जामकुदर का उजाला स्वयं सहायता समूह, सुरजूडीह का शबनम महिला मंडल, सितारा महिला मंडल एवं मोचरो का रूही स्वयं सहायता समूह, बगियारी का कोशिश स्वयं सहायता समूह सहित जन वितरण प्रणाली के डीलर धधकिया के अचलेंदू मुखर्जी, बगदा के मनोज सिंह, तेलमुंगा के वसीम अहमद, मधुकरपुर के गंगाधर बैठा व पोंडा के आसीत हांसदा के नाम शामिल हैं.

हुई कार्रवाई

- कसमार प्रखंड के दस डीलरों पर गाज गिरी है
- कसमार प्रखंड के डीलर संघ के अध्यक्ष हैं श्यामल
- सुरजूडीह का शबनम महिला मंडल शामिल है

प्रखंड प्रमुख ने पीडीएस डीलरों के साथ की बैठक

हुसैनाबाद । पलामू जिले के हुसैनाबाद प्रखंड सभागार में प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी एवं आपूर्ति पदाधिकारी मनोज कुमार ने हुसैनाबाद के सभी डीलरों के साथ समीक्षा बैठक की. इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने किया. बैठक में सभी जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों को निर्देश दिया गया कि जिन लोगों का आधार जन वितरण से जुड़ा हुआ नहीं है उनको जोड़ा जाए.

साथ ही आयुष्मान कार्ड एवं कोरोना काल में राशन कार्ड के लिए दिए गए आवेदन और पलायन किए हुए मजदूर को प्राथमिकता के साथ भौतिक सत्यापन कर राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने का कार्य करें. एक साल से खाद्यान्न उठाव नहीं करने वाले लाभुक का भौतिक सत्यापन करना, सोना सोबरन योजना के अंतर्गत प्रथम छमाही धोती साड़ी का वितरण सुनिश्चित करना, सितंबर एवं अक्टूबर 2023 के एनएफएसए के खाद्यान्न का वितरण करना और फरवरी व मार्च 2023 के ग्रीन कार्ड का खाद्यान्न वितरण पर बल दिया गया. इस बैठक में जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों में अभिमन्यु सिंह, विश्वनाथ सिंह, मिथिलेश कुमार पासवान, शंभू कुमार, विजय प्रसाद कुशवाहा, सूर्यनाथ पासवान, चंद्र मोहन बैठा, उदय प्रसाद यादव, ललन पासवान, विमलेश कुमार कश्यप और उमेश चौधरी सहित हुसैनाबाद प्रखंड अंतर्गत सभी डीलर इस बैठक में उपस्थित थे.

अक्टूबर माह का राशन नहीं देने की कार्डधारियों ने की शिकायत

डुमरिया प्रखंड अंतर्गत बड़ाकांजिया के तिरिलडीह, माहलीसाई और छामड़ागुटू के सैकड़ों कार्डधारी गुरुवार को प्रखंड कार्यालय पंहुचे. राशन डीलर सोमाय मुर्मू द्वारा सितंबर माह में अंगुठा पंचिंग कराने के बाद राशन नहीं देने की शिकायत बीडीओ के माध्यम से उपायुक्त से की गई. कार्डधारियों ने शिकायत करते हुए बताया कि अक्टूबर का राशन नहीं देने पर प्रखंड कार्यालय में धरना प्रदर्शन करेंगे. इस मौके पर सुदर्शन मुर्मू, माहतांग सोरेन, लक्ष्मी मुर्मू, सोमाय मार्डी, मानसिंह मार्डी, सालगे मार्डी, छिता मार्डी, लुखी हेंब्रम, बोडो मार्डी समेत अन्य कार्डधारी उपस्थित थे. विदित हो कि पिछले कई दिनों से विभिन्न गांव से कार्डधारी पंचिंग कराने के बाद डीलर द्वारा राशन नहीं देने की शिकायत प्रखंड कार्यालय में दर्ज करा रहे हैं. इन मामलों में अबतक किसी प्रकार की कार्रवाई की सूचना प्रखंड कार्यालय से प्राप्त नहीं हुई है.

अंडरपास के पास गिरे स्लैग को हटाने की कवायद शुरू

सड़क में बने गड्ढे और उनमें जमा पानी का जायजा लेते विधायक.

संवाददाता । जमशेदपुर

जुगसलाई स्थित टाटा पिगमेंट गेट के समीप अंडरपास की सड़क जर्जर हो गई है. इसमें बने बड़े-बड़े गड्ढे लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गए है. इन गड्ढों में पानी जमने से लोगों को आवागमन में भारी समस्या हो रही है. सड़क पर स्लैग गिरे होने से बाइक सवार स्किट कर दुर्घटना का शिकार हो रहे है. इसकी जानकारी मिलने पर विधायक मंगल कालिंदी ने गुरुवार को जुगसलाई नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मोटाय बानरा से मुलाकात की और सड़क को दुरुस्त करने समेत क्षेत्र में साफ-सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया. इसके बाद विधायक ने जुगसलाई के विभिन्न क्षेत्र का भ्रमण किया और लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को जाना. साथ ही फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर वहां की समस्या को भी जल्द दूर करने का आश्वासन दिया.

समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता

विधायक ने बताया कि लोगों की समस्या को देखते हुए तुरंत ही जेसीबी के माध्यम से सड़क में फैले स्लैग को हटाया जाएगा. इस सड़क से आवागमन करने वाले दो पहिया चालक आये दिन उक्त सड़क पर गिरकर घायल हो रहे है. इसे देखते हुए जुगसलाई नगर परिषद को साफ–सफाई का निर्देश दिया गया है. वहीं, पास ही स्थित पार्क में बंद फव्वारे को भी जल्द चालू करने को कहा गया है. इससे पूर्व नगर परिषद के कार्यपालक अभियंता, सिटी मैनेजर व कार्यकर्ताओं के साथ विधायक ने अंडरपास की सड़क का जायजा लिया. उन्होंने बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान करना उनकी पहली प्राथमिकता है. मौके पर झामुमो नेता माणिक मल्लिक के साथ कई लोग मौजूद थे.

मुंबई अधिवेशन में शामिल होंगे रेलवे यूनियन के पदाधिकारी

बैठक करते मेंस यूनियन के पदाधिकारी.

संवाददाता । जमशेदपुर

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस यूनियन ने मुंबई में आयोजित होने वाले अधिवेशन की तैयारी को लेकर गुरुवार को बैठक की. इसकी अध्यक्षता मेंस यूनियन के चक्रधरपुर मंडल संयोजक एमके सिंह ने की. टाटानगर के ब्रांच-वन और ब्रांच-टू में हुई इस बैठक में काफी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी शामिल थे. ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन का 8 नवंबर को मुंबई में अधिवेशन आयोजित होना है. इसमें दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से भी रेलकर्मी हिस्सा लेंगे. इसमें शामिल होने को लेकर इस बैठक में चर्चा की गई. इस संबंध में एमके सिंह ने बताया कि अधिवेशन के लिए विशेष ट्रेन संतरागाछी से रवाना होगी. जो खड़गपुर, टाटानगर, चक्रधरपुर, राउरकेला, झारसुगुड़ा होते हुए मुंबई जाएगी. इस ट्रेन से ही 5 नवंबर को यूनियन के पदाधिकारी मुंबई जाएंगे

50 हजार सीएफटी और दो बालू लदे हाइवा जब्त

चाकुलिया । अवैध बालू कारोबारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात चाकुलिया के अंचल अधिकारी उपेंद्र कुमार के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया. इस दौरान डाकुई गांव के पास दो जगहों पर 40 हजार और 10 हजार सीएफटी बालू जब्त किया. पुलिस छानबीन में जुटी है कि उक्त बालू का भंडारण किसके द्वारा किया जा कगा था. इधर अंचल की टीम ने एनएच 18 पर टोल ब्रिज के पास से दो बालू लदे हाइवा को जब्त किया. अंचल की टीम ने जब्त बालू लदे हाइवा को धालभूमगढ़ पुलिस को सौंप दिया. जानकारी हो कि श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र के चंदनपुर स्थित स्वर्णरेखा नदी घाट पर माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर बालू का अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन का खेल हो रहा है. इस धंधे में कई सफेदपोश भी शामिल हैं. अंचल अधिकारी द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मच गया है.

डीसी के निर्देश पर बालू घाटों के संचालन निविदा समिति की हुई बैठक

नियम के तहत होगा चयन: सिंह

संवाददाता । पलामू

उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर बालू घाटों के संचालन के लिए जिलास्तरीय निविदा समिति की बैठक हुई. अपर समाहर्ता सुरजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड द्वारा कैटेगरी-(2) ए और बी के बालूघाटों के एमडीओ चयन के लिए भेजी गयी सूची को प्रस्तुत किया.

10 बालू घाटों के निविदा प्रकाशन को लेकर चर्चा की गयी. जिलास्तरीय चयन समिति ने 3 नवंबर को एमडीओ चयन के लिए वेबसाइट पर ई-निविदा प्रकाशन का निर्णय लिया गया. बैठक में पथ निर्माण के कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता मौजूद थे.

इन बालू घाटों की निकलेगी ई-निविदा

- मौजा–दंगवार,कैटेगरी–बी, रकबा– 38.43 हेक्टेयर,अंचल– हुसैनाबाद–नदी–सोन
- मौजा–परता,कैटेगरी–बी,रकबा–30.45 हेक्टेयर,अंचल–हैदरनगर–नदी–सोन
- मौजा–कबरा कला,कैटेगरी–बी,रकबा–10.52 हेक्टेयर,अंचल–हैदरनगर,मोहम्मदगंज–सोन
- मौजा–लालगडा,कैटेगरी–बी–रकबा–26.27 हेक्टेयर, अंचल–विश्रामपुर–नदी–उतरी कोयल
- मौजा–जैतूखांड़,कैटेगरी–बी–रकबा–18.21 हेक्टेयर,अंचल–पाटन,मेदिनीनगर, नीलाबंर–पीतांबरपुर–नदी–अमानत
- मौजा–कांके खुर्द,कैटैगरी–ए–रकबा–4.08 हेक्टेयर,अंचल–पाटन–नदी–अमानत
- मौजा–मिसिर पतरा,कैटगरी–बी–रकबा–29.64 हेक्टेयर अंचल–लेस्लीगंज, तरहसी–नदी–अमानत
- मौजा–गुरतूरी, कुम्हराडीह, कैटगरी–बी–रकबा–16.89 हेक्टेयर, अंचल–तरहसी–नदी– अमानत
- मौजा–बिरितिया डंडार, कुम्हराडीह,कैटेगरी–बी–रकबा–30.29 हेक्टेयर,अंचल–तरहसी,पांकी–नदी–अमानत
- मौजा–बरवैया,कैटेगरी–ए–रकबा–4.88, हेक्टेयर अंचल–तरहसी पांकी–नदी–अमानत

उप नगर आयुक्त ने लिया उद्यान का जायजा

मेदिनीनगर । मेदिनीनगर नगर निगम के उप नगर आयुक्त सह जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) अनवर हुसैन ने बुधवार देर शाम गांधी उद्यान का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने उद्यान की सुरक्षा और रख-रखाव का जायज़ा लिया. वहीं पार्क में घूमने आये लोगों और बच्चों से मिलकर उनका फीडबैक भी लिया. मौके पर उप नगर आयुक्त हुसैन ने शहर को स्वच्छ व गांधी पार्क को प्लास्टिक मुक्त बनाने में लोगों से सहयोग करने की अपील की. उन्होंने कहा कि यह गांधी पार्क शहर के बीचों-बीच अवस्थित लोगों के लिये आकर्षण का केंद्र है और दुनिया में किसी भी शहर की पहचान वहां के सार्वजनिक स्थलों से होती है. ऐसे में आप सभी इस पार्क को स्वच्छ व सुंदर बनाने में अपना सहयोग अवश्य दें. उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि पूरे शहर में ऐसे और स्थल विकसित किये जायें और मेदिनीनगर की पहचान एक खूबसूरत शहर के रूप में हो.

समाधान बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के सियारी गांव की आदिवासी महिला है फुलमणि देवी

पैदल चलकर बीडीओ से पेंशन की गुहार लगाने पहुंची फुलमणि

अनंत कुमार । बेरमो

बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत सियारी गांव की आदिवासी महिला फुलमणि देवी पेंशन के लिए 15 वर्षों से दर-दर भटक रही है. यह खबर छपने के बाद बीडीओ महादेव महतो ने गंभीरता से लिया और महिला को बुलाकर जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया. जानकारी देते हुए 72 वर्षीय फुलमणि देवी ने बताया कि उसके पति दशरथ मांझी का 15 वर्ष पहले निधन हो गया था. दो बेटे मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं.

पेंशन के लिए पंचायत प्रतिनिधि से लेकर जनता दरबार में भी आवेदन दे चुकी है. लेकिन सभी जगहों से सिर्फ निराशा ही हाथ लगी. फुलमणि देवी बुधवार को गोमिया बीडीओ से मिलने सियारी गांव के ताला टोला से करीब सुबह के 9 बजे पैदल ही निकली थी.

वृद्धा किसी तरह करीब तीन बजे गोमिया प्रखंड कार्यालय पहुंची. लेकिन बीडीओ महादेव महतो क्षेत्र भ्रमण पर निकले थे. निराश होकर वापस लौट रही थी. तभी संयोग से शुभम संदेश के प्रतिनिधि से फुलमणि की मुलाकात हो गयी. पूछने पर उसने आपबीती बतायी.

बता दें कि 27 नवंबर 2021 को इसी पंचायत के डुमरी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. उस कार्यक्रम में भी फुलमणि ने आवेदन जमा किया था. इसके बाद भी आज तक न तो विधवा न वृद्धा पेंशन स्वीकृत हुआ. इसलिए वह स्वंय बीडीओ से मिलकर आवेदन देने के लिए प्रखंड कार्यालय पहुंच गयी. फुलमणि बताती है कि बेटा और बहु काम करके परिवार का भरण पोषण करते हैं, लेकिन मुश्किलें बहुत हैं. इसलिए वह अपने लिए कोई शिकायत भी नहीं करती.

सुने सरकार

- 15 साल से पेंशन के लिए भटक रही थी फुलमणि
- उसके दो बेटे मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं
- पेंशन के लिए जनता दरबार में आवेदन दे चुकी थी

कर्मचारियों की कार्यशैली पर उठ रहा प्रश्नचिह्न

गौरतलब है कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार है. यह पहला प्रदेश है जहं सभी वृद्धजनों को पेंशन देने का कानून बनाया गया है, इसके बावजूद यदि जरुरतमंद आदिवासी महिला जो विधवा है और वह पंद्रह वर्षो से पेंशन के लिए भटक रही है, तो पंचायत प्रतिनिधि और सरकारी कर्मचारियों की कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह उठना लाजिमी है. बहरहाल ऐसे और भी जरुरतमंद हैं, जो सरकारी लाभ के लिए दर–दर की ठोकर खाने को विवश हैं.

व्यापारियों की हड़ताल हुई खत्म, बाजार में लौटी रौनक

संवाददाता । धनबाद

व्यापारी संगठन द्वारा हड़ताल वापस लेने के बाद गुरुवार से बाजार में चहलकदमी बढ़ गई. एक दिन के अनिश्चितकालीन बंदी से करोड़ों का कारोबार प्रभावित हुआ. बुधवार की देर शाम जिला प्रशासन के साथ हुई बैठक में व्यापारियों ने हड़ताल वापस लेने का निर्णय लिया. इससे व्यापारियों को भी राहत मिली और आम लोगों ने भी चैन की सांस ली. त्योहार का सीजन चल रहा है, ऐसे में बाजार में लोगों की चहल-कदमी बढ़ना लाजमी है. व्यापारियों ने भी दीवाली की तैयारी कर रखी है. इसके ठीक बाद महापर्व छठ है. गुरुवार से खुली सभी दुकानें हड़ताल समाप्त होते ही गुरुवार से बाजार खुल गए. बाजार में खरीदारी भी सुबह से होती रही. गुरुवार को हीरापुर बाजार बंद रखा जाता है, लेकिन हड़ताल समाप्त होने के बाद व्यापारियों ने गुरुवार को भी ग्राहकों के लिए दुकान खोला और पूरे दिन व्यापार किया. हड़ताल की वजह से निजी अस्पतालों में ओपीडी बंद रखी गई थी. गुरुवार की सुबह से ही सभी अस्पतालों की ओपीडी में मरीजों का इलाज शुरू किया गया. मरीजों को बड़ी राहत भी मिली.

खुलीं दुकानें

- बंदी से करोड़ों का कारोबार प्रभावित हुआ है
- इस निर्णय से व्यापारियों ने भी राहत की सांस ली

मजदूरों से भरी वैन-ट्रेलर में भिड़ंत, एक की मौत, 10 घायल

संवाददाता । जामताड़ा

गोविंदपुर-साहेबगंज हाइवे सड़क पर देवघर जिले के खागा थाना क्षेत्र के जरीडीह गांव के पास गुरुवार सुबह टेलर और मजदूरों से भरी पिकअप वैन में टक्कर हो गयी. इस हादसे में एक महिला मजदूर की मौत हो गयी. जबकि 10 लोगों को घायल होने की सूचना है. वहीं पिकअप वैन के परखच्चे उड़ गये. मृतिका बिंदापाथर थाना क्षेत्र के पुनसिया गांव के बोनामुहुल टोला की रहने वाली थी.

इधर, ग्रामीणों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सदर अस्पताल ले जाया गया. सिविल सर्जन डॉ एस के मिश्रा, डॉ मिक्की मांझी व डॉ पूजा ने घायलों का इलाज किया. हालांकि तीन लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एसएनएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया गया. इनमें गुनीता मरांडी, ड्राइवर कन्हाई हांसदा और अंजलि मरांडी शामिल हैं. वहीं, नुनी बेसरा, लखीमुनी टुडू, निसोदी टुडू, महारानी सोरेन, सोनामुनी बास्की, जीतलाल किस्कु व बसंती मुर्मू का इलाज उसी अस्पताल में चल रहा है.

ढलाई के लिए बागदाहा होकर चितरा जा रहे थे सभी

घायलों के अनुसार, पिकअप वैन पर करीब 17 मजदूर सवार थे. सभी लोग बागदाहा होकर चितरा ढलाई के लिए जा रहे थे. पिकअप वैन पर ढलाई के लिए मिक्चर मशीन भी लोड था. चितरा जाने के दौरान जरीडीह गांव के पास टेलर ने मजदूरों से भरी पिकअप वैन में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में पिकअप वैन के छत व डाला पर बैठे महिला व पुरुष मजदूर सड़क पर आ गिरे. गिरने की वजह से महिला मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी.

आओ जानें

देश में सुसाइड करनेवालों में लद्दाख सबसे कम

मणिपुर	: 49	कर्नाटक	: 13056
हरियाणा	: 3692	आंध्रप्रदेश	: 8067
उत्तराखंड	: 717	केरल	: 9549
दिल्ली	: 2840	तमिलनाडु	: 18925
उत्तरप्रदेश	: 5932	लद्दाख	: 11
बिहार	: 827	जम्मू कश्मीर	: 247
सिक्किम	: 268	हिमाचल प्रदेश	: 889
असम	: 3262	पंजाब	: 2600
मिजोरम	: 99	अरुणाचल प्रदेश	: 160
छत्तीसगढ़	: 7828	गुजरात	: 8789
ओडिशा	: 5651	मध्यप्रदेश	: 14965
त्रिपुरा	: 771	झारखंड	: 1825
महाराष्ट्र	: 22207	पश्चिम बंगाल	: 13500
तेलंगाना	: 10171	मेघालय	: 226
गोवा	: 321	नागालैंड	: 43

ब्रीफ खबरें

गोड्डा में झाड़ फूंक के चक्कर में गई जान

गोड्डा । घर में सो रहे बालक गुरु हेंब्रम की सांप के डंसने से मौत हो गई. घटना महगामा थाना अंतर्गत ग्राम अमडीहा की है. गुरुवार को गुरु हेंब्रम (7) कोठरी में सोया हुआ था. इसी क्रम में किसी जहरीले सांप ने उसे डंस लिया. घरवालों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल ना ले जाकर झाड़ फूंक करने वाले ओझा के पास ले गए. मगर कोई सुधार नहीं हुआ,स्थिति और बिगड़ने लगी. आखिरकार उसे सदर अस्पताल गोड्डा लाकर भर्ती करवाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

चाचा की हत्या का आरोपी भतीजा गिरफ्तार

मनोहरपुर । चाचा सेलाई बोदरा के हत्याकांड का फरार मुजरिम भतीजा विषु बोदरा को मनोहरपुर पुलिस ने बुधवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार मुजरिम विषु बोदरा को पुलिस ने गुरुवार को सुसंगत धारा में न्यायिक अभिरक्षा में चाईबासा चालान कर दिया है. बता दें कि बीती मंगलवार रात मनोहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव अरवाकोचा बोदरा टोला के रहने वाले 81 वर्षीय वृद्ध सेलाई बोदरा का उसके भतीजे विषु बोदरा ने डंडे से पीटकर हत्या कर दी थी.

देवघर में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

जसीडीह । जसीडीह पुलिस ने गुरुवार को जसीडीह थाना क्षेत्र के सरसा गांव के समीप से अवैध रूप से बालू उत्खनन कर ले जा रहे एक ट्रैक्टर को जब्त किया. पुलिस ने बताया कि लगातार जसीडीह थाना क्षेत्र के नदियों से अवैध रूप रूप से बालू उत्खनन कर ले जाने की सूचना मिल रही थी. उसके बाद गुरुवार को छापेमारी के दौरान ट्रैक्टर को जब्त किया. जब चालक से बालू संबंधित कागजात की मांग की गई तो चालक कागजात दिखाने की बजाय वाहन छोड़ फरार हो गया.

फोन चोरी के आरोप में पुलिस ने दो को पकड़ा

रांची । नामकुम पुलिस ने मोबाइल चोरी के मामले में एक नाबालिग के साथ मोहम्मद कैफ अंसारी को गिरफ्तार किया है. उनके पास से घटना में इस्तेमाल स्कूटी के साथ लूटा गया मोबाइल फोन पुलिस ने जब्त किया है. मंगलवार को मगदली सोय का मोबाइल फोन कांटाटोली के कुरैशी नगर के रहने वाले दो युवकों ने चोरी कर ली थी. इनके खिलाफ नामकुम थाना में मामला दर्ज करवाया गया था. गिरफ्तार दोनों अपराधियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है.

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत

दुमका । जिले के जामा थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग पर बैसा चौक के समीप गुरुवार की सुबह अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई है. मृतक की पहचान अजय कुमार साह नगर थाना क्षेत्र के डंगालपाड़ा के रूप में हुई है. जामा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेज दिया है. वहीं मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

महिला का कंगन छीन कर भाग निकले अपराधी

धनबाद । सदर थाना क्षेत्र के डीआरएम चौक के पास एक महिला से बाइक सवार अपराधियों ने छिनतई की घटना को अंजाम दिया है. भुक्त भोगी महिला कलावती देवी ग्रुप डी रेलवे में ऑपरेटिंग की कर्मचारी है. ऑफिस ऑफ होने के कारण वह पैदल जा रही थी. इस दौरान अंबेदकर चौक के पास बाइक सवार युवकों ने उन्हें रोका और पूछा की आश्रम किधर है. उसके बाद एक युवक बाइक से उतर कर महिला का दोनों हाथ पकड़ा और मरोड़ दिया और हाथ में पहना हुआ सोने का कंगन छीन कर भाग निकला.

बरोरा में रोड किनारे मिला शव, हड़कंप

कतरास । बरोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआटांड हरिणा रोड के किनारे मंदरा निवासी जालिम रवानी के 45 वर्षीय पुत्र मनोज रवानी (उम्र 45 वर्ष) का शव मिलने की खबर पाकर मौके पर पहुंची बरोरा थाना की पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया तथा पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया. मृतक की मृत्यु कैसे हुई इसकी पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है.

गिरफ्तार युवक प्रेमचंद्र यादव के पास से टीएसपीसी का पर्चा बरामद

उग्रवादी दस्ता के लिए नाश्ता ले जा रहा युवक गिरफ्तार

संवाददाता । पलामू

जिले की नावाजयपुर थाना पुलिस ने उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के नगीनाजी एवं नेपालीजी के लिए कचौड़ी एवं जलेबी पैक कराकर ले जा रहे युवक को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक नावाजयपुर के टुइयां गांव निवासी प्रेमचंद्र यादव (25) है. पुलिस ने उसके पास से स्क्रीन टच मोबाइल, मोटरसाइकिल, प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी का लिखा हुआ पर्चा 04 पीस समेत अन्य सामान बरामद किये हैं. गिरफ्तार व्यक्ति नक्सली दस्ता के लिए 60 पीस कचौड़ी, एक किलो जलेबी, छह पैकेट गुड डे बिस्कुट और चार पैकेट सत्तू ले जा रहा था.

विश्रामपुर के एसडीपीओ सुरजीत कुमार ने जानकारी दी कि पलामू एसपी को मिली सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने बाजार में गहन निगरानी की. इस दौरान पाया कि एक व्यक्ति जल्दबाजी में अधिक मात्रा में कचौड़ी एवं जलेबी पैक कराने के बाद उसे अपनी बाइक के हैंडल में टांगकर जा रहा था. वह दीपौवा गांव होते हुए रोल पहाड़ी की ओर जाने लगा. पुलिस टीम भी उसका पीछा करते हुए रोल पहाड़ी के समीप पहुंच गई. वह पहाड़ी के समीप अपनी बाइक खड़ा कर अपने साथ लाये खाने-पीने एवं अन्य सामग्री से भरा झोला को लेकर पैदल पहाड़ी की ओर चढ़ने लगा. वहीं, पुलिस को अपनी ओर आता देख वह पहाड़ी की ओर भागने लगा. उसे भागता देख पुलिस ने उसको दौड़ाकर पकड़ लिया.

उसने पुलिस को बताया कि सारा सामान हम उग्रवादी संगठन के सदस्य नगीना जी एवं नेपाली जी के कहे अनुसार ले जा रहे थे. इस दौरान पकड़े गए व्यक्ति के मोबाइल पर फोन आता है, जिसमें उधर से मंगाई गई सामग्री को लेकर जल्दी आने की बात कही जा रही थी. उसने उग्रवादी संगठन के लिए काम किए जाने की भी बात बताई. पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत नावाजयपुर थाना कांड सं0-54/23 दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

अवैध शराब के साथ कई लोग हिरासत में

जमशेदपुर । कदमा स्थित रामजनम नगर में बीते कई दिनों से अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से किया जा रहा है. स्थानीय लोगों ने कई बार इसकी शिकायत वरीय पुलिस अधिकारियों से की जिसका नतीजा शून्य निकला. इधर, गुरुवार को स्थानीय लोगों एकजुट हुए और विरोध शुरु कर दिया.

मामला बढ़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और नशे को लेकर कार्रवाई शुरु कर दी. पुलिस को देख अवैध शराब का कारोबार करने वालों के बीच भगदड़ मच गई. इस दौरान पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया, वहीं कई अवैध शराब को भी जब्त किया गया. सभी को पकड़कर थाने ले जाया गया जहां मामले की जांच की जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरी बस्ती में अवैध शराब का धंधा फल-फूल रहा था. कई बार शादी के लिए लड़के वाले लड़कियों को देखने आते थे पर बस्ती का माहौल देखकर वे शादी नहीं करते थे. अवैध शराब बिक्री की शिकायत पुलिस से कई बार की पर कोई हल नहीं निकल रहा था. अंत में सभी ने अपने स्तर से इसे जड़ से खत्म करने की ठानी.

मृतक की पहचान हांसाडुगरी निवासी निर्मल माझी के रूप में हुई

कपाली में मिला युवक का शव

संवाददाता । चांडिल

चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र के हांसाडुंगरी में पुलिस ने खून से लथपथ एक युवक का शव बरामद किया है. हांसाडुंगरी के पास सड़क पर युवक की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है. मृतक की पहचान हांसाडुगरी निवासी निर्मल माझी के रूप में हुई है. उसके शरीर पर जख्म के भी निशान हैं. जहां पर युवक की लाश मिली उस स्थान पर खून फैला हुआ है. इस संबंध में कपाली ओपी प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि हांसाडुंगरी में युवक की लाश होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को कब्जे में ले लिया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

हत्या का मामला दर्ज

युवक की लहूलुहान लाश मिलने के बाद कपाली ओपी में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है. मृतक की पत्नी मिनू हेम्ब्रम ने कपाली ओपी में अपने पति निर्मल माझी की हत्या किए जाने की बात कही है. बताया जा रहा है कि मृतक कभी-कभी मजदूरी का काम करता था. समय-समय पर नशा का भी सेवन करता था. पुलिस के अनुसार उसका किसी प्रकार का आपराधिक इतिहास नहीं है. अगर उसकी हत्या हुई है तो किसलिए, इसकी पुलिस जांच कर रही है. फिलहाल पुलिस कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी कर रही है.

पुलिस ने लापता महिला को बरामद कर परिजनों को सौंपा

तांतनगर । तांतनगर ओपी अंतर्गत फटाटांगर के पिछले दो सप्ताह से लापता महिला को पुलिस ने बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार तांतनगर ओपी अंतर्गत फटाटांगर के लक्ष्मी गोप (26) महिला 21 अक्टूबर गांव में लगी दशहरा मेला देखने गयी थी. उसके बाद से महिला वापस घर नहीं आयी. परिजनों ने काफी खोजबीन किया लेकिन सुराग नहीं मिली. सुराग भी नहीं मिलने पर महिला का भाई चितरंजन गोप ने 30 अक्टूबर को तांतनगर ओपी में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था. उसके बाद से पुलिस लगातार महिला की खोजबीन में लगे थे. पुलिस ने गुरुवार को जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के तोंडंगहातू से बरामद कर गुरुवार को परिजनों को सौंप दिया.

जुगसलाई में 10वीं के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के जुगसलाई थाना अंतर्गत गौरी शंकर रोड निवासी 17 वर्षीय इरशाद अली ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. इरशाद का शव घर के कमरे में पाया गया. घटना की जानकारी परिजनों को तब हुई जब वे गुरुवार सुबह उसके कमरे में गए. परिजनों ने इरशाद को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. इधर, सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इरशाद चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था. वह जुगसलाई के एक स्कूल में 10वीं कक्षा का छात्र था.

बड़े भाई का हुआ था हर्निया का

ऑपरेशन : परिजनों ने बताया कि इरशाद इस साल मैट्रिक की परीक्षा देने वाला था. कुछ दिनों पूर्व ही बड़े भाई दिलशाद के हर्निया का ऑपरेशन हुआ था. इस वजह से घर पर सिर्फ मां और इरशाद मौजूद थे, बाकि सभी सदस्य अस्पताल में थे. बुधवार की रात इरशाद घर आया और खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया. सुबह जब वह स्कूल जाने के लिए नहीं उठा तो मां उसके कमरे में गई. कमरे में इरशाद का शव फंदे से लटका हुआ था.

बस की चपेट में आने से स्कूटी सवार की मौत

मैथन । चिरकुंडा थाना क्षेत्र के लायकडीह बैंक ऑफ इंडिया के समीप गुरुवार की सुबह पुरूलिया जा रही हरिकामनी बस की चपेट में आने से गौतम दास (28) की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक गौतम दास स्कूटी से सब्जी खरीदने बाजार जा रहा था. घटना से आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर शव के साथ चिरकुंडा-पंचेत रोड को जाम कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही चिरकुंडा पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने के प्रयास में जुट गई. मगर लोग बिना मुआवजा के सड़क जाम हटाने को तैयार नहीं थे. वहीं, मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. बेनागोड़िया निवासी मृतक के पिता नवीन दास ने बताया कि बेटा गौतम सब्जी खरीदने के लिए घर से निकला था. इस दौरान लायकडीह स्थित बैंक ऑफ इंडिया के समीप तेज गति से आ रही बस की चपेट में आ गया. घटना के बाद बस चालक बस लेकर भाग निकला.

आर्मी जवान बता ईंट कारोबारी से साइबर ठगी, मामला दर्ज

संवाददाता । जमशेदपुर

जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत कुंवर बस्ती निवासी ईंट कारोबारी राणा प्रताप सिंह को साइबर ठगों ने आर्मी का जवान बनकर ठगी कर ली. मामले को लेकर राणा प्रताप ने बिष्टुपुर साइबर थाना और मानगो थाना में लिखित शिकायत की है. इसकी सूचना भाजपा नेता विकास सिंह को भी दी गई. राणा ने बताया कि वे ईंट सप्लाई का काम करते हैं. उन्हें किसी ने आर्मी जवान बनकर फोन किया और कहा की अच्छी गुणवत्ता वाली ईंट चाहिए जिसका सप्लाई सोनारी आर्मी कैंप में होना है. ठग ने झांसे में लेकर कहा कि वह एक क्यूआर कोड देगा जिसे स्कैन करते है उसके खाते में रुपये आ जाएंगे. उन्होंने ठग को 12,500 रुपये भेजे तो खाते से 30 हजार कट गए. इधर, राणा ने जब ईंट लेकर आर्मी कैंप पहुंचे अपने चालक को संपर्क किया तो चालक ने बताया कि आर्मी कैंप से पास कोई व्यक्ति नहीं है और ठग का मोबाइल भी बंद आ रहा है. इधर, शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है.

अपराध की योजना बनाते 5 संदिग्ध आरोपी गिरफ्तार हथियार भी बरामद हुए

हजारीबाग । हजारीबाग पुलिस ने अपराध की योजना बनाते हुए पांच संदिग्ध आरोपियों को गिरफ्तार किया है. डीएसपी हेडक्वार्टर राजीव कुमार ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में बताया कि हजारीबाग एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि इचाक थाना अंतर्गत असिया पहाड़ी के पास 08-10 संदिग्ध व्यक्ति किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने के लिए जमा हुए हैं. सूचना के आधार पर असिया पहाड़ी के समीप पहुंची पुलिस को अपनी तरफ आते देख संदिग्ध इधर-उधर भागने लगे. पुलिस बल के सहयोग से भाग रहे संदिग्ध रामगढ़ स्थित रांची रोड के विनोद राम (45 वर्ष), हजारीबाग केसुरा के आदित्य कुमार (19 वर्ष), कटकमसांडी के सौरभ सिंह (19 वर्ष), शिव बालक कुमार रविदास (21 वर्ष), सन्नी कुमार रविदास (21 वर्ष) को गिरफ्तार किया. उनके पास से ऑटोमेटिक पिस्टल, जिंदा कारतूस और एंड्रॉयड फोन बरामद किया गया है. सभी के खिलाफ इचाक थाने में मामला दर्ज कर दी गई है.

हत्याकांड के तीन आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया

संवाददाता । बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के बेलडीह में बीते 24 अक्टूबर को उपेंद्र गोस्वामी की हत्याकांड के तीन आरोपियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है. हत्याकांड का नामजद आरोपी राजू शर्मा, अजीत राम और राजा राम उर्फ जितेंद्र राम को गुरुवार को बेंगाबाद पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेजा. बताया गया कि तीनों आरोपियों में बेलडीह के रहने वाले दो आरोपी राजू शर्मा और अजीत राम ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था. जिसे बेंगाबाद पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया था. दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद बुधवार को एक अन्य आरोपी राजा राम उर्फ जितेंद्र राम को पुलिस ने पीरटांड़ थाना क्षेत्र के कुम्हरलालो स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है. बताया गया कि बेंगाबाद के बेलडीह में वह अपने नातेदार के घर पर रहता था. गिरफ्तार आरोपियों ने हत्याकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है.

खास बातें

- दो ने किया था सरेंडर, एक को पुलिस ने किया गिरफ्तार
- उपेंद्र गोस्वामी की हत्या चाकू से गोद-गोद कर की थी

इस जघन्य हत्याकांड में शामिल चार आरोपी अब भी फरार हैं. फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर रही है. बता दें कि बीते 24 अक्टूबर को बेलडीह निवासी उपेंद्र गोस्वामी की निर्मम हत्या उसके घर के सामने ही चाकू से गोद कर दी गई थी. मृतक की पत्नी के फर्द बयान के आधार पर सात नामजद अभियुक्तों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. बताया गया कि मृतक ने अपनी बेटी के साथ छेड़खानी का विरोध किया था, इसी बात को लेकर उसकी हत्या कर दी गई थी.

तालाब के समीप झाड़ी से अज्ञात शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

देवघर/जसीडीह । जसीडीह थाना क्षेत्र के जसीडीह कजरिया कॉलोनी और जनार्दन कॉलोनी के बीच स्थित एक तालाब के समीप झाड़ी से गुरुवार को पुलिस ने एक अज्ञात 55 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद किया है. पुलिस निरीक्षक ने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि जसीडीह कजरिया कॉलोनी और जनार्दन कॉलोनी के समीप एक तालाब के पास झाड़ी में क्षत-विक्षत एक शव पड़ा है. जिसके बाद जसीडीह थाना के एसआई जिशान अख्तर सदल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू की. शव अर्धनग्न अवस्था में था और पूरी तरह से सड़ गया था. पुलिस निरीक्षक ने कहा कि शव देखने से प्रतीत होता है कि इसकी हत्या कर शव को फेंक दिया है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल देवघर भेज दिया व छानबीन में जुट गई है.

हादसा अरगोड़ा थाना क्षेत्र के पीपरटोली के पास हुई दुर्घटना, कार चालक हिरासत में

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, दुकान में घुसी कार, 9 घायल

संवाददाता । रांची

स्कूटी को टक्कर मारने के बाद कार एक दुकान में घुस गई. यह घटना अरगोड़ा थाना क्षेत्र के पीपरटोली के पास हुई है. गुरुवार को अनियंत्रित होकर एक स्विफ्ट कार एक स्कूटी को धक्का मारते हुए एक दुकान में जा घुसी. इस घटना में स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. जबकि आठ अन्य लोगों को भी चोट आयी है. आनन-फानन में स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया.

सूचना मिलने पर अरगोड़ा थाना की पीसीआर गाड़ी मौके पर पहुंची. पुलिस ने कार चालक को कब्जे में लेते हुए गाड़ी जब्त कर ली है.

फिलहाल सभी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है.

चालक ने डर से गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी : स्थानीय लोगों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में आ रही थी. इस दौरान कार ने पहले स्कूटी को धक्का मारी. स्थानीय लोगों ने गाड़ी रोकने के लिए बोला, तो चालक ने डर कर गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी. इसके बाद कार चालक ने अनियंत्रित होती हुई गाड़ी को एक दुकान में घुसा दिया. इस दौरान कार चालक ने आधा दर्जन से ज्यादा लोगों को घायल कर दिया. फिर स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी.

मनोहरपुर में ट्रेलर के धक्के से हाईटेंशन बिजली पोल क्षतिग्रस्त

संवाददाता । मनोहरपुर

गुरुवार रात ट्रेलर ने रेलवे पावर स्टेशन के समीप बरगद पेड़ को धक्का मार दिया. इससे पेड़ समेत हाईटेंशन बिजली तार का एक पोल क्षतिग्रस्त हो गया. दुर्घटना के बाद चालक व खलासी ट्रेलर छोड़कर फरार हो गये. वहीं इस हादसे की चपेट में आने से एक मवेशी भी घायल हो गया है. हादसे के दौरान वहां से गुजर रहे लोग बाल-बाल बच गये. हादसा के समय हाईटेंशन बिजली करंट दौड़ रही थी.

सड़क दुर्घटना में बाइक चालक घायल हुआ

मनोहरपुर । गुरुवार देर शाम मनोहरपुर आनंदपुर मुख्य मार्ग वनशक्ति के समीप सड़क दुर्घटना में बाइक चालक युवक घायल हो गया. घायल युवक गुरु तोपनो आनंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ाकुड़ना गांव का रहने वाला है. युवक बाइक से मनोहरपुर से अपने घर लौट रहा था, तभी उसकी बाइक अनियंत्रित हो गयी और एक पेड़ से जा टकराई. जिसमें युवक घायल हो गया.

महिला से गैंगरेप और हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार हुए

संवाददाता । गिरिडीह

जिले के गमहरा जंगल में दो हफ्ते पहले हुए महिला हत्याकांड का खुलासा मुफ्फसिल थाना पुलिस ने गुरुवार को किया. महिला मनीषा हत्याकांड में पुलिस ने दो आरोपितों को दबोचा है. गिरफ्तार आरोपित इसी थाना क्षेत्र के दुर्गा पहरी गांव निवासी कर्मा टुडू और पचरुखी निवासी भूतुलाल मरांडी हैं. आरोपितों के पास से पुलिस ने एक बाइक और दो मोबाइल जब्त किये हैं. सदर एसडीपीओ अनिल सिंह और मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि मृतका 35 वर्षीय मनीषा देवी इसी थाना इलाके के भलवाई के मदनपुर गांव की रहने वाली थी. 19 अक्टूबर को उसका

शव गमहरा जंगल में मिला था. शव पर चोट के कई निशान थे. पुलिस ने मृतका के मोबाइल नंबर और टेक्निकल टीम की मदद से टुडू और भूतु लाल मरांडी तक पहुंचने में सफल रही. पूछताछ में दोनों ने कबूला कि महिला को 18 अक्टूबर की शाम बाइक से बाजार घुमाने के बहाने बदरकुप्पी हाट ले गये. यहां से उसे बदरकुप्पी के रास्ते गमहरा जंगल ले गए और उसके साथ मारपीट किया. साथ ही गैंगरेप किया. महिला के विरोध करने पर दोनों ने गला दबा कर उसकी हत्या कर दी.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय अनुकूल है, जिसका लाभ भी मिलेगा. पराक्रम से समय अनुकूल रहेगा. बहन भाई के लिए समय अनुकूल है, पर जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें. व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

वृषभ धन का कमी खुलेगा, पर आय के मार्ग मिलेंगे. पर घर परिवार में खर्च में अधिकता होगी. शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें. व्यापार लाभदायक रहेगा. पारिवारिक सहयोग मिलेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें.

मिथुन समय बहुत ही अनुकूल है. अचानक आय होगी. सत्संग का लाभ मिलेगा. आत्मशांति रहेगी. यात्रा संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में चैन रहेगा. दूसरों की जवाबदारी न लें. थकान रह सकती है. किसी से विवाद नही करें.

कर्क कल खर्च अधिक होगा, जिससे मन दुखी होगा. कोई शुभ कार्य होगा. किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यापार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा.

सिंह आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. समय अनुकूल है. भाग्य और धन का लाभ होगा. नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है. शारीरिक कष्ट संभव है. जल्दबाजी से हानि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कन्या पिता से विवाद हो सकता है. समस्या का हल सहज ही प्राप्त नहीं होगा. किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा. भाग्य अनुकूल है. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. शत्रुओं का पराभव होगा.

तुला धर्म में मन लगेगा. ससुराल में किसी से मनमुटाव होगा. पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. अन्न का दान करें.

वृश्चिक समय अनुकूल नहीं है. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. जल्दबाजी से बचें. हृदय संबंधित बीमारी से परेशानी हो सकती है. हनुमानजी का पूजन-ध्यान करें.

धनु सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. लेन-देन में सावधानी रखें. अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें. कारोबार ठीक चलेगा. भाग्य अनुकूल है. समय का लाभ लें. पीली वस्तु का दान करें.

मकर किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी. आत्मसम्मान बना रहेगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. काली वस्तु का दान करें.

कुंभ शिक्षा के बदलाव से हानि हो सकती है.समय अनुकूल नहीं है. पर धन प्राप्ति सुगम होगी. समय अनुकूल है. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. केला का दान करें.

मीन किसी से मनमुटाव होने से मानसिक तनाव होगा. समय अनुकूल नहीं है. बुरी खबर मिल सकती है. दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है. आय बनी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. गुरु मंत्र का जाप करना चाहिए.

मंदिर निर्माण के लिए ढोरी में भूमि पूजन

बेरमो। सीसीएल ढोरी क्षेत्र के एएडीओसीएम (अमलो) कोलियरी विस्तार को लेकर 2 नवम्बर को बंद ढोरी एक्सवेशन परिसर में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया. भूमि पूजन में यजमान के रूप मे बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह और ढोरी जीएम मनोज कुमार अग्रवाल शामिल थे. विधायक और जीएम अग्रवाल ने नारियल फोड़ कर शिलान्यास किया. विधायक ने कहा कि यहां बिजली-पानी, विवाह मंडप, सामुदायिक भवन, सड़क, मंदिर, सोलर लाइट, बाउंड्री वाल, आदि का निर्माण कराया जाएगा. इस अवसर पर क्षेत्र के महाप्रबंधक एम के अग्रवाल ने कहा कि अमलो परियोजना पर ही ढ़ोरी प्रक्षेत्र का भविष्य निर्भर है. इसलिए इसके विस्तार में सभी लोग सहयोग करें.

गुरु दीक्षा समारोह में उमड़ी भीड़

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के सुरजूडीह गांव में गुरुवार को काली मंदिर प्रांगण में सामूहिक गुरु दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के बर्दवान से पधारे गुरुदेव प्रसाद मुखर्जी ने सुरजूडीह के 105 महिला पुरुषों व युवाओं को गुरु दीक्षा दी. इस आयोजन को लेकर पूरे सुरजुडीह में सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो गयी थी. गुरु दीक्षा कार्यक्रम से पूर्व पंडित भवानी प्रसाद मुखर्जी के मंत्रोच्चार के बीच काली पूजा भी की गयी.

रंगमंच : 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' तृतीय सर्वश्रेष्ठ नाटक घोषित

राष्ट्रीय नाट्य प्रतियोगिता में जेएसएम ने जीते 10 पुरस्कार

संवाददाता। जमशेदपुर

संस्कार भारती नाट्य केंद्र द्वारा आगरा में आयोजित 19वें राष्ट्रीय नाट्य एवं नृत्य प्रतियोगिता में शहर की नाट्य संस्था झारखंड सांस्कृतिक मंच (जेएसएम) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. मंच ने प्रसिद्ध रंगकर्मी शिवलाल सागर के निर्देशन में तृतीय स्थान हासिल करते हुए अलग-अलग कैटेगरी में कुल दस पुरस्कार प्राप्त किए. पुरस्कार मिलने से पूरी नाट्य मंडली में उत्साह है. बता दें कि 19वें राष्ट्रीय नाट्य एवं नृत्य प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न राज्यों से कई टीमों ने हिस्सा लिया था. इसमें झारखंड सांस्कृतिक मंच ने नाटक 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरी. प्रतियोगिता में भाग लेने वालों में मंच के शिवलाल सागर, प्रेमांजलि सागर, इमान शेख, दिव्यांशी, अनामिका हलदर, सुमन कुमार बेहरा, सुमित जायसवाल, चांदनी कुमारी, गजेन्द्र कुमार शामिल थे.

नाट्य प्रतियोगिता में शामिल हुए मंच के कलाकार.

इन्हें मिला पुरस्कार

सुमन कुमार बेहरा को प्रथम सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेता, चांदनी कुमारी को प्रथम सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेत्री, प्रेमांजलि सागर को प्रथम सर्वश्रेष्ठ रूप सज्जा का पुरस्कार मिला. वहीं सुमित जायसवाल को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, दिव्यांशी को द्वितीय सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री तथा द्वितीय कैम्प फायर किंग गजेन्द्र कुमार बने, जबकि रंग जुलूस प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार झारखंड सांस्कृतिक मंच को मिला. गजेंद्र कुमार को तृतीय सर्वश्रेष्ठ सह अभिनेता, "सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक" को तृतीय सर्वश्रेष्ठ नाटक और शिवलाल सागर को तृतीय सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार प्राप्त हुआ.

आओ जानें
तोपचांची झील

- **परिचय-** तोपचांची झील झारखंड के धनबाद जिले में स्थित बेहद ही खूबसूरत झील है. यह झारखंड की सबसे मशहूर झीलों में से एक है। यहां पर बहुत सारे पर्यटक घूमने और पिकनिक के लिए आते हैं.
- **स्थान –** यह झील धनबाद रेलवे स्टेशन से केवल 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा लगभग 214 एकड़ में फैल है.
- **स्थिति-** समुद्रतल से लगभग 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित तोपचांची झील में आप बोटिंग के साथ-साथ अन्य वाटर एक्टिविटी का आनंद भी ले सकते हैं. इसके आसपास स्थित हरे भरे जंगलों, प्राचीन मंदिर और पारसनाथ पहाड़ की खूबसूरती के कारण वर्ष भर पर्यटक यहां आते रहते हैं. यहां आकर आप स्वस्थ जीवनशैली का अनुभव कर सकते हैं.
- **इतिहास-** तोपचांची झील और अभ्यारण की स्थापना 15 नवंबर 1924 को गवर्नर हेनरी वीलर के द्वारा की गई थी. ब्रिटिश काल के दौरान जलापूर्ति के उद्देश्य से इस झील की नींव रखी गई थी. इस झील में इकट्ठे पानी से बिहार-ओडिशा के कई क्षेत्रों में पानी की कमी पूरी की जाती थी. उसके बाद 2007 से यहां नौकाविहार की सुविधा भी शुरू की गई.
- **समय-** यहां पर्यटन के लिए सबसे आदर्श समय अक्टूबर से मार्च के बीच का माना जाता है. इस समय का मौसम पर्यटन के अनुकूल और ठंडा रहता है, जो पर्यटन के लिए काफी सुहावना होता है, लेकिन अच्छा होगा यदि आप सूर्योदय या सूर्यास्त के समय जाएं.

खोज-खबर: नागवंशी राजाओं का इतिहास जानने का प्रयास

नवरत्नगढ़ में खुदाई शुरू

संवाददाता। गुमला

नागवंशी राजाओं का इतिहास जानने के उद्देश्य से यहां नवरत्नगढ़ में पुरातात्विक खुदाई शुभारंभ हुआ. यह खुदाई भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की रांची मंडल इकाई की ओर से की जा रही है. यह पुरातात्विक खुदाई राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक नवरत्नगढ़ का महल एवं मंदिर परिसर में की जाएगी और ऐतिहासिक तथ्यों और रहस्यों से पर्दा उठाया जाएगा.

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी, उप विकास आयुक्त हेमंत सती, सिसई प्रखंड के ब्लॉक प्रमुख एवं अंचल प्रमुख शामिल हुए. उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों को पुरातात्विक खुदाई शुरू करने के लिए धन्यवाद दिया तथा सफलता की शुभकामनाएं दी. उपायुक्त ने कहा कि इस क्षेत्र में खुदाई होने से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को नया आयाम मिल सकता है. साथ ही गुमला जिले के इस स्मारक को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स में शामिल किये जाने की संभावना बन सकेगी. उन्होंने कहा कि इससे न केवल गुमला, बल्कि पूरे झारखंड का नाम देश भर में प्रचलित होगा. जिले में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा.

दी गई किए जा रहे कार्यों की जानकारी: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रांची मंडल के सहायक पुरातत्विद डॉक्टर मोहम्मद अजहर साबिर ने नवरत्नगढ़ में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किये जा रहे कार्यों के विषय में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि झारखंड में नवरत्नगढ़ एक ऐसा राष्ट्रीय संरक्षित स्मारक है, जो कई तरह के स्मारक अपने अंदर समेटे हुए है. इस स्मारक पर पुरातात्विक खुदाई और संरक्षण का काम गंभीरता से करने की आवश्यकता है, ताकि नागवंशी राजाओं के इतिहास को देश और दुनिया के सामने लाया जा सके.

खास बातें

- गुमला के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कुदाल चला कर किया शुभारंभ
- पुरातात्विक खुदाई से इतिहास में एक नया आयाम जुड़ने की संभावना

अधिकारियों का अभिनंदन

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के रांची मंडल के अधीक्षक डॉक्टर राजेंद्र देहुरी ने जिला अधिकारियों का अभिनंदन किया. उन्होंने नवरत्नगढ़ में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की ओर से किये जा रहे अलग-अलग कामों के विवरण के साथ भविष्य में होने वाले संरक्षण के कामों का एक खाका पेश किया. मौके पर विभागीय पदाधिकारियों के अलावा गांव के मुखिया, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रांची मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित स्थानीय नागरिक मौजूद थे. इस अवसर पर सभी ने नवरत्नगढ़ को झारखंड का सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्मारक बनाने का संकल्प लिया.

गोहत्या पर अविलंब रोक लगाने की मांग

रांची। अखिल भारतीय गो रक्षा महासंघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश पाण्डेय ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गो हत्या पर अविलंब रोक लगाने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि जो गो माता हमें दूध,गोबर और मूत्र देती है, बिना उसके हम कोई शुभ कार्य शुभ नहीं कर सकते, जिसकी लिए भगवान को धरती पर उतरना पड़ा हो उस देश में गो मां को हत्या हो, यह गलत है. भारतीय संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए गो मां की हत्या पर रोक लगाने का अविलंब कानून बनाकर गाय को राष्ट्र माता का दर्जा प्रदान किया जाये.

वैश्य समिति ने एसपी का किया अभिनंदन

संवाददाता। आदित्यपुर

वैश्य समन्वय समिति की केंद्रीय कमेटी ने गुरुवार को सरायकेला खरसावां जिले में दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से बीते जाने पर जिले के एसपी डॉ विमल कुमार को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया. तत्पश्चात 1 साल से कतर के जेल में बंद कमांडर संजीव गुप्ता सहित सभी आठों नौसैनिकों की रिहाई करवा कर स्वदेश वापस लाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम पांच सूत्री मांग पत्र भी सौंपा.

मांग पत्र की कॉपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार को भी भेजी गई है. मांग पत्र में पिछले एक वर्ष से कतर के जेल में बंद कमांडर संजीव गुप्ता सहित सभी आठों नौसैनिक अधिकारियों की रिहाई भारत सरकार से कराने, रिहाई करवा कर स्वदेश वापस लाने, कतर की एक अदालत में कमांडर संजीव गुप्ता सहित आठों पूर्व नौ सैनिकों को इसी 26 अक्टूबर 2023 को फांसी की सजा सुनाई जाने पर उनके ऊपर लगे आरोप संदिग्ध होने पर इसकी पुनः जांच कराकर सभी को बाइज्जत रिहा कर स्वदेश वापस लाने, पूर्व नियोजित साजिश के तहत फंसा कर सजा सुनाने पर पुनः उच्च स्तरीय जांच करने, इस पूरी घटना में भारत सरकार अविलंब हस्तक्षेप कर सारे लोगों को रिहाई कर स्वदेश वापस लाकर उनके परिजनों को सौंपने की मांग शामिल है. सारी बातों से अवगत होने के पश्चात एसपी डॉ विमल कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि आम जनता की भरपूर सहयोग और समर्थन के कारण ही दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से बीता है. वहीं दूसरी तरफ पुलिस प्रशासन की सक्रियता पूर्वक जिम्मेवारी निर्वाह किए जाने पर भी दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण ढंग से बीती. इसके लिए उन्होंने आम जनता को भरपूर सहयोग और समर्थन देने पर धन्यवाद ही दिए. प्रतिनिधि मंडल में मुख्य रूप से वैश्य समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रमोद कुमार गुप्ता, पंचायत समिति सदस्य सह प्रवक्ता सुनील गुप्ता, महिला विंग की अध्यक्ष रीमा जायसवाल, शामिल थे.

ज्ञापन सौंप कर निकलते समिति के सदस्य.

खास बातें

- आठों नौसैनिकों की रिहाई करा कर वापस लाने की मांग
- मांग पत्र की कॉपी पीएम एवं गृह मंत्रालय को भी भेजी गई

तलेटी तीर्थ में जैन मुनि रत्नरक्षित विजय का मासक्षमण तप हुआ पूर्ण

संवाददाता। पीरटांड़ (गिरिडीह)।

जैनियों के विषय प्रसिद्ध मधुबन स्थित तलेटी तीर्थ में चातुर्मास साधनारत मुनि रत्नरक्षित विजय जी महाराज का मासक्षमण तप गुरुवार को संपन्न हो गया. चातुर्मासिक आराधना के दौरान तलेटी तीर्थ में प्रवचन समेत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये. आचार्य विजय मुक्तिप्रभ सूरीश्वर जी महाराज के शिष्य रत्नरक्षित विजय जी महाराज ने अपना मासक्षमण तप गुरुवार को पूर्ण किया. मासक्षमण तप का अर्थ होता है पूरे तीस दिन यानी एक मास तक अन्न का त्याग. इनके अलावा जैन विदुषी पुण्यरत्नाश्री की शिष्या रत्नपुण्याश्री भी मासक्षमण उपवास कर रही हैं. उनका यह उपवास चार नवंबर को संपन्न होगा. बताया गया कि पर्युषण पर्व के बाद छह श्रमण श्रमणी भगवंतों ने तीस उपवास किए हैं. अर्थात तीस दिन तक अन्न ग्रहण नहीं किया है. बताया जाता है कि मासक्षमण की समाप्ति के अवसर पर क्रमशः बुधवार एवं शनिवार को मुंबई एवं पुणा से आये मुनि एवं साध्वी के संसारिक जीवन के स्वजन भी उपस्थित रहेंगे. इस अवसर पर जैनाचार्यों द्वारा तपधर्म की महिमा पर प्रवचन का भी आयोजन किया गया. वहीं पन्यास पुण्यरक्षित विजय जी महाराज ने बताया कि चातुर्मास के दौरान तलेटी तीर्थ में कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए. पर्युषण पर्व के बाद नवपद ओली का भी आयोजन किया गया, जिसमें 180 आराधकों ने आयंबिल तप किया था.

ऑल सोल डे पर पूर्वजों को किया याद

संवाददाता। जमशेदपुर

रोमन कैथोलिक ईसाई समाज के लोगों ने गुरुवार को ऑल सोल डे पर कब्रिस्तान जाकर पूर्वजों को याद किया. अपने पूर्वजों की क्रब पर कैंडल जलाकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की. इसे लेकर बेलडीह कब्रिस्तान में खासी चहल-पहल रही. सुबह से ही बेलडीह के अलावा भुइयांडीह स्थित बाबूडीह व करनडीह स्थित जसकनडीह कब्रिस्तान में समुदाय के लोगों ने अपने पूर्वजों की कब्र पर फूल चढ़ाए, मोमबत्ती जलाई और वहां बैठकर उन्हें याद किया. मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई. कैथोलिक में मान्यता है कि मरने के बाद व्यक्ति संत हो जाता है. उनके अच्छे जीवन और शांति के लिए हर साल 2 नवंबर को यह पर्व मनाया जाता है. पर्व के लिए पहले से ही कब्रिस्तानों की साफ-सफाई कर ली गई थी और पूरे कब्रिस्तान परिसर को सजाया गया था.

ख्रीस्त विश्वासियों ने की कब्रिस्तान में प्रार्थना

सिमडेगा। ईसाई समुदाय के लोगों ने गुरुवार को अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए कब्रिस्तान में ईश्वर से सामूहिक प्रार्थना की. प्रत्येक साल की भांति इस वर्ष भी 2 नवंबर को जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के कब्रिस्तानों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. इसके लिए कब्रिस्तानों की साफ-सफाई की गई थी. कब्रों को फूलों से सजाया गया और सभी कब्रों पर कैंडल जलाए गए. ज्ञात हो कि ईसाई समुदाय प्रत्येक वर्ष 2 नवंबर को मृत ख्रीस्त विश्वासियों का पर्व मनाती है. इस अवसर पर ईसाई समुदाय के लोगों ने कब्रिस्तान में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया.

दिव्यांग बच्चों ने बनायी सामग्री, डीएम ने खरीदी

धनबाद। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से संचालित पहला कदम दिव्यांग स्कूल के बच्चों की ओर से बनायी गई सामग्री की धनबाद रेल मंडल के डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने स्टॉल से खरीदारी कर उत्साह बढ़ाया. उनके अलावा कई रेल अधिकारियों ने भी सामग्री की खरीदारी की. सामग्रियों की खरीदारी से पहले डीआरएम ने दीप प्रज्जवलित कर स्टॉल का उद्घाटन किया. स्टॉल मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद के सामने लगाया गया था. ताकि अधिकारियों के साथ-साथ रेलकर्मी भी सामग्री की खरीदारी कर सकें.

सराहनीय मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में लगी सोनारी की संस्था 'जीविका'

स्पेशल बच्चों के हाथों बने दीयों की विदेशों में भी खूब हो रही मांग

रतन सिंह। जमशेदपुर

भारत में सभी त्योहारों का अलग-अलग महत्व है. साथ ही इन पूजा में इस्तेमाल होने वाली विशेष सामग्री भी कई मायने रखती है. इन्हीं में से एक हैं मिट्टी के दीये. वैसे तो मार्केट में दीपावली पर रोशनी करने के लिए कई तरह की लाइटें और चाइनीज कैंडल उपलब्ध हैं, लेकिन मिट्टी के दीयों का अपना विशेष महत्व है. दुर्गा पूजा के बाद से लोग दीपावली और फिर छठ की तैयारियों में जुट जाते हैं. यहीं से खरीददारी शुरू होती है मिट्टी के दीयों की. इन दीयों के बगैर पूजा अधूरी मानी जाती है. ऐसे ही कुछ आकर्षक तरह के दीए जमशेदपुर के स्पेशल बच्चे बनाते हैं. इन बच्चों ने अपने हुनर और प्रतिभा से साबित कर दिया है कि वे भी किसी आम बच्चों से कम नहीं हैं.

पांच से लेकर 125 रुपये तक की कीमत: सोनारी स्थित जीविका स्कूल, मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को अपने पैरों पर खड़े होने के लिए प्रोत्साहित करती है. बच्चों को उनके खुद के पैरों पर खड़ा होने की हिम्मत देती है. इस बार संस्था पिछले दो महीने से ऐसे बच्चों को मिट्टी के दीये बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जो मानसिक रूप से अक्षम हैं. ये बच्चे दीयों में कलाकृतियां बनाकर उनमें अपने हाथों से रंग भरते हैं. यहां बनने वाले दीयों की कीमत पांच रुपये से लेकर 125 रुपए तक होती है. इनमें कछुआ दीया और कई रंग-बिरंगे दीये शामिल हैं.

दीयों में रंग भरते बच्चे

इनके बीच ही बांट देते हैं मुनाफा

जीविका संस्था के संस्थापक अवतार सिंह के अनुसार इस स्कूल में मानसिक रूप से 15 दिव्यांग बच्चे पढ़ते हैं. इनके द्वारा सालों भर इको-फ्रेंडली चीजें बनाई जाती हैं. दीये के अलावा पेपर बैग, कपड़े के बैग, रोटी नैपकिन, शगुन बैग- जैसी कई अन्य चीजें इन स्पेशल बच्चों द्वारा बनाई जाती हैं, जिनकी भारी डिमांड रहती है. बच्चे भी इन्हें काफी उत्साह के साथ बनाते हैं. इस बार इन लोगों ने लगभग 8 हजार दीये बनाये हैं जो बिक चुके हैं. उन्होंने बताया कि इसके जरिये जो भी मुनाफा होता है इनके बीच ही बांट दिया जाता है. हमारा उद्देश्य यह है कि यह लोग खुद से अपना रोजगार करें और अपनी जिंदगी को सवार सके.

विदेश भेजे जाते हैं दीये

यहां के दीये सामान्य रूप से बाजारों में नहीं मिलते हैं, जिन्हें दीया लेना होता है, वे स्कूल आकर ले जाते हैं. कई लोग इसके लिए पहले से ही ऑर्डर देते हैं. यही नहीं इन दीयों की इतनी मांग है कि अभी से लोग दीये लेकर जाने लगे हैं. बच्चों द्वारा बनाए गए इन दियों को नार्वे, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में भेजा जाता है. कई राज्यों में इनकी काफी डिमांड रहती है.

एमए पास युवक आधुनिक तकनीक से कर रहा खेती, लाखों की आय

संवाददाता। मुसाबनी

पोटका प्रखंड के कुलडीहा पंचायत अंतर्गत कालापाथर टोला भुरकाडीह निवासी भृगुराम भकत आधुनिक वैज्ञानिक पद्धति से कृषि से एक प्रगतिशील किसान के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हुए हैं. एमए पास भृगुराम भकत का परिवार पारंपरिक कृषि से जुड़ा है. भृगुराम के मुताबिक पारंपरिक खेतीबाड़ी से परिवार को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था. परिवार को केवल अनाज मिलता था. उन्होंने कृषि विभाग (आत्मा) से जुड़कर आधुनिक कृषि की तकनीक को सीखा. परवल, बैगन, लौकी, साग, धान के अलावा और सभी मौसमी सब्जियों की खेती कर सालाना दो से ढाई लाख तक की आमदनी हो रही है. जिला कृषि पदाधिकारी मिथिलेश कालिंदी के मुताबिक क्षेत्र भ्रमण के दौरान भृगुराम भकत से मिले थे. भृगुराम भकत के कृषि के प्रति लगन को देखकर उन्हें आधुनिक कृषि प्रशिक्षण से जोड़ा गया. पूंजी के लिए 50 हजार केसीसी लोन उपलब्ध कराया गया. आधुनिक कृषि अपनाकर भृगुराम भकत खुद सलाना लाखों में आमदनी करने में सक्षम बने और वर्षभर पांच मजदूरों को भी रोजगार दे रहे हैं.

युवाओं, छात्र-छात्राओं ने कहा...

ऐसा लगता है 500 रुपये की कोई कीमत ही नहीं

महंगाई की मार से सभी त्रस्त हैं. इससे कमोवेश हर कोई प्रभावित है. गृहिणी, युवा और छात्र-छात्राएं इससे अछूता नहीं हैं. सामान की बढ़ती कीमत ने सब को परेशान कर दिया है. कम खर्चे में इस समय घर चलाना मुश्किल हो रहा है. महंगाई के कारण पैसे का मूल्य इतना गिर गया है कि सबको लगता कि पांच सौ रुपए की कोई कीमत ही नहीं है. इस महंगाई पर लगाम लगनी ही चाहिए. सरकार को महंगाई को लेकर गंभीर होना चाहिए. चीजों के दाम जिस तरह बढ़ रहे हैं आने वाले दिन में घर चलाना और भी मुश्किल हो जाएगा. हाल के दिनों में बढ़ी महंगाई ने लोगों की बचत को प्रभावित किया है. वे जो भी पैसे बचाते थे अब सामान खरीदने में चले जाते हैं. लोग बहुत सारी चीजों से समझौता कर जी रहे हैं. सब्जियों की बढ़ी कीमतों ने रसोई का बजट ऐसे ही खराब कर रखा है.

पांच-छह सदस्यों वाले परिवार में अगर कमाने वाला एक ही हो तो दिक्कत होना स्वाभाविक है. आम लोगों को सरकारी की ओर से स्वास्थ्य, चिकित्सा, सड़क, बिजली- पानी एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधा न के बराबर मिल रही है. शुभम संदेश की टीम ने राज्य के विभिन्न जिलों में गृहिणी, युवा और छात्र- छात्राओं से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

महंगाई पर लगाम जरूरी

- इस समय महंगाई से कमोवेश हर वर्ग प्रभावित
- सब्जियों की बढ़ी कीमतों से रसोई का बजट बड़बड़ाया
- गृहिणी, युवा, छात्र-छात्राएं सामान के बढ़े दाम से परेशान
- सबकी राय, सरकारी स्तर पर महंगाई पर रोक लगे

जमशेदपुर

महंगाई बढ़ती जा रही है, आम आदमी का गुजारा कैसे होगा : किरण देवी

गृहिणी किरण देवी का कहना है कि महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. दैनिक उपयोग के सामानों के साथ सब्जियां भी महंगी हो गई है. ऐसे में मध्यवर्गीय परिवार के सामने परेशानी खड़ी हो गई. आम आदमी का गुजारा कैसे होगा यह समझ में नहीं आ रहा है. महंगाई के कारण घर का पूरा बजट बिगड़ गया है. बड़ी मुश्किल से रसोईघर चलाना पड़ रहा है.

महंगाई ने घर का बजट बिगाड़ा,सभी वर्गों की मुश्किलें बढ़ी : रिंकू देवी

गृहिणी रिंकू देवी का कहतीं है कि महंगाई के कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है. खाद्य पदार्थों के दामों में वृद्धि के कारण घर का बजट बिगड़ गया है. हर चीज का दाम दो गुना हो जाने से परेशानी बढ़ गई है. हर दिन बढ़ती महंगाई ने गरीब और मध्य वर्गीय परिवारों का जीना मुश्किल हो गया है. सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है ताकि आम लोगों को राहत मिल सके.

देश महंगाई की मार झेल रहा,सरकार का ध्यान इस पर हो : विशाल अग्रवाल

मानगो निवास विशाल अग्रवाल का कहना है कि सब्जियों से लेकर अन्य रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने से घर का बजट बिगड़ गया है. अचानक कभी भी सब्जियों के दाम बढ़ा दिए जाते हैं. प्याज का दाम आसमान छू रहा है. इससे सबसे ज्यादा गरीब और मिडिल क्लास के लोग परेशान होते हैं. पूरा देश महंगाई की मार झेल रहा है. सरकार का ध्यान इस ओर होना चाहिए.

सीमित आमदनी में घर खर्च चलाना मुश्किल हो रहा : राजकिशोर शाह

प्राइवेट कर्मचारी राजकिशोर शाह का कहना है कि घर खर्च चलाना दिन पर प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है. आमदनी उतनी ही है, खर्चे बढ़ते जा रहे हैं. जिन्हें रोक पाना सभी के लिए मुश्किल है. सरकार को महंगाई पर रोक लगाने के लिए कदम उठाना चाहिए. महंगाई से खास कर प्राइवेट नौकरी करने वाले लोग परेशान हैं. हर हाल में उन्हें अपनी आय बढ़ानी होगी.

बहरागोड़ा

तेजी से बढ़ रही महंगाई पर लगाम लगाना जरूरी है : देवजीत गिरि

बहरागोड़ा के विद्यार्थी देवजीत गिरि कहते हैं कि तेजी से बढ़ रही महंगाई पर सरकार को जल्द लगाम लगाने की जरूरत है. इससे मध्यम वर्गीय परिवार को महंगाई से सुकून मिलेगा. जिनके घर पढ़ने वाले बच्चे हैं उनको अपने खर्चे में कटौती करनी पड़ती है, जिसके चलते पढ़ाई पर भी आर्थिक संकट मंडराने लगता है. घर का पूरा बजट बिगड़ गया है.

महंगाई से घर का बजट असंतुलित,मिडिल क्लास की परेशानी बढ़ी : चंद्रशेखर सेनापति

बहरागोड़ा महाविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी चंद्रशेखर सेनापति ने कहा कि खाद्य पदार्थ और सब्जियों की बढ़ती कीमत से घर का आर्थिक बजट संतुलित हो गया है. अभी आर्थिक बचत की जगह कर्ज बढ़ता जा रहा है. अचानक महंगाई में हुई बढ़ोतरी ने लोगों को सोचने को मजबूर कर दिया है. इसलिए सरकार को मिडिल क्लास के ऊपर विशेष ध्यान देना चाहिए.

महंगाई चरम पर, लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ भी नहीं : तापस पात्र

बहरागोड़ा महाविद्यालय में स्नातक कर रहे तापस पात्र ने कहा कि आज के दिन महंगाई पूरी तरह से बेलगाम है. लेकिन सरकारी सुविधा में स्वास्थ्य चिकित्सा, सड़क, पानी, बिजली एवं शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधा न के बराबर आम लोगों को मिल रही है. इसलिए सरकार को अविलंब महंगाई दर कम कर इन सुविधाओं के प्रति विशेष ध्यान देना चाहिए.

बोकारो

महंगाई से युवा वर्ग परेशान : अभिषेक

बोकारो जिले के पेटरवार निवासी अभिषेक कुमार का कहना है कि महंगाई से युवा वर्ग भी परेशान है. दिनोदिन आसमान छूती महंगाई से घर चलाने में तो परेशानी होती ही है, इससे घरेलू खर्च के साथ साथ अन्य खर्च में भी कटौती करना पड़ता है. उन्होंने बताया कि महंगाई समय समय पर घटे तो इसकी भरपाई की जा सकती है, लेकिन एक बार बढ़ने के बाद लगातार बढ़ती ही रहे, तो अमीर हो या गरीब कोई भी परेशान हो जाता है.

मध्य वर्ग ज्यादा प्रभावित : बलदेव रजवार

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के सोनपुरा निवासी बलदेव रजवार ने बताया कि मध्यमवर्गीय परिवार के लोगों को महंगाई की मार सबसे ज्यादा प्रभावित करती है. सब्जी के दाम हो या खाद्य पदार्थों की कीमत, लगातार बढ़ रही महंगाई से लोग त्राहिमाम कर रहे हैं. महंगाई के खिलाफ विपक्षी दल हर रोज धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, इसके बावजूद सरकार महंगाई को कम करने की दिशा में कोई काम नहीं कर रही है.

कम नहीं कर पा रही महंगाई : दिलीप

बोकारो जिले के कसमार प्रखंड के बरईकला निवासी युवा पंचायत समिति सदस्य दिलीप कुमार महतो ने बताया कि महंगाई का असर युवा किसानों पर भी पड़ा है. जब प्याज व टमाटर के भाव बढ़ते हैं तब गांव के मध्यम व छोटे किसानों के पास ये सब्जियां उपलब्ध नहीं रहती. इसका फायदा पूंजीपति किसान उठा लेते हैं, क्योंकि वे समय रहते सब्जियों को खरीदकर स्टॉक कर लेते हैं. हर बार चुनाव लड़ा जाता है, लेकिन कोई भी सरकार महंगाई को कम नहीं कर पा रही है.

किरीबुरू

घर में कम आ रही है सब्जियां : सूरज कुमार

प्रोजेक्ट सेंट्रल स्कूल किरीबुरु के 12 वीं के छात्र सूरज कुमार सिंह ने बताया कि सब्जियों की कीमत आज 20 तो अगले दिन 50 रूपये हो जा रही है. खाद्य सामग्री की भी यहीं स्थिति है. ऐसा हाल रहा तो लोग क्या खाएंगे और पैसे की बचत कैसे करेंगे. लोगों की आमदनी बढ़ नहीं रही है और समानों के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं. लोग कठोर परिश्रम कर रहे हैं लेकिन महंगाई की वजह से पौष्टिक आहार नहीं ले पा रहे हैं.

सभी चीजें महंगी, परेशानी बढ़ी : तनु कुमारी

12 वीं की छात्रा तनु कुमारी ने कहा कि सब्जियों व राशन सामग्रियों के अलावे शिक्षा सामग्री, रसोई गैस, बस-ट्रेन का किराया आदि तमाम चीजें काफी महंगी हो गई है. पहले जो कॉपी 28 रूपये में खरीदते थे, वह अब 45 रूपये में मिल रही है. राशन की दुकान अपनी होने की वजह से इसमें उतनी परेशानी नहीं हो रही है, लेकिन जो सब्जी पहले 200 रूपये में आती थी वह अब 500 रुपये में आ रही हैं.

आय नहीं महंगाई बढ़ रही है : सुमन कुमारी

12 वीं की छात्रा सुमन कुमारी पान ने बताया कि लोगों की आय सीमित है. वेतन व आय का श्रोत बढ़ नहीं रहे है लेकिन महंगाई निरंतर बढ़ रही है. सब्जियों, राशन, तेल आदि के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं. ऐसे में लोगों को समझ में नहीं आ रहा है कि पैसा कहां से लाकर घर की व्यवस्था को बेहतर करें, परिवार को जरुरी पौष्टिक आहार देते हुए उनकी जरुरतों को पूरा करें .कोशिश तो कर रही हूं. पर सरकारी स्तर पर भी महंगाई कम करने का प्रयास होना चाहिए.

पढ़ाई सामग्री के दाम में वृद्धि : शबनम निशा

12 वीं की छात्रा शबनम निशा ने बताया की खाद्यान्न व सब्जियों आदी की महंगाई इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोग कठोर परिश्रम के बावजूद भर पेट खाना नहीं खा पा रहे हैं. कुछ परिवार तो तीन बार के बजाय दो बार ही भोजन कर रहे हैं, रात में बिना खाये सो जाते हैं. हमारी पढ़ाई की सामग्री के दाम में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है. रसोई गैस की कीमत बढ़ने के कारण कई लोग आग पर खाना बनाने को विवश हैं. लोगों का आमदनी अठन्नी और खर्चा रूपया हो गया है.

महंगाई से घरों का बजट खराब : अनीमा डांग

12 वीं की छात्रा अनीमा डांग ने कहा कि सुनते थे कि पहले मुट्ठी भर पैसा लेजाकर बोरे में सब्जियां लाते थे. आज यह बातें इतिहास हो गई. आज तो समझ में हीं नहीं आता है कि कब समान के दाम अचानक बढ़ गये. महंगाई ने हमारे घर समेत प्राय: लोगों के घर का बजट खराब कर दिया है. महंगाई पर नियंत्रण के तमाम सरकारी प्रयास नाकाफी हो जा रहे है. सरकार को इसके लिये कडे.कदम उठाने की जरुरत है.

चांडिल

कीमत वृद्धि से सभी को परेशानी : अजय कुमार

चांडिल के चैनपुर निवासी अजय कुमार प्रमाणिक ने कहा कि दिन पर दिन बढ़ती मंहगाई के कारण जीना मुहाल हो गया है. खाद्य सामग्रियों के बाद अब हरी सब्जी और प्याज के दाम लोगों को रूला रहा है. ऐसे में खाने की थाली से पौष्टिक आहार गायब होते जा रहे हैं. खाद्य पदार्थों, राशन के साथ ही दूध से लेकर सब्जियों तक की कीमतों में वृद्धि से आम लोग परेशान हैं. महंगाई के कारण घर चलाने में परेशानी आ रही है.

घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है : नीलम

सिंहभूम कॉलेज चांडिल के विद्यार्थी नीलम भगत ने कहा कि मंहगाई बढ़ने के कारण घर की अर्थिक स्थिति बिगड़ गयी है. इसके कारण लोगों को परिवार चलाना मुश्किल हो गया है. परिवार की सारी कमाई खाद्य सामग्री व सब्जियों में चला जा रहा है. ऐसे में हमारे जैसे पढ़ने वाले बच्चों की परेशानी बढ़ गई है. समय पर किताब व कॉपी नहीं मिल रहा है. पठन-पाठन सामग्रियों के दामों में भी बेतहासा वृद्धि हुई है. सरकार मंहगाई पर लगाम नहीं लगा पा रही है.

दुकानदार भी महंगाई की चपेट में : आनंद

चांडिल प्रखंड के आसनबनी निवासी आनंद गोराई ने कहा कि बढ़ती मंहगाई का असर सभी क्षेत्र में पड़ रहा है. खाद्य सामग्री व सब्जियों के मूल्यवृद्धि से जहां रसोई का स्वाद बिगड़ गया है, वहीं बाजार में भी इसका असर साफ झलक रहा है. छोटे-छोटे दुकानदार भी मंहगाई की चपेट में आ गए है. उनका बिक्री घट गयी है. विद्यार्थियों पर भी मंहगाई का असर देखा जा सकता है. लोग पढने वाले अपने बच्चों की सभी जरूरतें पूरी करने में भी असमर्थ हो रहे हैं.

आम आदमी का जीना मुहाल : प्रकाश कुमार

सिंहभूम कॉलेज चांडिल के छात्र प्रकाश कुमार ने कहा कि पर्व-त्योहार के समय ही मंहगाई बढ़ जाती है. मंहगाई बढ़ने से परिवार के लोग खुलकर खुशियां नहीं मना पाते हैं. लगातार बढ़ती मंहगाई ने आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है. शायद ही कोई ऐसी वस्तु हो, जो मंहगाई के दायरे से बाहर नजर आ रही हो. पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम पिछले कई महीनों से बढ़ ही रहे हैं. सामान से लेकर फल-सब्जियां और दूध तक महंगा हो गया है.

सरकार को ध्यान देने की जरुरत : प्रभात कुमार

चांडिल निवासी युवा प्रभात कुमार पोद्दार ने कहा कि हरि सब्जियों के महंगे होने का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग है, जिससे वर्षा का असमानंतर होना है. सब्जी की बुआई के समय अत्यधिक बारिश होना सब्जी की खेती पर बुरा प्रभाव डाल रहा है. जिससे खाद्य पदार्थ भी महंगी हो रही है. क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज का अभाव भी सब्जी के दाम में बढ़ोत्तरी का एक मुख्य कारण है. सरकार को इन चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है.

साहिबगंज

थाली से गायब हो रही सब्जियां : निरंजन

साहिबगंज महाविधालय के बीए सेमेस्टर 2 के छात्र निरंजन मरांडी ने कहा कि खाद्य सामग्री की कीमतें आसमान छू रही है. खाने की थाली से हरी सब्जियां गायब हो रही है . टमाटर 70 रु, प्याज 70रु, खीरा 50रु, परवल 40रु, बैंगन 60रु, फुल गोभी 60 रु सहित अदरख,हरी मिर्च,धनिया पत्ती की कीमतें आसमान छू रही है . खाद्य सामग्री और सब्जियों की कीमत बढ़ने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

महंगाई पर गंभीर हो सरकार : सुरेश पहाड़िया

साहिबगंज महाविधालय सुरेश पहाड़िया बीए सेमेस्टर 3 के छात्र ने बताया कि हरी सब्जी और खाद्य सामग्री की कीमतें काफी पढ़ जाने से हम सभी छात्र को पढ़ाई लिखाई के अलावा खाने पीने की सामग्री खरीदने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. वहीं भोजन की थाली से हरी सब्जी गायब हो रही है. किसी को अनुमान भी नहीं था कि हरी सब्जी और खाद्य सामग्री की कीमतें इतनी तेजी से आसमान छू रही है.

घर चलाने में हो रही है परेशानी : शर्मिला

साहिबगंज महाविधालय के बीए सेमेस्टर 2 की छात्रा शर्मिला बेसरा ने बताया कि चावल, दाल, तेल समेत हरी सब्जियों के दाम बढ़ने से घर चलाने में काफी परेशानी हो रही है. पुरुष तो कमाने के लिए घर से बाहर चले जाते हैं, लेकिन घर के बजट को संतुलित करने का जिम्मा हम सभी महिलाओं पर ही रहता है. इस स्थिति में महंगाई के कारण इन दिनों काफी परेशानी हो रही है. महंगाई को कम करने को लेकर राज्य सरकार के साथ साथ केंद्र सरकार को ठोस कदम उठाना चाहिए.

हजारीबाग

पार्ट टाइम जॉब ढूंढ़ना होगा : राजेश कुमार

हजारीबाग के ओकनी निवासी राजेश कुमार कहते हैं कि एक तो बेरोजगारी और ऊपर से महंगाई ने जीना मुश्किल कर रखा है. कुछ भी खरीदने जाते हैं, तो लगता है पांच सौ रुपए का कोई मूल्य ही नहीं रह गया है. अभी वह प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं. पिताजी को घर चलाना मुश्किल हो रहा है. ऐसे में अब उन्हें कोई पार्ट टाइम जॉब ढूंढ़े बिना कोई चारा नहीं है. आखिर कब तक पिताजी से कंपीटिशन की तैयारी के लिए पैसे मांगते रहेंगे. घर में इस समय महंगाई की वजह से हर काम मुश्किल से हो रहा है.

मध्य वर्ग की फिक्र नहीं : गुलाशन कुमार

दीपूगढ़ा हाउसिंग कॉलोनी के युवा गुलशन कुमार कहते हैं कि सरकार को मध्यमवर्गीय परिवार की फिक्र नहीं है. महंगाई से निम्न आय वाले परिवार की हालत तो और भी खराब है. अब उन्होंने बाजार की चीजें खानी बंद कर दी. जेब खाली रहती है, उसमें पैसा अब सपना हो गया. मुश्किल से बचत कर पिता घर चला रहे हैं. महंगाई का असर इस कदर है कि घर चलाना मुश्किल हो गया है. समझ में नहीं आता है कि इस महंगाई से कैसे पार पाएं. आय बढ़ाने की कोशिश तो हो रही है, पर सरकारी स्तर पर भी प्रयास होना चाहिए.

कॉलेज फीस भरना मुश्किल : सचिन कुमार

शिवदयालनगर के युवा सचिन कुमार कहते हैं कि मुश्किल से घर परिवार चल रहा है. महंगाई सब पर हावी है. ऐसे में कॉलेज की फीस भरना भी मुश्किल हो रहा है. पहले वह बाइक से कॉलेज जाते थे, लेकिन अब पैदल ही जा रहे हैं. जो दो पैसे बचते हैं, तो उसे जमा कर कॉलेज का फीस पूरा हो जाएगा. सरकार को बेरोजगार युवाओं की फिक्र नहीं है कि इस महंगाई में उनका कैसे गुजारा चलेगा. सरकार को चाहिए कि इस दिशा में ध्यान दे ताकि परेशानी कुछ कम हो सके.

घर आना-जाना कम कर दिया : श्रुति कुमारी

संत कोलंबा कॉलेज की छात्रा श्रुति कुमारी कहती हैं कि उन्होंने घर आना-जाना कम कर दिया. यहां रहकर पढ़ाई कर रही हैं और गोला अपने घर महीने में एक बार जाती हैं. पहले महीने में चार बार घर आ जाती थी. इससे बस या ट्रेन का किराया बच रहा है. इसके अलावा भोजन में भी कटौती कर दी है. किसी भी विलासिता संबंधी चीजों का उपभोग नहीं करती हैं. कभी-कभी मिठाई वगैरह खा लेती थीं. अब वह भी बंद कर दी हैं. दो पैसे बचाएंगे, तभी इस महंगाई में जी पाएंगे.

मुश्किल से घर चला रही है मां : तृप्ति

अन्नदा कॉलेज की छात्रा तृप्ति कहती हैं कि इस महंगाई से घर चलाना आसान नहीं रह गया है. वह चार भाई-बहनें हैं और मां पारा शिक्षिका हैं. पिता दिवंगत हो चुके हैं. इस महंगाई में मां मुश्किल से घर-परिवार चला रही हैं. कॉलेज आने-जाने में काफी खर्च हो जाता है. अब पांच किमी दूर पैदल ही कॉलेज जा रही हूं, तो दो पैसे की बचत हो रही है. आगे कैसे पार लगेगा, इसको लेकर परेशानी है. सब्जी की जगह चोखा खाकर संतोष करना पड़ रहा है. सप्ताह में दो दिन ही सब्जी खा रही हूं. देश में महंगाई रोकने के लिए सरकारी स्तर पर भी प्रयास किया जाना चाहिए.

गिरिडीह

रसोई का जायका बिगड़ गया है : प्रभात रंजन

आदर्श महाविद्यालय धनवार के छात्र प्रभात रंजन ने बताया कि इन दिनों महंगाई तेजी से बढ़ रही है. इससे खासकर मध्यम वर्गीय परिवार को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. घर चलाने वाले मुखिया काफी परेशान रहते हैं . घर में 1 महीने का राशन एक साथ आ जाता था लेकिन अब प्रत्येक दिन खाद्यान्न दुकान से लाना पड़ रहा है . हरी सब्जियों की कीमतें भी आसमान छू रही है. इस मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों में मूली की कीमतें 5 से 10 रुपए प्रति किलो हुआ करता था.

कीमत आसमान छू रही है : अमन कुमार

जमुआ प्रखंड के युवा अमन कुमार भदानी ने कहा कि मध्यम वर्गीय परिवार के लिए महंगाई अभिशाप बन चुकी है. दिनों दिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ती ही जा रही है. खाद्य सामग्री के साथ-साथ हरी सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही है. लोगों की आमदनी सीमित है लेकिन महंगाई बढ़ती ही जा रही है . बढ़ती महंगाई की चिंता मध्यम वर्गीय परिवार के सभी सदस्यों में स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है.

महंगाई ने बढ़ा दी है चिंता : शुभम भानु

गावां प्रखंड के शुभम भानु ने बताया कि पिछले कई वर्षों से महंगाई लगातार बढ़ रही है. खाद्य सामग्री और हरी सब्जियों को खरीद पाना मुश्किल होता जा रहा है. पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं को भी आवश्यकता अनुसार घर से खर्च नहीं मिल पा रहा है. परिवार के मुखिया यह समझ नहीं पा रहे हैं कि घर के लिए अनाज खरीदा जाए या पहले पढ़ने वालों छात्र-छात्राओं की जरूरतें पूरी की जाए . उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से लोग बहुत ही ज्यादा परेशान हैं.

हर समान की कीमत बढ़ी है : मो. समसुल

बेंगाबाद के मो. समसुल हक ने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है . खाद्य सामग्री और हरी सब्जियों के साथ-साथ अन्य सामानों की भी कीमतें तेजी से बढ़ रही है. वर्तमान समय में आमदनी और खर्च का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया है. लोग पौष्टिक आहार के बजाय रुखा सुखा खाने को विवस है. ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों की थाली से भी हरी सब्जियां गायब हो गई है . महंगाई नियंत्रित करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार को कारगर पहल करनी चाहिए.

धनबाद

पढ़ाई का खर्च कैसे वहन होगा : रविकांत

बीबीएमकेयू के बीएड छात्र रवि कांत मंडल ने कहा कि खाद सामग्री में लगातार हो रही वृद्धि से छात्र काफी परेशान है .उन्हें यह चिंता सता रही है कि उनके अभिभावक उनकी पढ़ाई का खर्च कैसे वहन करेंगे .क्योंकि कई ऐसे छात्र भी है जो अपनी पढ़ाई दूसरे राज्य में भी कर रहे है.सरकार को इस पर जल्द संज्ञान लेना चाहिए. अगर इसी तरह महंगाई बढ़ती गई तो आनेवाले दिनों में लोगों को घर चलाना मुश्किल हो जाएगा.

पढ़ाई पर बुरा असर पड़ता है : नेहा रानी

झरिया की रहने वाली यूजी पोलटिकल साइंस ऑनर की छात्रा नेहा रानी ने कहा कि बढ़ती महंगाई के अनुसार अभिभावक की इनकम नहीं बढ़ने से पढ़ाई पर बहुत बुरा अशर पड़ता है .इससे बच्चों की भविष्य अधर में लटक सकती है .क्योंकि अभिभावक सिर्फ बच्चों की पढ़ाई की चिंता ही नही करते है उन्हें अपने मंथली पेमेंट से घर की सारी जरूरतें भी पूरी करनी पड़ती है . सरकार को महंगाई इस पर नियंत्रण करना चाहिए.

अभिभावकों की चिंता बढ़ी : निशांत कुमार

निशांत कुमार पी के रॉय कॉलेज के छात्र हैं. उनका कहना है कि महंगाई की मार से छात्र भी अछूते नहीं हैं .इस महंगाई में अभिभावक को ट्यूशन,स्कूल और कॉलेज तक की फीस देना मुश्किल हो गया है. अभिवावक को यह चिंता सता रही है कि वह बच्चे की भविष्य के बारे मे सोचे या इस महंगाई में परिवार का भरण पोषण करे. इसलिए बहुत जरुरी है कि सरकारी स्तर पर महंगाई रोकने की दिशा में प्रयास किया जाना चाहिए.

लातेहार

महंगाई के कारण कमर टूट गयी है: अमित

कचहरी परिसर में कंप्यूटर टाइपिंग करने वाले अमित कुमार ने कहा कि महंगाई के कारण लोगों की कमर टूट गयी है. सब्जियां समेत अन्य सभी खाद्य पदार्थों की कीमतों में आग लगी है. मध्यम वर्गीय लोगों को इस महंगाई में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. खास कर दैनिक वेतनभागी व रोज कमाने खाने वाले लोगों के समक्ष मुश्किलें बढ़ गयी है. कमाई का एक बड़ा हिस्सा महंगाई की भेंट चढ़ जा रही है.

सरकार को लगाम लगानी चाहिए : पुरूषोत्तम

कचहरी परिसर में चाय बेचने वाले पुरूषोत्तम अग्रवाल ने कहा कि खाने पीने के अलावा दूध की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हो गयी है. पिछले साल जो दूध 40 से 45 रूपये लीटर बिकता था आज उसकी कीमत 55 से 60 रूपये प्रति लीटर हो गयी है. इसी प्रकार चायपत्ती भी महंगी हो गयी है. दूध व चायपत्ती की कीमत बढ़ने से चाय भी महंगी हो गयी है, इस कारण मुनाफा कम हो गया है. सरकार को महंगाई पर लगाम लगाने की जरूरत है.

खाने पीने की चीजों के दाम कम हो : जीतेंद्र

कचहरी में अधिवक्ता मुंशी का काम करने वाले जीतेंद्र ने कहा कि खाने पीने एवं रोजमर्रा के सामान के मूल्य कम होने चाहिए. इसके बिना आदमी की दैनिक जरूरतें पूरा नहीं होती है. ऐसे में इन सामानों के दाम बढ़ने से आम लोग खासे परेशान है. जिस अनुपात में महंगाई बढ़ रही है, उस अनुपात में आमदनी नहीं है. आज बाजार में हर चीज की कीमत आसमान छू रही है. सब्जियों के दाम तो सबसे अधिक बढ़े हैं. लोगों को प्याज रूला रहा है.

ब्रीफ खबरें

आसनसोल-आनंद विहार स्पेशल का फेरा बढ़ा

धनबाद । आसनसोल-आनंद विहार पूजा स्पेशल ट्रेन का फेरा बढ़ गया है. यात्रियों की सुविधा के लिए यह ट्रेन अब अप में 24 और डाउन में 25 नवंबर तक चलेगी. रेलवे सूत्रों के अनुसार नियमित ट्रेनों में छठ पूजा तक काफी भीड़ होने और वेटिंग लिस्ट लंबी होने के कारण स्पेशल ट्रेनों का फेरा बढ़ाया गया है. ट्रेन संख्या 03575 आसनसोल-वाराणसी पूजा स्पेशल 10, 17 व 24 नवंबर को आसनसोल से सुबह 10:15 बजे खुलेगी, जो धनबाद 11:35 बजे रुकते हुए कोडरमा-गया.पंडित दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज के रास्ते गोविंदपुरी होकर आनंद विहार दूसरे दिन सुबह 08:05 बजे पहुंचेगी. वापसी में ट्रेन नंबर 03576 आनंद विहार-आसनसोल स्पेशल 11, 18 व 25 नवंबर को आनंद विहार से 11:55 बजे खुलेगी, जो दूसरे दिन सुबह 09:00 बजे धनबाद और आसनसोल 10:20 बजे पहुंचेगी.

टाटा स्टील में गुणवत्ता माह 2023 की शुरुआत

जमशेदपुर । टाटा स्टील नवंबर में 'टूवाड्र्स गेम्बा फोकस्ड एक्सीलेंस' थीम के साथ गुणवत्ता माह मना रही है. गुणवत्ता माह की शुरुआत गुरुवार को कंपनी के सीईओ और एमडी ऑनलाइन के दौरान की गई. गुणवत्ता माह के तहत महीने भर कई गतिविधियों के आयोजन की योजना है. इसमें थीम आधारित कर्मचारी सहभागिता गतिविधियां जैसे कार्यस्थल में सुधार लाने के लिए सुझाव अभियान, क्विज और अन्य प्रतियोगिताएं, ग्राहकों और वेंडर पार्टनर्स के साथ इंटरैक्टिव सत्र, कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि शामिल है.

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

पीरटांड़। गिरिडीह-डुमरी मुख्य पथ के पीरटांड़ थाना क्षेत्र के पाण्डेयडीह यात्री शेड के पास भीषण सड़क दुर्घटना में एक अज्ञात व्यक्ति की मौत घटना स्थल पर ही हो गई. हालांकि मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. घटना की सूचना मिलते ही पीरटांड़ थाना प्रभारी गौरव भगत सदल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और शव को आपनें कब्जे में लेते हुए अस्पताल भेज दिया एवं बाइक को जब्त कर थाने ले गए. खबर लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पाई.

ईसाई समुदाय ने श्रद्धा से मनाया कब्र पर्व

महुआडांड़ (लातेहार)। कब्र पर्व को लेकर ईसाई समुदाय के लोगों ने दिन गुरुवार को विशेष प्रार्थना किया. ऑल सोल डे (कब्र पर्व) को लेकर प्रखंड के ईसाई समुदाय के लोगों ने कब्रिस्तान में विशेष प्रार्थना का आयोजन किया. प्रखंड के अंबवा टोली, गुड़गु टोली, विश्रामपुर, गोठगांव, साले, रेगाई, चटकपुर के कब्रिस्तान समेत चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया. इस दौरान मृत परिजनों को याद करते हुए कब्रिस्तान में फादर कमल कंडुलना के द्वारा मिस्सा पूजा कराई गई.

सेवानिवृत्त पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी को दी विदाई

महुआडांड़ (लातेहार)। महुआडांड़ थाना परिसर में गुरुवार को सेवानिवृत्त अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुजूर के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया. प्रखंड विकास पदाधिकारी अमरेन डांग ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजेश कुजूर के कार्यकाल की प्रशंसा की. थाना प्रभारी आशुतोष यादव ने डीएसपी राजेश कुजूर के साथ बिताए हुए पलों को याद करते हुए बताया कि पहली बार थाना प्रभारी बनाए जाने के बाद उनसे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला. वे हमेशा लॉ एंड ऑर्डर को संतुलित बनाए रखने के लिए सही मार्गदर्शन करते रहे.

योग्य मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ें : डीसी

देवघर । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी विशाल सागर की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर समाहरणालय सभागार में बैठक की गई. डीसी ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के आलोक में घर-घर सर्वे में प्राप्त डाटा के अनुसार जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनका मृत्यु प्रमाण पत्र संबंधित रजिस्ट्रार से बनाने के अलावा बीएलओ के माध्यम से सत्यापन करते हुए फॉर्म 7 के माध्यम से मतदाता सूची से नाम हटाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया.

खाद्य आपूर्ति विभाग को पत्र लिखकर मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई करने को कहा

राशन कार्ड आवेदन रिजेक्ट होने के मामले में आयोग ने लिया संज्ञान

शुभम संदेश इंपैक्ट

संवाददाता । रांची

हिंदी दैनिक शुभम संदेश की खबर का एक बार फिर असर हुआ है. लातेहार में जाति प्रमाण पत्र के बिना जमा हुए राशन कार्डों के आवेदन को रिजेक्ट किये जाने के मामले में झारखंड राज्य खाद्य आयोग ने संज्ञान लिया है.

आयोग ने खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामले विभाग को पत्र लिखकर मामले की जांच करने और दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. 31 अक्टूबर को शुभम संदेश में जाति प्रमाण पत्र के बगैर नहीं बनेगा राशन कार्ड शीर्षक से एक खबर छपी थी, जिसमें झारखंड में खाद्य सुरक्षा कानून की खुलेआम उल्लंघन के मामले को सामने लाया गया था. खबर में बताया गया था कि कैसे राशन कार्ड के लिए आये आवेदनों को निपटाने के लिए पदाधिकारियों ने नया तरीका खोजा है.

अधिकारी बता रहे कास्ट सर्टिफिकेट जरूरी, मंत्री बोले- जरूरी नहीं

जाति प्रमाण पत्र के बगैर नहीं बनेगा राशन कार्ड

3 महीने में 145 राशन कार्ड रिजेक्ट हुए हैं

लातेहार जिला में पिछले 3 महीना में ऑनलाइन किए गए 310 में से 241 राशन कार्ड आवेदन को रिजेक्ट कर दिया गया है. 241 में से 145 राशन कार्ड आवेदन प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों द्वारा जाति प्रमाण पत्र नहीं होने का कारण बताकर रिजेक्ट कर दिया गया है. रिजेक्ट किए गए आवेदनों में से 10 आवेदन आदिम जनजाति परिवारों के, 115 आवेदन आदिवासी परिवारों के एवं 17 आवेदन दलित परिवारों के हैं.

आवेदन के लिए जाति प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं

झारखंड राज्य खाद्य आयोग ने खाद्य आपूर्ति विभाग को लिखे अपने पत्र में कहा है कि लातेहार जिला के बालूमाथ, लातेहार, महुआडांड, गारू और बरियातु प्रखंड में कुल 145 राशन कार्ड संबंधी आवेदन जाति प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण रिजेक्ट कर दिये गये हैं, जबकि पीडीएस कंट्रोल ऑर्डर 2022 के मुताबिक नया राशन कार्ड के लिए आवेदन में जाति प्रमाण पत्र संलग्न किये जाने का कोई प्रावधान नहीं है. जाति प्रमाण पत्र के नहीं होने पर आवेदनों को रिजेक्ट किया जाना काफी चिंताजनक है.

आओ जानें

झारखंड सामान्य ज्ञान

- नगर उंटारी स्थित वंशीधर मंदिर का मंदिर का निर्माण किसने कराया ? –महारानी शिवमणि कुंवर
- माघी मेला किस नदी के किनारे लगता है ? –गंगा नदी
- किस ग्रंथ से सिंहवंशियों का इतिहास पता चलता है ? –वंश प्रभा लेख
- खखपरता शिव मंदिर किस जिले में है ? –लोहरदग्गा
- झारखंड के किस नृत्य में महिलाएँ कलश लेके नृत्य करती है ? –करसा
- चेतन जोशी किस वाद्ययंत्र के प्रसिद्ध वादक है ? –बांसुरी
- बिरसा मुंडा ने किसे उलगुलान में धार्मिक प्रधान बनाया ? –सोमा मुंडा
- वनचरीजोर गांव का संबंध किस विद्रोह से है ?
- –तिलका विद्रोह
- बिंझिया जनजाति में वधुमूल्य को क्या कहा जाता है ? –डाली कटारी
- झारखण्ड में ग्लाइडर फ़्लाइंग अकादमी कहाँ है ? –दुमका

राजभवन फिर एक्शन में : दोनों पर विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया

बीबीएमकेयू के पूर्व रजिस्ट्रार व सीसीडीसी को हटाने का आदेश

भाषा । धनबाद

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में 13 अक्टूबर को पूर्व कुलपति प्रो शुकदेव भोई और 27 अक्टूबर वित्त सलाहकार (एफए) संजय कुमार वर्मा को भी पदमुक्त करने के बाद राजभवन ने तीसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नवंबर को पूर्व रजिस्ट्रार डॉ सुधीनता सिन्हा और सीसीडीसी डॉ एके मांझी को भी हटाने का आदेश जारी कर दिया है. पत्र में दोनों पर विभागीय कार्रवाई का भी निर्देश दिया है. और भविष्य में कभी भी कोई प्रशासनिक पद नहीं दिए जाने का भी आदेश दिया गया है. आदेश आने के बाद डॉ सुधीनता सिन्हा को प्रॉक्टर (वर्तमान पद) के पद से हटाकर साइकोलॉजी विभाग और सीसीडीसी डॉ एके माजी को हटाकर अर्थशास्त्र विभाग में भेज दिया गया है.

दोनों पर थे कई आरोप : बता दें कि तत्कालीन रजिस्ट्रार डॉ सुधीनता सिन्हा पर डोनर और स्पांसर फंड को लेकर अनुमति देने, उस एकाउंट में साइनिंग ऑथोरिटी बनने सहित कई आरोप हैं. वहीं, सीसीडीसी डॉ एके माजी पर कैंटीन आवंटन, मनमाने तरीके से टेंडर प्रकिया पूरा करने सहित कई आरोप लगे थे. जांच की जद में आये सभी अधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है. अब केवल तत्कालीन एफओ डॉ मुनमुन शरण बचे हैं. हालांकि उनका टर्म पूरा हो चुका है.

वीसी सहित अन्य अधिकारियों पर गंभीर आरोप

विवि के पूर्व कुलपति प्रो शुकदेव भोई सहित अन्य तीन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं. जिसमें बिना टेंडर प्रक्रिया के विवि कैंपस में अस्थाई कैंटीन आवंटित करना, बिना उचित प्रक्रिया खुले बाजार में उत्तरपुस्तिकाओं को बेचना, बड़े पद और तबादलों के लिए डोनेशन, एक वर्ष के कार्यकाल में प्राचार्यों व शिक्षकों के लगभग 50 तबादले, बिना टेंडर प्रक्रिया के निजी एजेंसी से विवि में मैनपावर सप्लाई, बिना जरूरी प्रक्रिया के बड़े पैमाने पर सामानों की खरीदारी सहित अन्य मामले शामिल हैं. बता दें कि इन मामलों को लेकर 18 जुलाई को राजभवन की टीम ने विश्वविद्यालय में जांच की थी और अधिकारियों से पूछताछ के बाद कई दस्तावेज जब्त किए थे.

मूल प्रमाण पत्र के लिए 6 से करें आवेदन

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) के परीक्षा विभाग ने स्नातक सत्र 2018-21, स्नातकोत्तर सत्र 2019-21, बीएड सत्र 2019-21, एमएड सत्र 2019-21, एलएलबी सत्र 2017-20 और 2018-21 तथा एमबीबीएस सत्र 2020-21 में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को दीक्षांत समारोह के तहत मूल प्रमाण पत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि जारी कर दी है. विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से 6 से 30 नवंबर तक ऑनलाइन माध्यम से आवेदन दे सकते हैं. आवेदन करते वक्त विद्यार्थियों को मैट्रिक का पासिंग सर्टिफिकेट, संबंधित कोर्स पूरा करने का मार्कशीट, आधार कार्ड और एलएलबी और एमबीबीएस के विद्यार्थियों के लिए 650 रुपए जमा करने का निर्देश दिया है.

बीबीएमकेयू में 7 से कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

धनबाद। बीबीएमकेयू में सात नवंबर को कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाएगा. यह जानकारी बीबीएमकेयू के पीआईओ डॉ अजय कुमार ने दी. उन्होंने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट में ग्लेनमार्क लाइफ साइंस नामक मल्टीनेशनल कंपनी भाग लेगी. कैंपस प्लेसमेंट में बीबीएमकेयू के अंतर्गत आने वाले सभी महाविद्यालयों के केमिस्ट्री विषय में फ्रेश ग्रैजुएट या पहले के पास आउट विद्यार्थी भाग ले सकते हैं. चयनित अभ्यर्थियों कंपनी में ट्रेनी पद पर बहाल होकर ऑफिसर, सीनियर ऑफिसर, एग्जीक्यूटिव, असिस्टेंट मैनेजर, सीनियर मैनेजर, डीजीएम और जीएम पद तक प्रोमोशन पा सकते हैं.

फ्रेंड्स क्लब टीम ने जगन्नाथपुर को हराया

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेले जा रहे एसआर रूंगटा बी-डिविजन लीग के अंतर्गत गुरुवार को खेले गए मैच में फ्रेंड्स क्लब चाईबासा ने एकतरफा मुकाबले में जगन्नाथपुर क्रिकेट क्लब को 99 रनों से पराजित कर अपना विजय अभियान शुरू किया. बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंडस क्लब की टीम ने विमलेश नाग एवं सुभाष जोंको की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत निर्धारित 30 ओवर में सात विकेट खोकर 243 रन बनाए. विमलेश नाग ने 12 चौकों व एक छक्का की मदद से 69 रन तथा सुभाष जोंको ने चार चौकों व पांच छक्कों की सहायता से मात्र 38 गेंदों पर 64 रन ठोक डाले. अन्य बल्लेबाजों में कार्तिकेय पाठक ने 45 नाबाद तथा विकेटकीपर बल्लेबाज वैभव गौर ने 24 रन बनाए.

विधायक ने किया फुटबॉल के फाइनल का शुभारंभ

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र की भूतिया पंचायत के अंतर्गत मांगरोशोल गांव में सिधु कान्हू क्लब द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि विधायक समीर कुमार मोहंती शामिल होकर फाइनल मैच का खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के उपरांत फुटबॉल पर किक मारकर निर्णायक मैच का शुभारंभ किया. वहीं, मैच के ऊपरांत विजेता तथा उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया. इसमें प्रथम पुरस्कार तुलीबर फुटबॉल टीम (पश्चिम बंगाल) 12,000 रु और ट्रॉफी तथा द्वितीय पुरस्कार कालापाथर फुटबॉल टीम 8,000 रु और ट्रॉफी प्रदान किया.

गर्भवती महिलाओं और बच्चों का नहीं हो रहा टीकाकरण

संवाददाता । किरीबुरु

नक्सल प्रभावित टोंटों प्रखंड के बुंडू पंचायत में एक भी एएनएम की नियुक्ति नहीं होने की वजह से पंचायत के विभिन्न गांवों की गर्भवती महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इसके अलावे विभिन्न रोगों से जुड़ी सरकारी टीकाकरण योजना का लाभ भी गांवों के बच्चों आदि को नहीं मिलता है. 2 नवम्बर को बुंडू गांव की 5 गर्भवती महिलाओं को सहायक मुंडा की पत्नी सुखमती पुरती मनोहरपुर प्रखंड के रोवाम गांव स्थित एक केन्द्र पर ले गई. इस केन्द्र पर मौजूद एएनएम द्वारा गर्भवती महिलाओं को तो टीका (सूई) दिया गया लेकिन जरूरी कार्ड नहीं बनाया गया. सुखमती पुरती ने बताया की रोवाम की एएनएम द्वारा कहा गया की हमें अपने प्रखंड क्षेत्र के मरीजों व गर्भवती महिलाओं के लिये सीमित दवाइयां व टीका दिया जाता है. आपको टोंटो प्रखंड की मेडिकल टीम व एएनएम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं का टीका संबंधित कार्ड व जरुरी दवाईयां मिलेगा. लेकिन दुख की बात यह है कि बुंडू पंचायत व गांव में कोई एएनएम आती हीं नहीं है तो हम सब स्वास्थ्य जांच व जरुरी दवाइयां लेने कहां जायें.

खास बातें

- गर्भवती महिलाओं को हो रही भारी परेशानी
- स्वास्थ्य केन्द्र की दूरी लगभग 60 किलोमीटर है

धनबाद सिटी एसपी पहुंचे झरिया थाना फाइलें खंगाली

झरिया । धनबाद सिटी एसपी अजित कुमार गुरुवार की दोपहर झरिया थाना पहुंचे. सिटी एसपी अजित कुमार के साथ सिंदरी एसडीपीओ अभिषेक कुमार भी थे. सिटी एसपी ने एक घंटे तक झरिया थाने में कई फाइलों की जांच की. पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर सिटी एसपी अजित कुमार ने बताया कि क्राइम मीटिंग के तहत विभिन्न थानों में पहुंचे थे. बलियापुर थाने के बाद झरिया थाना पहुंचा हूं. कौन अपराधी कहां है, किस हालात में रह रहा है,क्या कर रहा है, इस पर नजर रखी जा रही है. अपराधियों व कांडों की लिस्टिंग व मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि भविष्य में धनबाद में क्राइम न कर सके. व्यवसायियों को विश्वास दिलाने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है, ताकि वे भयमुक्त वातावरण में काम कर सकें.

5 दिनों से किशोर लापता, मां ने खोजने की लगायी गुहार

संवाददाता । बलियापुर

पलानी पंचायत अंतर्गत बैलगड़िया टाउनशिप के फेज 3 की रहने वाली लखन भुइयां की पत्नी पानो देवी (42) ने बलियापुर थाना में अपने 14 वर्षीय पुत्र आकाश भुइयां की गुमशुदगी का सन्हा दर्ज कराया है. मां पानो देवी द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार जब वे अपने पति के साथ मजदूरी कर वापस घर लौटे, तो उनका पुत्र आकाश भुइयां घर पर नहीं था. काफी खोजबीन के बावजूद उसका कही कोई पता नहीं चल पाया. इसके बाद पानो देवी ने बलियापुर थाना में अपने बेटे की गुमशुदगी का सन्हा दर्ज कराया. पानो देवी के अनुसार आकाश भुइयां शनिवार 28 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे ही घर से निकला था. वह ब्लू टी-शर्ट व जीन्स पहने हुए है और उसका रंग सांवला है. उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है.

खास बातें

- आकाश भुइयां ब्लू टी-शर्ट व जींस पहने हुए है
- खोजबीन के बावजूद युवक का कुछ पता नहीं चल पाया

कार्रवाई श्रम कार्यालय ने विभिन्न 361 मोबाइल टावरों के लिए 1.26 करोड़ वसूली के आदेश दिए

मोबाइल टावर कंपनियों से होगी एक करोड़ से अधिक की वसूली

संवाददाता । हजारीबाग

हजारीबाग के मोबाइल टावर कंपनियों से एक करोड़ से अधिक की वसूली होगी. इसके लिए श्रम विभाग कार्यालय ने कार्रवाई का आदेश दिया है. विभिन्न कंपनियों के 361 मोबाइल टावर के लिए एक करोड़ 26 लाख 35 हजार रुपए वसूलने का आदेश दिया गया है.

इन कंपनियों के हैं टावर : हजारीबाग जिला अंतर्गत विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस जिओ इंफ्राटेल प्राइवेट लिमिटेड, एटीसी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड, सुमित डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, रिलाइंस जिओ इन्फोकॉम लिमिटेड, भारती इंफ्राटेल लिमिटेड और इंडस टावर लिमिटेड के टावर काम कर रहे हैं.

न श्रम विभाग को दी गई सूचना, न जमा की राशि : जिले में टावर लगाने की किसी भी तरह की सूचना हजारीबाग के श्रम विभाग को नहीं दी गई है. श्रम विभाग ने जब इसकी जांच-पड़ताल की, तो पाया गया कि निर्माण लागत की कुल 1% राशि भवन व अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम 1996 के अंतर्गत विभाग या बोर्ड के खाते में जमा नहीं की गई. न ही इसकी सूचना स्थानीय श्रम कार्यालय को दी गई. इस पर जिले मे कार्यरत प्रभारी सहायक श्रमायुक्त (कृषि श्रमिक), हजारीबाग ने सभी कंपनियों को नोटिस निर्गत किया. किसी भी कंपनी ने उपकर राशि बोर्ड के खाते में जमा करने की सूचना नहीं दी. इस कारण सभी कंपनियों पर निर्माण लागत की 1% राशि बोर्ड के खाते में जमा करने का आदेश कार्यालय से पारित किया गया.

किस कंपनी से होगी कितनी वसूली

प्रभारी सहायक श्रमायुक्त (कृषि श्रमिक), हजारीबाग अनिल कुमार रंजन ने बताया कि विजन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड पर दो लाख दस हजार, रिलायंस जिओ इंफ्राटेल प्राइवेट लिमिटेड पर 14 लाख 35 हजार, एटीसी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध 15 लाख 75 हजार, सुमित डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के विरुद्ध 10 लाख 85 हजार, रिलाइंस जिओ इन्फोकॉम लिमिटेड के विरुद्ध 40 लाख 25 हजार, भारती इंफ्राटेल लिमिटेड के विरुद्ध 25 लाख 20 हजार और इंडस टावर लिमिटेड के विरुद्ध 17 लाख 85 हजार रुपए झारखंड भवन व अन्य सन्निर्माण कल्याण निधि के बैंक खाता में जमा करने के लिए आदेश पारित किया गया है.

राशि जमा नहीं करने पर दायर होगा नीलाम पत्र वाद

संबंधित कंपनियों की ओर से 30 दिनों के अंदर राशि जमा नहीं की जाती है, तो उनके विरुद्ध जिला नीलम पत्र पदाधिकारी, हजारीबाग के न्यायालय में राशि वसूली के लिए नीलाम पत्र वाद दायर किया जाएगा. जिले के प्रभारी सहायक श्रमायुक्त (कृषि श्रमिक) अनिल कुमार रंजन ने बताया कि किसी भी निर्माण कार्य के लिए निर्माण लागत का 1% सेस (उपकर) की राशि बोर्ड के खाते में जमा कर इसकी सूचना श्रम विभाग या कार्यालय को दिया जाना आवश्यक है. अगर ऐसा नहीं किया जाता है, तो संबंधित नियोजक के विरुद्ध 2% ब्याज सहित राशि की वसूली करने की कार्रवाई की जा सकती है.

पेज 1 का शेष ...

जब बुरे दिन आते हैं साथ न देता कोई

मैंने दर्शन को अपना लॉगिन-पॉसवर्ड इसलिए दिया था, ताकि उनका कोई कर्मचारी मेरे सवाल टाइप कर दे. लेकिन बिना मेरी जानकारी के कोई सवाल अपलोड नहीं किया जा सकता था और यह भी कि मैंने दर्शन से पैसे या महंगे गिफ्ट नहीं लिये. हां, उन्होंने मुझे कुछ तोहफे जरूर दिये थे. और जब मैं मुंबई या दुबई जाती थी, तो हीरानंदानी एक कार की व्यवस्था जरूर कराते थे. महुआ ने माना है कि उन्होंने निजी मित्र चुनने में गलती की है. इसके विपरीत हीरानंदानी का कहना है कि वह महुआ के देसी-विदेशी दौरों का खर्च भी उठाते थे. इसके एवज में अपना काम कराते थे.

अब सवाल यह उठता है कि क्या कोई सांसद अपना लॉगिन-पासवर्ड किसी दूसरे को दे सकता है ? नहीं, हरगिज नहीं. एनआईसी के एक सर्कुलर के अनुसार सांसदों को दिया गया लॉगिन-पासवर्ड गोपनीय होता है. वह अहस्तांतरणीय होता है और उसे हर तीन महीने बाद बदल दिया जाना चाहिए. निशिकांत दुबे ने भी इसकी तस्दीक की है. फिर महुआ ने हीरानंदानी को अपना पासवर्ड क्यों दिया, जो गौतम अडाणी के व्यावसायिक प्रतिद्वंद्वी हैं ? क्या महुआ के पास कोई पर्सनल असिस्टेंट या स्टाफ नहीं है, जो उनके सवाल टाइप कर अपलोड कर सके ? क्या सभी सांसद किसी व्यवसायी, उद्यमी या निजी कंपनियों से अपने सवाल टाइप या अपलोड कराते हैं ? इन सवालों के जवाब देना महुआ के लिए आसान नहीं होगा. वैसे भी महुआ आजादमिजाजी और दिलेर हैं. वह विदेश में पढ़ी-लिखी हैं. बैंकर रही हैं. उन्हें शानो-शौकत की जिंदगी पसंद है. उन्हें महंगे होटलों और क्लबों में जीवन की सार्थकता नजर आती है. जिन्हें नाक-भौं सिकोड़ना हो, सिकोड़ें, लेकिन महंगे व्यवसनों के लिए पापड़ तो बेलने ही पड़ते हैं. लेकिन हीरानंदानी ने अपने एफिडेविट में और भी बहुत कुछ कहा है. उनमें से एक है-महुआ के सरकारी आवास का रेनोवेशन. सांसदों, मंत्रियों के सरकारी आवासों की मरम्मत का काम सीपीडब्ल्यूडी करता है, न कि कोई प्राइवेट बिल्डर या व्यवसायी. खैर इस मामले की जांच हो रही है. गृह मंत्रालय और आयकर विभाग उनके विदेश दौरों, हॉली डे आदि के खर्चों तथा आय के मामलों की जांच करा रहा है. सच सामने आएगा. परंतु इतना तय है कि ज्यादा सयाने लोग जब घिरते हैं, तो उनके साथ हमदर्दी जतानेवाले किनारा कर लेते हैं. जिस ममता बनर्जी को महुआ अपनी मां बता रही हैं, उन्होंने इस मामले में मौन साध रखा है. डेरेक ओब्रायन ने भी सिर्फ इतना कहा है कि एथिक्स कमिटी की रिपोर्ट आने के बाद ही पार्टी कुछ कहेगी. विचारणीय यह भी है कि जब कोई मामला संसद की कमिटी के विचाराधीन हो, तब क्या किसी आरोपी को उस मामले में मीडिया में सफाई देनी चाहिए ? क्या इसे संसद की तौहीन नहीं समझा जाना चाहिए ? आलम यह है कि उन्हें चढ़ाने भड़काने वाले तथाकथित बुद्धिजीवी गैंग से लेकर एलीट और हांकू गिरोह में से कोई आज उनके साथ नहीं है. किसी शायर ने ठीक ही कहा है-

जब बुरे दिन आते हैं, साथ न देता कोई
मौत के समय आंख खुद उलट जाती है.

इस मामले में लाख टके का सवाल यह है कि क्या सांसद अपना लॉगिन-पासवर्ड किसी को भी देकर देश की सुरक्षा, संप्रभुता और संसद की पवित्रता, सर्वोच्चता को खतरे में डाल सकते हैं ? क्या महंगे तोहफों, सहूलियतों, पैसों तथा उपकारों के लिए हमारे सांसद जनता का भरोसा तोड़ने में भी संकोच नहीं करेंगे ? ध्यान रहे इसी तरह के मामले में 2005 में दस सांसदों की सदस्यता जा चुकी है. तब स्पीकर थे सोमनाथ चटर्जी, जो किसी तरह की मुरव्वत के हक में नहीं थे. वर्तमान स्पीकर से भी उसी तरह की कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि -

नयी हवाओं की सोहबत बिगाड़ देती है, खुली छत परिंदों को बिगाड़ देती है
गुनाह करनेवाले उतने बुरे नहीं होते, अदालत सजा न देकर बिगाड़ देती है.

सवाल यह है कि महुआ की मेंबरी जाएगी या बचेगी और टीएमसी उन्हें दोबारा टिकट देगी या नहीं ?

वन अधिकार का पट्टा...

वन और वन पट्टों से जुड़े कुछ फैक्ट

- - 2011 की जनगणना की मानें, तो राज्य में आदिवासियों की संख्या 26-27 प्रतिशत है, जो कि इधर बीते 10 सालों में बढ़ी ही है. वहीं सूबे में जंगलों का प्रतिशत भी बढ़ा है. फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया 2017-19 की रिपोर्ट में झारखंड में 0.25 प्रतिशत जंगलों का प्रतिशत 2015-17 की तुलना में बढ़ा है.
- - झारखंड का भौगोलिक क्षेत्र 79,716 वर्ग किमी है, जिसमें वन क्षेत्र 23,611.41 वर्ग किमी है और कुल क्षेत्रफल का 29.62 प्रतिशत राज्य में जंगल है.
- -झारखंड वन अधिकार मंच के सर्वे के अनुसार राज्य के 14 हजार गांव ऐसे हैं, जहां एफआरए के तहत लोगों का दावा बनता है. सिर्फ एसटी, एससी को मिला लेंगे तो ये 50 लाख हैं. मगर अब तक केवल 60 हजार ही लोगों को वन पट्टा मिला है. झारखंड जैसे स्टेट में, ट्राइबल का जीवन जंगलों पर निर्भर है. जंगल उनकी आजीविका का मुख्य स्त्रोत है.
- -वन अधिकार कानून के पूरे देश में अप्रैल 2018 तक 1 लाख 9 हजार 30 (105363 व्यक्तिगत, 3667 समुदायिक) वन पट्टा के आवेदन प्राप्त हुए. केवल झारखंड के तकरीबन 28 हजार आवेदन रद्द हुए. शेष आवेदनों पर झारखंड एससी-एसटी, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा समाज कल्याण विभाग की मानें तो दिसंबर 2019 तक करीब 61 हजार लोगों को ही वन अधिकार कानून के तहत वन पट्टा दिया गया है.

'रात में किससे बात करती थीं'...

कमेटी के सदस्य दानिश अली ने दावा किया कि उनसे (महुआ मोइत्रा) ये पूछा जा रहा था कि रात में किससे बात होती थी. कौन किसके साथ बात करता है, क्या बात करता है...ये सब पूछे जा रहे थे. महिला से अनैतिक सवाल किए जा रहे थे.चीरहरण कर रहे थे. कांग्रेस सांसद और समिति के सदस्य एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बैठक से वॉकआउट करने के बाद कहा, हमें आचार समिति के अध्यक्ष द्वारा मोइत्रा से पूछे गए सवाल अशोभनीय और अनैतिक लगे. वहीं लोकसभा की आचार समिति के अध्यक्ष विनोद सोनकर ने आरोपों को खारिज किया है. इससे पहले मोइत्रा ने अपने खिलाफ लगाए गए ''रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने'' के आरोपों पर खुद को निर्दोष बताया. उन्होंने समिति को बताया कि यह आरोप वकील जय अनंत देहाद्रई की दुश्मनी से प्रेरित है, क्योंकि उन्होंने उनके साथ अपने निजी संबंध तोड़ दिए थे. बैठक में उन्हें कांग्रेस सदस्य उत्तम कुमार रेड्डी और बसपा के दानिश अली सहित कुछ विपक्षी सांसदों का समर्थन मिला.

निशिकांत दुबे क्या बोले

गोड्डा सांसद और महुआ मोइत्रा पर व्यापारी दर्शन हीरानंदानी से पैसे लेकर सवाल करने का आरोप लगाने वाले निशिकांत दुबे ने कहा कि ये संसद के इतिहास सबसे काला दिन है. मोइत्रा लिपस्टिक मांगती हैं, तो उनसे वो ही पूछा जाएगा.

ब्रीफ खबरें

चोरी की बाइक के साथ महिला धंधेबाज पकड़ाई

किशनगंज । चोरी के पल्सर मोटरसाइकिल सहित मादक पदार्थ बेचने वाली एक महिला धंधेबाज को गिरफ्तार किया गया है. महिला के खिलाफ 31 अक्टूबर को थाना में मामला दर्ज किया गया था. सरस्वती देवी जिला किशनगंज के घर पर पुलिस को शराब एवं मादक पदार्थ बेचने की सूचना प्राप्त हुई थी. जिसपर सूचना के सत्यापन हेतु पुलिस दल बल ने दस्तक दिया. छापेमारी के क्रम में सरस्वती देवी के पास से 35 ग्राम गांजा, तथा उसके घर के अंदर से ड्राम में छुपाकर 20 बोतल विदेशी शराब तथा गांजा/स्मैक बरामद हुआ है.

गोलीबारी की घटना मामले में 5 गिरफ्तार

भागलपुर । जिले में विक्रमशिला सेतु के नीचे गंगा दियरा क्षेत्र में हुई गोलीबारी की घटना मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले में उपरोक्त गठित टीम द्वारा नवगछिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, परबत्ता थाना, गोपालपुर थाना एवं ईस्माइलपुर थाना के सहयोग से बुधवार रात छापेमारी कर नवगछिया के परबत्ता थाना क्षेत्र से पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है. शेष की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जारी है. उल्लेखनीय है कि गोलीबारी की घटना के पीछे खेती करने और रंगदारी मांगने की बात प्रकाश में आई है.

गया में एक्यूआई लेवल बढ़कर 200 के पार

गया । गया जिले की हवा प्रदूषित हो गई है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है. गया शहर का एक्यूआई लेवल सामान्य से बढ़कर 200 से ज्यादा हो गया है. एक्यूआई लेवल का सामान्य आंकड़ा बढ़ने की मुख्य वजह पुराने डीजल के वाहनों का चलना और कचरों का सही तरीके से निष्पादन नहीं किया जाना है. स्थानीय लोगों की मानें तो उनका कहना है कि ग्रीन गया के दावे फेल हो रहे है, जो वायु प्रदूषण की मुख्य वजह में शामिल है. लोगों का कहना है कि निजी अस्पतालों से निकलने वाले कचरों को इधर-उधर फेंक दिया जाता है जिसके कारण प्रदूषण फैलता है.

कागज पर फूंक मारकर की शराबियों की जांच, भेजा जेल

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

शराबबंदी वाले बिहार में शराब पीने पर लोगों दंडित करने के प्रावधान के बीच एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसने शराबियों की पहचान के लिए किए जाने वाले परीक्षण की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है. वायरल वीडियो पूर्वी चंपारण जिले के रक्सौल अनुमंडलीय अस्पताल की बताई जा रही है. जिसमें शराबियों की पहचान के लिए डॉक्टर ब्रेथ एनलाइजर के जगह पेपर कोन का इस्तेमाल करते दिख रहे है. इतना ही नहीं उक्त डाक्टर के मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर जिला पुलिस ने 9 लोगों को शराबबंदी कानून के तहत जेल भी भेज दिया. यह पूरा मामला बीते 30 अक्टूबर की है,जिसका वीडियो 01 नवंबर से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया.

मिली जानकारी के अनुसार रक्सौल पुलिस ने 30 अक्टूबर को शराब पीने के आरोप में 11 लोगों को गिरफ्तार किया था. पुलिस टीम उन्हें मेडिकल जांच के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ले गई. जहां डॉक्टरों के पास अस्पताल में सांस-विश्लेषक उपकरण या रक्त परीक्षण उपकरण नहीं होने की स्थिति में आरोपियों से पेपर का कोन बनाकर बारी-बारी से फूंक मारने के लिए कहा गया और फिर पेपर को सूंघकर यह रिपोर्ट

अब वीडियो हुआ वायरल

तैयार कर दी कि पकड़े गये आरोपियों में 9 लोग नशे में है. फिर डॉक्टरों की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर रक्सौल पुलिस ने अपराधियों को उपमंडलीय अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

उल्लेखनीय है कि बिहार शराबबंदी कानून के नियमानुसार शराबियों को पकड़े जाने पर अधिकारियों को रक्त परीक्षण की रिपोर्ट जैसे वैज्ञानिक प्रमाण अदालत में पेश करना जरूरी होता है. क्योंकि मेडिकल रिपोर्ट में रक्त में अल्कोहल का प्रतिशत होना चाहिए. इस मामले में न तो ब्रेथ एनालाइजर रिपोर्ट और न ही ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष पेश की गई. वहीं अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि हमारे पास अल्कोहल परीक्षण करने के लिए ब्रेथ एनालाइजर या कोई अन्य बुनियादी ढांचा नहीं है. इसलिए हमारे डॉक्टरों ने अपराधियों का परीक्षण करने के लिए पेपर कोन का विकल्प चुना है.

रक्सौल पुलिस स्टेशन के एसएचओ नीरज कुमार ने कहा विभाग ने एक ब्रेथ एनालाइजर दिया है, लेकिन यह काम नहीं कर रहा है. संपर्क करने पर जिला सिविल सर्जन डॉ अंजनी कुमार सिंह ने कहा हमने वीडियो देखा है, जहां डॉक्टरों ने कागज से बने शंकु का उपयोग करके कथित रूप से नशे में लोगों का परीक्षण किया है. हमने इस उद्देश्य के लिए एक जांच समिति का गठन किया है. रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी.

आओ जानें

पौराणिक कथाओं में बागमती नदी

- **प्रह्लाद की तपस्या और शंकर के अट्टहास से उत्पन्न बागमती** : प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान विष्णु नृसिंह रूप धारण कर के हिरण्यकश्यप को मारने के बाद थक कर विश्राम करने के लिए हिमालय की ओर चले गए और मृगेन्द्र (सिंह) के रूप में वहां स्थित हुए.
- **शंकर के पशुपति स्वरूप की साक्षी बागमती** : बागमती से संबंधित एक दूसरी कथा भी स्कन्दपुराण में कही गयी है. कहते हैं कि हिमालय के दक्षिण भाग में एक अति प्रसिद्ध श्लेष्मान्तक वन था. वह जंगल नाना प्रकार के पेड़-पौधों-लताओं से भरा पड़ा था और उसमें फलों के वृक्ष भी प्रचुर मात्र में थे जिन पर बहुत से पक्षी निवास करते थे.
- **दैत्यों ने बांधी बागमती-देवताओं ने किया मुक्त** : कहते हैं कि चम्पकारण्य मण्डल में श्वेतका नाम की एक नगरी थी जो किसी भी मायने में इंद्र की राजधानी अमरावती से कम सुंदर और समृद्ध नहीं थी. वहां सूर्यकेतु नामक एक धर्मात्मा राजा राज करता था जो विष्णु का भक्त था.

सवा लाख शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र, खिले चेहरे

सीएम बोले-दो माह में इतने ही शिक्षकों की फिर होगी नियुक्ति

संवाददाता । पटना

बिहार लोक सेवा आयोग की अध्यापक भर्ती परीक्षा पास कर शिक्षक बने अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत गांधी मैदान में मंच पर उपस्थित मंत्रियों ने नियुक्ति पत्र बांटे. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले पटना की पूनम कुमारी को नियुक्ति पत्र दिया. इसके बाद अर्चना कुमारी, रवीशा सिंह, रीता कुमारी, कुमारी कुमकुम को नियुक्ति पत्र दिया गया। शुरुआती पांचों नियुक्ति पत्र महिला शिक्षिकाओं को मिले. इस मौके पर सीएम ने कहा कि बिहार में अगले दो महीने के अंदर 1.20 शिक्षकों की नियुक्ति होगी. उन्होंने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को इसका टास्क सौंपा. बिहार लोक सेवा आयोग की लिखित परीक्षा के द्वारा 1 लाख 20 हजार 336 शिक्षकों का चयन किया गया है, जिसमें चुने हुए 25 हजार शिक्षकों को पटना के गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है. शेष को अन्य जिलों में प्रभारी मंत्री दे रहे हैं. गांधी मैदान के इस कार्यक्रम से ऑनलाइन 35 जिले जुड़े हुए हैं, जहां प्रभारी मंत्री मौजूद हैं.

केके पाठक को टास्क सौंपा : मंच से ही सीएम नीतीश ने केके पाठक की ओर मुस्कुराते हुए पूछा कि अरे पाठक जी, हम तो चाहते हैं अगले दो महीने के अंदर एक लाख बीस हजार शिक्षकों की बहाली हो. आप शुरू करवा दीजियेगा ना? केके पाठक ने भी तुरंत हामी भर दिया. इस बीच नीतीश कुमार ने मंच पर बैठे हुए शिक्षा मंत्री की ओर देखा और कहा कि मंत्री जी, खड़ा होकर बोलिये, सहमत हैं ना? चंद्रशेखर ने भी मुस्कुराते हुए हां बोल दिया.

पहली बार इतनी बड़ी बहाली : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पहली बार देश के अंदर बिहार में बड़े पैमाने पर इतनी बड़ी बहाली हुई है. इस दौरान सीएम नीतीश ने मीडिया से कहा कि यह बात आप लो याद रखियेगा। केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए नीतीश ने कहा कि 50 हजार लोगों बहाली हुई, तो खूब छपा, लेकिन बिहार में एक साथ इतनी बड़ी भर्तियां हुई हैं तो कुछ नहीं छपेगा. उन्होंने कहा कि कुछ लोग आलोचना कर रहे हैं कि शिक्षक भर्ती में बाहरियों को बहाली हुई है.

25 हजार शिक्षकों को गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र दिया गया

कुल भर्ती में नई नियुक्ति कितनी है : उपेंद्र कुशवाहा

पटना। पटना में गुरुवार को बड़े पैमाने पर शिक्षक बहाली को लेकर नियुक्ति पत्र वितरण को लेकर आरएलजेडी प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने इसको लेकर एक्स पर पांच सवाल नीतीश सरकार से पूछे हैं. उन्होंने कहा कि कुल भर्ती में पूर्णत: नई नियुक्ति कितनी है? क्योंकि जो जानकारी मीडिया के माध्यम से हमलोगों तक पहुंच रही है उसके अनुसार 40 से 45 हजार नियोजित शिक्षकों को इसमें शामिल किया गया है. इसके बाद उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि बिहार के कितने युवाओं को इसमें रोजगार मिला? हमें प्राप्त जानकारी के अनुसार डोमिसाइल नीति नहीं लागू करने से 20 से 25 हजार अन्य राज्यों के युवाओं को इस भर्ती में नौकरी मिली है.

19 खेतिहर मजदूरों से भरी नाव पलटी, दो की मौत, सात लापता

छपरा । छपरा जिले के मांझी के मटियार में बुधवार देर शाम बड़ा नाव हादसा हो गया. यहां सरयू नदी में 19 खेतिहर मजदूरों से भरी नाव पलट गयी. दो लोगों (फुल कुमारी देवी व तारा देवी) का शव बरामद कर लिया गया. वहीं 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है. सात लोग अभी भी लापता है. स्थानीय गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन किया जा रहा है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि सभी खेतिहर मजदूर खेती करने के बाद नाव पर सवार होकर अपने-अपने घर के लिए लौट रहे थे. तभी अचानक सरयू नदी में नाव पलट गयी. सारण के डीएम अमन समीर ने घटना की पुष्टि की है.

सीएम नीतीश का कांग्रेस पर बड़ा हमला, बोले-

इंडिया गठबंधन में कांग्रेस पार्टी को कोई दिलचस्पी नहीं

संवाददाता । पटना

सीएम नीतीश कुमार ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है. नीतीश ने इंडिया गठबंधन पर पूछे गये सवाल पर कहा कि गठबंधन को लेकर कोई काम नहीं हो रहा है. कांग्रेस पार्टी इस पर ध्यान ही नहीं दे रही है. उसे तो इंडिया गठबंधन में कोई दिलचस्पी ही नहीं है. पार्टी तो पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव में व्यस्त है. इतना ही नहीं नीतीश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को विपक्षी एकता से भी कोई मतलब नहीं है.

देश का इतिहास बदलने में लगी है केंद्र की भाजपा सरकार : वहीं दूसरी तरफ सीएम ने खुद को सबको साथ लेकर चलने वाला बताया. नीतीश ने कहा कि हम सबको एकजुट करते हैं. सभी को साथ लेकर चलते हैं. हम लोग सोशलिस्ट हैं. सीपीआई से भी हमारा पुराना रिश्ता है. कम्युनिस्ट और सोशलिस्ट को एक होकर आगे चलना है. वहीं, नीतीश ने केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को देश से कोई लेना देना नहीं. ये लोग बस देश का इतिहास बदलना चाह रहे हैं. बीजेपी वाले बापू को भुलवाना चाह रहे हैं.

विराटनगर के पशुपति ज्वेलर्स में छापा

तस्करी के 20 किलो चांदी के आभूषण जब्त

संवाददाता । अररिया

जोगबनी सीमा पार विराटनगर महानगरपालिका वार्ड संख्या 11 स्थित पशुपति ज्वेलर्स प्रतिष्ठान गुरुवार को सरकारी निकाय की संयुक्त टीम ने छापेमारी में 20 किलो चांदी का आभूषण जब्त किया है. सरकारी निकाय की संयुक्त टीम ने चांदी के साथ स्वर्णाभूषण भी बरामद किए. जिसका प्रतिष्ठान मालिक द्वारा किसी तरह का कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया. मौके पर मौजूद अधिकारी ने बताया कि भारत से तस्करी कर सोने-चांदी के गहना एवं सामग्री बिक्री होने की गुप्त सूचना मिली थी. गुप्त सूचना के आधार पर विराटनगर स्थित प्रदेश पुलिस कार्यालय, जिला पुलिस कार्यालय मोरंग, वार्ड पुलिस कार्यालय, आंतरिक राजस्व कार्यालय, भंसार कार्यालय व जिला प्रशासन कार्यालय मोरंग की संयुक्त टीम के द्वारा छापेमारी की गयी. जिसमें विश्वजीत जाना के द्वारा संचालित पशुपति ज्वेलर्स में छापेमारी में भारत से तस्करी कर लाये गए सोने और चांदी के आभूषण बरामद किया गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार चांदी से बने पायल, ब्रासलेट,अंगूठी, दीया, लौटा, मूर्ति, टीकादानी सहित अन्य सामग्री एवं गहना बरामद हुआ है. इसमें कुछ सोने के भी गहना होने की बात कही गयी है. मौके पर मौजूद अधिकारी ने बताया की डब्बा सहित 5 बोरे में गहना भरा गया है. तौल के बाद ही सही अनुमान लगाया जा सकता है कि गहना कितना और कितने मूल्य का है. फिलहाल गहना को आवश्यक अनुसंधान एवं कार्यवाई के लिए विराटनगर भंसार कार्यालय में रखा जा रहा है.

कारोबार

टाटा 200 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति करेगी

नयी दिल्ली । व्यावसायिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स जम्मू-श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के लिए श्रीनगर और जम्मू में 12 साल तक 200 इलेक्ट्रिक बसों की आपूर्ति व संचालन करेगी. टाटा मोटर्स की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कंपनी ने समूह की कंपनी टीएमएल स्मार्ट सिटी मोबिलिटी सॉल्यूशंस (जेएंडके) प्राइवेट लिमिटेड के जरिए श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड को अल्ट्रा ईवी वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की पहली खेप की आपूर्ति की है. जिसमें बसों की आपूर्ति, रखरखाव तथा संचालन के बड़े ठेके के तहत की गई है.

ऑटोमोटिव ने आईपीओ के लिए मूल्य किया तय

नयी दिल्ली । वाहन उपकरण बनाने वाली कंपनी एएसके ऑटोमोटिव ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 268-282 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है. कंपनी के मुताबिक, आईपीओ सात नवंबर को खुलेगा और नौ नवंबर को बंद होगा. एंकर निवेशक छह नवंबर को बोली लगा पाएंगे. ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक और प्रोटीन ईगॉव टेक्नोलॉजीज के बाद नवंबर में आने वाला यह तीसरा आईपीओ होगा. 2,95,71,390 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है.

वेतन पैकेज में 40% की वृद्धि : अध्ययन

नयी दिल्ली । इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (गाजियाबाद) के प्रबंधन स्नातकों का औसत वेतन पिछले दो वर्षों की तुलना में 2022-23 भर्ती चक्र में 40 प्रतिशत तक बढ़ गया है. इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (गाजियाबाद) के आंतरिक अध्ययन के अनुसार 2022-23 भर्ती चक्र में पहली बार भर्ती करने वालों की संख्या कुल भर्ती करने वालों का 40 प्रतिशत रही. आईएमजी गाजियाबाद के निदेशक विशाल तलवार ने कहा, आईएमटी गाजियाबाद ने अपने छात्रों के लिए लगातार 100 प्रतिशत भर्ती का रिकॉर्ड बनाए रखा है.

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत दिये हैं

भारत इस साल भी विश्व की सबसे तेज इकोनॉमी बना रहेगा

एजेंसी । नई दिल्ली

दुनिया के कई देश इन दिनों अर्थव्यवस्था के मामले में संघर्षरत हैं या मंदी से उबरने में लगे हैं, लेकिन भारत अपनी गति से आर्थिक मोर्चे पर आगे बढ़ रहा है. जीएसटी से लेकर उद्योग जगत में अधिकतर क्षेत्रों में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है. अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन काफी बेहतर रही. वहीं कार कंपनियों की बिक्री में काफी तेजी आई. इस साल अब तक रेकॉर्ड 149 कंपनियों के आईपीओ आ चुके हैं. आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत इस साल भी दुनिया की सबसे तेज इकोनॉमी बना रहेगा. अभी भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकॉनमी है. जल्दी ही यह तीसरे नंबर पर पहुंच सकती है. दूसरी ओर चीन की इकोनॉमी संघर्ष कर रही है जबकि यूरोप एक बार फिर मंदी के साए में जी रहा है.

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दावा किया है कि चालू वित्त वर्ष दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े सभी को चौंका देंगे. उन्होंने कहा कि आर्थिक गतिविधियों की गति और कुछ शुरुआती संकेत इसका इशारा दे रहे हैं. दास ने कहा कि दुनिया में संघर्ष के नए केंद्र उभर रहे हैं जो न केवल भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए ग्रोथ को लेकर सबसे बड़ा जोखिम पैदा करते हैं. लेकिन ऐसी जोखिम भरी स्थितियों से निपटने के लिए भारत अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में है. उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य साल 2028 तक वर्ल्ड ग्रोथ में 18% तक योगदान देना है.

अक्टूबर में कारों की बिक्री रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई है. अक्टूबर में कारों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16% बढ़कर 3,91,472 यूनिट पर पहुंच गई, जो पिछले साल के इसी महीने में 3,36,679 यूनिट थी. अक्टूबर में देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घरेलू बाजार में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की. टू वीलर की बात करें तो हीरो मोटोकॉर्प ने अक्टूबर में सालाना आधार पर 26.5% बढ़ोतरी दर्ज करते हुए 5,74,930 वाहन बेचे. होंडा की बिक्री 10%, सुजुकी 14.4% और रॉयल एनफील्ड की अक्टूबर में बिक्री 2.68% बढ़ी. वहीं अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 13% बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया. इक्रा की चीफ इकनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार से जीएसटी संग्रह बढ़ा है. अक्टूबर 2023 में साल-दर-साल बढ़ोतरी की गति 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जो उत्साहजनक है.

इस साल सबसे ज्यादा आईपीओ भारत में आए

इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा आईपीओ भारत में आए हैं. ईवाई की एक स्टडी के मुताबिक सितंबर तक भारत में 149 आईपीओ लिस्ट हो चुके हैं. त्योहारी सीजन में यह आंकड़ा और बढ़ने वाला है क्योंकि इस महीने कई कंपनियों के आईपीओ खुलने वाले हैं. पिछले साल कुल 144 कंपनियों के आईपीओ आए थे. सितंबर तिमाही में 21 कंपनियां आईपीओ लेकर आईं और इनसे 1.7 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई. पिछली तिमाही में एसएमई सेगमेंट में भी काफी रौनक रही और कुल 48 कंपनियों ने 16.6 करोड़ डॉलर जुटाए. इस बीच दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी चीन की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है. रियल एस्टेट संकट के कारण पूरी इकॉनमी के डूबने का खतरा पैदा हो गया है. चीन की इकॉनमी में इस सेक्टर की करीब 30 फीसदी हिस्सेदारी है. सरकार ने इसमें जान फूंकने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं लेकिन अब तक उसे निराशा ही हाथ लगी है. देश के लोग पैसे खर्च करने के बजाय बचाने में लगे हैं जिससे कंज्यूमर स्पेंडिंग में गिरावट आई है. मांग कम होने से इकॉनमिक एक्टिविटीज कम हो गई हैं. इस बीच एक्सपोर्ट में भी गिरावट आई है और बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई है. रही-सही कसर अमेरिका के साथ तनाव ने पूरी कर दी है. उधर यूरोप में एक बार फिर मंदी की आशंका सिर उठा रही है. यूरोप की सबसे बड़ी इकोनॉमी वाले देश जर्मनी की जीडीपी में तीसरी तिमाही में गिरावट आई है. इससे यूरोप की इस साल के अंत में मंदी में फंसने की आशंका जताई जा रही है.

सुधार जारी

- भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है
- रिकॉर्ड 149 कंपनियों के आईपीओ आ चुके हैं

आरबीआई ने ग्राहकों को दी सहूलियत

डाक के जरिए 2,000 रुपये के नोट भेज सकते हैं लोग

एजेंसी । नयी दिल्ली

लोग अब अपने 2,000 रुपये के नोट अपने बैंक खातों में जमा कराने के लिए उन्हें बीमाकृत डाक के जरिए रिजर्व बैंक के निर्दिष्ट क्षेत्रीय कार्यालयों में भेज सकते हैं. यह उन लोगों के लिए एक आसान विकल्प है जो रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालयों से दूर रहते हैं. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के क्षेत्रीय निदेशक रोहित पी. ने कहा, हम ग्राहकों को सबसे सहज व सुरक्षित तरीके से उनके खाते में सीधे राशि जमा कराने के वास्ते बीमाकृत डाक के जरिए 2,000 रुपये के नोट आरबीआई को भेजने के लिए प्रोत्साहित करते हैं. यह उन्हें निर्दिष्ट शाखाओं तक यात्रा करने और कतार में खड़े होने की परेशानियों से बचाएगा.

उन्होंने कहा कि टीएलआर तथा बीमित पोस्ट, दोनों विकल्प अत्यधिक सुरक्षित हैं और जनता के मन में इन विकल्पों को लेकर कोई डर नहीं होना चाहिए. अकेले दिल्ली कार्यालय को अब तक करीब 700 टीएलआर फॉर्म मिले हैं. उन्होंने कहा कि आरबीआई अपने संचार में अपने कार्यालयों में विनिमय सुविधा के अलावा इन दो विकल्पों को फिर शामिल कर रहा है. आरबीआई ने 19 मई को 2,000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी. इन नोटों को बैंकों में जमा करने के साथ अन्य मूल्य वर्ग के नोटों से बदलने की सुविधा लोगों को दी गई थी. आरबीआई के मुताबिक, इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपये मूल्य के कुल नोट में से 97 प्रतिशत से अधिक नोट अब वापस आ चुके हैं. इन नोटों को बदलने या बैंक खातों में जमा कराने की समय सीमा पहले 30 सितंबर थी. बाद में यह समयसीमा सात अक्टूबर तक बढ़ा दी गई. बैंक शाखाओं में जमा और विनिमय दोनों सेवाएं सात अक्टूबर को बंद कर दी गई थीं.

समझौता 5 साल तक कच्चा माल लेने के लिए 63,000 करोड़ के समझौते पर हस्ताक्षर किए

गेल ने बीपीसीएल से कच्चा माल लेने के लिए किया समझौता

भाषा । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने महाराष्ट्र में अपने आगामी पेट्रोकेमिकल संयंत्र के लिए भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) से 15 साल तक कच्चा माल हासिल करने के लिए 63,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं.

गेल की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, 63,000 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमानित मूल्य वाले 15 साल के आपूर्ति अनुबंध के तहत गेल उरण में बीपीसीएल की एलपीजी आयात सुविधा से प्रति वर्ष 600,000 टन प्रोपेन खरीदेगी. वर्तमान में यह प्रति वर्ष 10 लाख टन एलपीजी आयात में सक्षम है

और प्रति वर्ष 30 लाख टन प्रोपेन तथा ब्यूटेन आयात को समायोजित करने के लिए विस्तार किया जा रहा.

बीपीसीएल की ओर से अलग से जारी एक बयान के अनुसार, बीपीसीएल और गेल के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग भारत की पेट्रोकेमिकल प्रगति को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है. यह न केवल दोनों संगठनों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि देश के संपन्न पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है.

अडाणी समूह ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया में शेष 51% हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी । नयी दिल्ली

उद्योगपति गौतम अडाणी के समूह ने क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी भी हासिल कर ली है. हालांकि, कंपनी ने लेनदेन के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया. अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसकी अनुषंगी कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने क्यूबीएमएल में शेष 51 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक शेयर खरीद समझौता पूर्ण किया है. क्यूबीएमएल व्यापार व वित्त समाचार डिजिटल मीडिया मंच बीक्यू प्राइम का संचालन करती है. एएमजी मीडिया ने इससे पहले क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया लिमिटेड (क्यूबीएमएल) में 47.84 करोड़ रुपये में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी. बीक्यू प्राइम को पहले ब्लूमबर्ग क्विंट के नाम से जाना जाता था, जो अमेरिका स्थित वित्तीय समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग मीडिया तथा राघव बहल के क्विंटिलियन मीडिया के बीच एक पूर्व संयुक्त उद्यम था. ब्लूमबर्ग पिछले साल मार्च में इस समझौते से बाहर हो गया था.

गोदरेज प्रॉपर्टीज का शुद्ध मुनाफा 66.80 करोड़ हुआ

एजेंसी । नयी दिल्ली

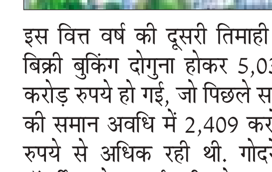

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 22 प्रतिशत बढ़कर 66.80 करोड़ रुपये रहा है. समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना से अधिक होकर 5,034 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है. इससे पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी ने 54.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था.

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर अवधि में उसकी कुल आय बढ़कर 605.11 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 369.20 करोड़ रुपये थी. इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 5,034 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 2,409 करोड़ रुपये से अधिक रही थी. गोदरेज प्रॉपर्टीज के कार्यकारी चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा, भारत में आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र पिछले दो वर्षों में बहुत मजबूत तथा जुझारू रहा है. हमारा मानना है कि रियल एस्टेट क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में मजबूत होता रहेगा. गोदरेज समूह की रियल एस्टेट इकाई गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से है.

युद्ध का असर कीमतों पर

पश्चिमी एशिया के संहारक हालात में तब्दील होते युद्ध के कारण तेल की कीमतें दोगुनी हो सकती हैं और इस कारण वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा हो सकता है. यह आशंका अर्थशास्त्र के विशेषज्ञ जैक डटन ने की है. इसके साथ ही वाशिंगटन स्थित बहुपक्षीय ऋणदाता विश्व बैंक ने अपने नवीनतम कमोडिटी मार्केट आउटलुक में स्थिति की तुलना 1973 के अरब तेल प्रतिबंध से की है. मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो सकती है, जो आज की कीमत से लगभग दोगुनी है और अगर यह जारी रहा तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा को खतरा होगा. विश्व बैंक ने सोमवार को चेतावनी दी कि इजराइल-हमास युद्ध बढ़ सकता है और कच्चे तेल से समृद्ध क्षेत्र के अन्य देश भी इसमें शामिल हो सकते हैं. विश्व बैंक ने कहा कि 1973 के अरब तेल बहिष्कार की तुलना में "एक बड़ा व्यवधान" आपूर्ति की कमी पैदा करेगा, जिससे तेल की कीमत 140 डॉलर और 157 डॉलर प्रति बैरल के बीच बढ़ जाएगी. संभवतः यह एक नया रिकॉर्ड साबित हो सकता है. पिछला रिकॉर्ड 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान 147 डॉलर प्रति बैरल था. विश्व बैंक ने चेतावनी दी कि एक "छोटा सा व्यवधान" भी कीमतों को 100 डॉलर प्रति बैरल तक वापस ला सकता है. ब्रेंट क्रूड सोमवार को 88 डॉलर के आसपास पहुंच गया, क्योंकि संघर्ष चौथे सप्ताह में पहुंच गया है.विश्व बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि तेल की कीमतों के बड़े झटके से निपटने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था 1970 के दशक की तुलना में "काफी बेहतर स्थिति" में है. लेकिन इसमें चेतावनी दी गई है कि मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने से और यूक्रेन रूस युद्ध के कारण मॉस्को पर पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण कमोडिटी बाजारों में व्यवधान बढ़ जाता है, इसका मतलब यह हो सकता है कि दशकों में पहली बार, वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक नए संकट का सामना करना पड़ सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि संघर्ष के प्रभाव को सीमित किया जाना चाहिए. 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल हमले के बाद से तेल की कीमतें लगभग 6% बढ़ गई हैं. न तो इजराइल और न ही फिलिस्तीनी क्षेत्र तेल का उत्पादन करते हैं, लेकिन इस आशंका के बीच कीमतें बढ़ी हैं कि संघर्ष कच्चे तेल उत्पादक देशों तक फैल सकता है और आपूर्ति में महत्वपूर्ण व्यवधान पैदा कर सकता है. इस बीच इजराइल से लातिनी अमेरिका के तीन देशों बोलिविया,चीली और कोलंबिया ने अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं या राजनयिक संबंधों को समाप्त करने का एलान किया है. इसका असर भी विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ना लाजिमी है. इसका एक बड़ा कारण तो दुनिया भर में सरकारों के खिलाफ खड़ा होता यह जनमत है, जो फिलिस्तीन में चल रहे आक्रमण को जनसंहार बता रहे हैं. इसे एक नए होलोकास्ट के रूप में भी पेश किया जा रहा है.

> ब्रेंट क्रूड 88 डॉलर के आसपास पहुंच गया, क्योंकि संघर्ष चौथे सप्ताह में पहुंच गया है.विश्व बैंक ने इस बात पर जोर दिया कि तेल की कीमतों के बड़े झटके से निपटने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था 1970 के दशक की तुलना में "काफी बेहतर स्थिति" में है.

सुभाषित

न पश्यति च जन्मान्धः कामान्धो नैव पश्यति।
मदोन्मत्ता न पश्यन्ति अर्थी दोषं न पश्यति॥

जो जन्म से अंधे हैं वे देख नहीं सकते. उसी तरह जो वासना के अधीन है, वे भी देख नहीं सकते. अहंकारी व्यक्ति को कभी ऐसा नहीं लगता कि वह कुछ बुरा कर रहा है. यानी अहंकारी लोग अपने भीतर की बुराई नहीं देख पाते और जो पैसे के पीछे पड़े है उनको उनके कर्मों में कोई पाप दिखाई नहीं देता.

वैश्विक अस्थिरता और मानवीय विकृति

इस युद्ध की पृष्ठभूमि भी पुरानी है और कब तक चलेगा युद्ध यह भी कहना मुश्किल है. लड़ाई तो प्रत्यक्ष में रूस और यूक्रेन के बीच है लेकिन युद्ध में कई खिलाड़ी अप्रत्यक्ष रूप से दोनों देशों के साथ गोलबंद खड़े हैं. यह एक प्रकार की वैश्विक खेमाबंदी है. कुछ देश भले ही तटस्थ दिखना चाहते हैं मगर कहीं ना कहीं से शामिल हैं. इसी तरह इजराइल और फिलिस्तीन के बीच का युद्ध भी है.

• देश-काल

डा. प्रमोद पाठक

इजराइल फिलिस्तीन युद्ध कहां जाकर रुकेगा यह कहना तो फिलहाल मुश्किल है लेकिन इतना निश्चित है कि युद्ध से इस मसले का समाधान नहीं होने वाला. युद्ध से वैसे भी किसी मसले का समाधान नहीं होता, लेकिन इतना जानने के बाद भी समझने की फुर्सत किसी को नहीं है. दरअसल इसका कारण बड़ा सीधा है. हम अभी भी सभ्य नहीं हो पाए हैं और मानव समाज कहलाने के काबिल नहीं है. पाषाण युग से तो हम निकल गए, लेकिन पाषाण युग हमारे अंदर से अब भी नहीं निकल सका है. रॉबर्ट ब्राउनिंग ने कहा था कि प्रगति जीवन का सिद्धांत है, इंसान अब भी इंसान नहीं बन पाया. कब इंसान इंसान बनेगा, बनेगा भी या नहीं, यह कहना मुश्किल है. वैसे यह कथन आज के वैश्विक परिदृश्य पर काफी सटीक टिप्पणी करता है. भले ही भौगोलिक राजनीतिक दृष्टिकोण से आज की इस परिस्थिति को लोग पश्चिम एशिया और यूरोप की अस्थिरता मानें, लेकिन यह है तो वैश्विक अस्थिरता और यह पूरी दुनिया के लिए संकट का संकेत है. पूरी इंसानियत के लिए अस्थिरता. एक ओर तो रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते ही दुनिया पर संकट के बादल मंडरा रहे थे कि यह नया युद्ध शुरू हो गया. पिछले कोई 19 महीने से चल रहे रूस-यूक्रेन की लड़ाई में विश्व तो पहले ही दो खेमे में बंटा दिखाई दे रहा था. इस युद्ध की पृष्ठभूमि भी पुरानी है और कब तक चलेगा युद्ध यह भी कहना मुश्किल है. लड़ाई तो प्रत्यक्ष में रूस और यूक्रेन के बीच है लेकिन युद्ध में कई खिलाड़ी अप्रत्यक्ष रूप से दोनों देशों के साथ गोलबंद खड़े हैं. यह एक प्रकार की वैश्विक खेमाबंदी है. कुछ देश भले ही तटस्थ दिखना चाहते हैं मगर कहीं ना कहीं से शामिल हैं. इसी तरह इजराइल और फिलिस्तीन के बीच का युद्ध भी है. अब इस युद्ध का तात्कालिक कारण जो भी हो, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि भी पुरानी है और इस युद्ध में भी दुनिया दो खेमों में बंटी दिखाई दे रही है. इजराइल फिलिस्तीन का यह विवाद विश्व इतिहास का शायद सबसे लंबा अनसुलझा विवाद है और यह दोनों युद्ध वैश्वीकरण के सिद्धांत की पोल खोल रहे हैं. यह लड़ाई भी जल्दी खत्म होने वाली नहीं है. तो आखिर हम क्या निष्कर्ष निकालें. दो-दो विश्व युद्ध की तबाही की यादें अभी भी बहुत पुरानी नहीं हुई होंगी और उसके पहले भी कई बड़े युद्ध दुनिया में लड़े गए हैं, जिनके दुष्परिणाम इतिहास में दर्ज हैं. मानव इतिहास युद्ध का इतिहास है, लेकिन मनुष्य ने इन तमाम जानकारी होने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा. यह सभी जानते हैं कि युद्ध से विनाश के अलावा कुछ हासिल नहीं होता, लेकिन लोग इस सच्चाई को बहुत देर में समझते हैं. यही वजह है कि मनुष्य युद्ध करने से बाज नहीं आता. आखिर ऐसा क्यों होता है? इसका उत्तर हमें महाभारत के यक्ष-युधिष्ठिर संवाद में मिल सकता है. जब अज्ञातवास में पांडव जीवन गुजार रहे थे, तबकी घटना है. जल की तलाश में निकले अपने चार भाइयों को ढूंढने युधिष्ठिर निकले तो उनका सामना सरोवर की रखवाली कर रहे यक्ष से होता है, जो उन्हें कुछ प्रश्नों का उत्तर देने की शर्त रखता है. उसी के दौरान यक्ष ने युधिष्ठिर से पूछा था कि दुनिया में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है? युधिष्ठिर का उत्तर था कि सबसे बड़ा आश्चर्य यही है की हर व्यक्ति देखता है कि दुनिया में लोग मर रहे हैं, लेकिन वह सोचता है कि उसे मृत्यु नहीं आएगी. यही उत्तर आज के युद्धों की गुत्थी सुलझाने में कारगर होगी. दरअसल अनश्वर होने का भ्रम मनुष्य में अहं पैदा करता है. यही अहं उसे युद्ध की ओर धकेलता है. यह अहं ही मनुष्य के मस्तिष्क को विकृत करता है और यही विकृति युद्ध का कारण है. दरअसल युद्ध के कारण भले ही बहुत से गिनाये जा सकते हैं, लेकिन बुनियादी कारण एक ही है-मानसिक विकृति. इसीलिए कहा गया है दुनिया की बड़ी से बड़ी लड़ाई मनुष्य के मस्तिष्क में पैदा होती है और यह आज की बात नहीं है. महाभारत काल या उससे पहले भी युद्ध के पीछे यही कारण था. इसीलिए अमेरिकी दार्शनिक और राजनेता फ्रांसिस बेकन ने कहा था कि यदि हम किसी समस्या की जड़ में जाएंगे तो पाएंगे कि उसका कारण एक ही है-- मनुष्य. अभी हाल ही में हमने दशहरा मनाया. पूरे देश में जोर-शोर से रावण को जलाया गया, लेकिन साल दर साल जलने के बाद रावण फिर भी जिंदा है, क्योंकि रावण तो मनके अन्दर है. अहंकार की दुर्भावना मनुष्य के मन में है. यही अहंकार तो युद्ध और फिर विनाश की ओर ले जाता है. कहानी है कि रावण का वध करने के बाद लंका विजय कर जब राम अयोध्या पहुंचते हैं तो लोग उनसे पूछते हैं कि आपने रावण को कैसे मारा. तब राम उत्तर देते हैं कि रावण को मैंने नहीं, बल्कि 'मैं' यानी उसके अहंकार ने मारा. यही मैं या अहंकार युद्ध और उससे उपजे विनाश का कारण है. आज गाजा पट्टी की लड़ाई, जिसमें कहीं न कहीं से दुनिया के कई देश शामिल हैं, महज 365 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल की लड़ाई है, जिसमें 20 लाख से अधिक लोग रहते हैं. इस लड़ाई में जितना नुकसान हुआ है और जितना आगे होगा, वह इस पूरे क्षेत्रफल की कीमत से कई गुना ज्यादा होगा. मगर ये लोग नहीं समझ रहे. अहंकार यही करता है. आदमी की बुद्धि कुंद कर देता है और उसे अंधा बना देता है.विनाश काले विपरीत बुद्धि. वैसे तो इस पूरी लड़ाई में सामने सिर्फ दो समूह दिख रहे हैं, लेकिन कहीं न कहीं से बहुत से लोग निहित स्वार्थवश इसमें शामिल हैं. काफी हद तक लड़ाई के जिम्मेदार भी वे ही हैं. यदि बात की तह में जाया जाए तो रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी यही बात लागू होती है. मनुष्य आज भी वही जंगली स्वभाव लिए इस आधुनिक दुनिया में विचरण कर रहा है और अपने विनाश की कहानी लिख रहा है. ईर्ष्या, राग, द्वेष, अहंकार और मूर्खता यही विश्व की वर्तमान और इतिहास की तमाम लड़ाइयों का कारण है. जब तक यह नकारात्मक भावनाएं हमें प्रभावित करती रहेंगी, तब तक युद्ध होते रहेंगे.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

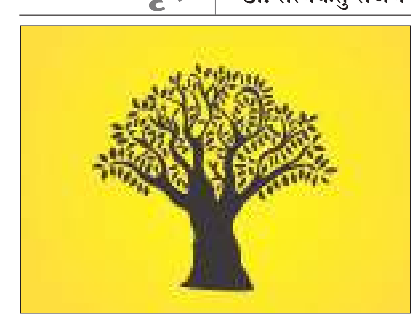

शिक्षा, लेकिन कैसी?

प्रह्लाद के जन्म से प्रारंभ में हिरण्यकशिपु प्रसन्न है. अपने पुत्र को मैं जैसा बनाना चाहूंगा, वैसा ही वह बनेगा. इसी प्रकार कलियुग भी अपने सारे बेटों को अपने जैसा ही बनाना चाहता है. आगे चलकर प्रह्लाद को गुरु के पास शिक्षा प्राप्त करने के लिए भेजा गया. और साथ ही गुरु को आदेश भी दिया गया. कलियुग भी गुरु से शिक्षा लेता नहीं, बल्कि वह तो गुरु को बताता है कि तुम्हें कौन-सी शिक्षा देनी है. यही विडंबना है . हिरण्यकशिपु ने गुरुजी से कह दिया कि आपको राजनीति एवं कूटनीति की शिक्षा देनी है और अर्थ की शिक्षा देनी है. युग की विडंबना है कि गुरु भी डरा हुआ है. हिरण्यकशिपु का जो आदेश था गुरुजी ने वही शिक्षा प्रह्लाद को देने की चेष्टा की और प्रह्लाद ने वे शास्त्र पढ़े. इसका मतलब यह है कि जप करनेवाला राजनीति को न जाने या व्यवहार को न जाने, यह आवश्यक नहीं है, क्योंकि राजनीति की शिक्षा, अर्थ तथा व्यवहार की शिक्षा यह भी जीवन का अंग है. पर प्रह्लाद की मूलवृत्ति सर्वथा अनोखी है. प्रह्लाद का समझना है कि विद्या का अंतिम उपयोग क्या यही है. यद्यपि आज का युग अर्थ-प्रधान है. इसलिए गोस्वामीजी ने व्यंग्य करते हुए कहा कि कलियुग में माता-पिता शिक्षा भी अगर अपने बच्चों को देते हैं तो केवल उदर-पोषण की-मातु पिता बालकन्हि बोलावहिं, उदर भरै सोइ धर्म सिखावहिं. उदर धर्म ? अर्थात पेट कैसे भरे ? बस यही शिक्षा मनुष्य दे रहा है. यद्यपि 'पेट भरे' इस शिक्षा की भी आवश्यकता है. लेकिन व्यक्ति केवल शरीर ही तो नहीं है. अगर भूख का तात्पर्य केवल शरीर की ही भूख से है तो वह पशु में भी विद्यमान है. व्यक्ति की विशेषता तो यही है कि उसके मन में भी भूख है, बुद्धि में भी भूख है और प्रह्लाद ने सत्संग द्वारा नारदजी से गर्भ में ही उस भूख को संस्कार मे पाया है. प्रह्लाद को लगा कि गुरुजी तो यह पाठ नहीं पढ़ा रहे हैं. किंतु गर्भ के संस्कार ने अपना कार्य करना प्रारंभ कर दिया. काकभुशुण्डि जी ने अपनी आत्मकथा सुनाते हुए कहा कि मेरे माता-पिता ने मुझे विद्यालय भेज तो दिया, लेकिन-समझउं सुनउं गुनउं नहिं भावा. अध्यापक लोग जो पढ़ाते थे, उसको मैं सुनता भी था, समझता भी था, पर मुझे प्रिय नहीं लगता था.

कीटनाशकों को ले कर बढ़ती चिंता

• कृषि

देविंदर शर्मा

'मालूम नहीं, क्यों हम धान की फसल पर और ज्यादा कीटनाशक डालते जा रहे हैं,' यह आश्चर्य दुनिया के शीर्ष राइस साइंटिस्ट डॉ. गुरदेव सिंह खुश ने व्यक्त किया, जब हाल ही में लुधियाना स्थित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में मेरी उनसे मुलाकात हुई. उन्होंने यह भी कहा कि 'प्लांट ब्रीडर के तौर पर हम वैज्ञानिक धान की कीट रोधी और रोग रोधी किस्में विकसित करते हैं. उसके बावजूद साल-दर-साल धान पर कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ता हुआ ही पाते हैं.' डॉ. खुश 35 वर्षों से भी ज्यादा वक्त तक फिलिपींस के अंतरराष्ट्रीय चावल शोध संस्थान (आईआरआरआई) में कार्यरत रहे. डॉ. खुश जिन्हें कुछ लोगों द्वारा 'पैडी डैडी'भी कहा जाता है, ने चावल की 328 वैरायटीज का विकास किया है, जिनमें ब्लॉक-बस्टर आईआर-36 और आईआर-42 और आईआर 64 किस्म भी शामिल हैं. ये किस्में कुल मिलाकर चावल की खेती के तहत लगभग 60 प्रतिशत क्षेत्र में उगायी जाती हैं. भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन से मोज़ाम्बिक तक, ये किस्में बेहद लोकप्रिय हैं. यहां तक कि इंडोनेशिया के एक पूर्व कृषि मंत्री ने एक बार आईआरआरआई के तत्कालीन महानिदेशक से मजाक में कहा था कि आईआर36 किस्म ने उनके लिए बड़ा सिरदर्द पैदा किया. फिर उन्होंने अपने बयान को स्पष्ट करते हुए कहा, 'हमारे पास अब इतना सारा चावल है कि हमें पता नहीं कि इसे कहां स्टोर करें.'1980 के दशक में वैश्विक स्तर पर 11 मिलियन हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान की आईआर36 वैरायटी रोपी गयी थी, जो किसी भी फसल की किस्म के तहत सबसे बड़ा इलाका था. कृषि अर्थशास्त्रियों ने ज्ञात किया था कि एशियाई किसान हर साल धान का 5 मिलियन टन अतिरिक्त उत्पादन करते हैं, जिससे हर साल एक बिलियन डॉलर से अधिक की कमाई होती है. आईआर36 किस्म द्वारा प्रदान की गई रोग प्रतिरोधक क्षमता से किसानों को कीटनाशकों की लागत में प्रति वर्ष लगभग 500 मिलियन की बचत हुई. साल 1982 में फिलीपींस के लॉस बानोस में अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के एक एक्सटर्नल रिव्यू के मुताबिक', 'अकेले आईआर36 का असर 21 वर्ष पहले आईआरआरआई की स्थापना के बाद से इसमें निवेश को सही ठहराने से भी कहीं ज्यादा होगा.' फिलिपींस के सेंट्रल लुज़ोन सूबे, वियतनाम और बांग्लादेश के किसानों ने भी इसे निर्णायक तौर पर दर्शाया है कि कीटनाशक आवश्यक नहीं हैं. किसानों ने पेस्टिसाइड्स के बिना भी उच्चतर उत्पादकता प्राप्त की है.करीब दो दशक पूर्व डॉ. कैंट्रेल और लेखक अंतरराष्ट्रीय कृषि रिसर्च के सलाहकार समूह (सीजीआईएआर) के बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य थे. बता दें कि सीजीआईएआर 15 अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान केंद्रों की गवर्निंग बॉडी है. हम अक्सर उस गैरजरूरी दबाव से उत्पन्न होने वाले हानिकारक पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चिंता करते थे, जो कृषि वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं, दोनों के बीच बनाने में कीटनाशक निर्माता सफल रहे थे. वे हमेशा कीटनाशकों से दूर जाने के प्रति राष्ट्रीय कृषि केंद्रों की अनिच्छा पर निराशा व्यक्त करते थे. पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) अब उनके नाम पर 'गुरदेव सिंह खुश इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, प्लांट ब्रीडिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी' और एक संग्रहालय समर्पित कर रहा है, जो इस विवि के पूर्व छात्र भी हैं. ऐसा करके पीएयू ने खुद को महान सम्मान दिया है. डॉ. खुश को वर्ष 1996 का विश्व खाद्य पुरस्कार, जो इन्हें अपने संरक्षक हेनरी बीचेल के साथ मिला था. वहीं ये 1987 में जापान पुरस्कार, 1977 में बोरलॉग पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं. डॉ. खुश को साल 1995 में रॉयल सोसाइटी के सदस्य के रूप में चुना गया था. कम होते भूजल स्रोतों के बारे में उन्होंने स्वीकार किया कि अब धान की ऐसी किस्में विकसित करने का समय आ गया है, जिन्हें पानी की जरूरत कम हो. किसी भी दशा में, वे धान के खेत को फसल के अधिकतर भाग तक पानी से लबालब रखने के पक्ष में नहीं थे. जब मैंने उनसे विशेष तौर पर, दुनियाभर में चर्चा का विषय बन रहे खाद्य प्रणाली में बदलावों और खाद, कीटनाशकों व पानी की कम खपत वाली धान किस्में विकसित करने की जरूरत के बारे में पूछा तो उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया थी कि 'यह अच्छा विचार है'. 'यह सिर्फ तभी संभव है जब हम किसानों को पराली जलाने के बजाय उसे खेत में ही जुताई करके मिट्टी में मिलाने के बारे में सीख देंगे.

> भारत, इंडोनेशिया, वियतनाम, चीन से मोज़ाम्बिक तक, ये किस्में बेहद लोकप्रिय हैं. यहां तक कि इंडोनेशिया के एक पूर्व कृषि मंत्री ने एक बार आईआरआरआई के तत्कालीन महानिदेशक से मजाक में कहा था कि आईआर36 किस्म ने उनके लिए बड़ा सिरदर्द पैदा किया.

पश्चिमी एशिया में दमित फिलिस्तीनी

• देशांतर

राम पुनियानी

गत 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजराइल के कुछ ठिकानों पर हमले और करीब 200 यहूदियों को बंधक बना लिए जाने के बाद से इजराइल फिलिस्तीन पर हमले कर रहा है. दोनों ही हमलों की निष्ठुरता को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता. ऐसे हमलों में सबसे ज्यादा नुकसान हिंसा का शिकार होने वालों का होता है - चाहे वे सैनिक हों या नागरिक. अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस समेत कई प्रमुख पश्चिमी देशों ने इजराइल के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है. जहां तक भारत का सवाल है, पूर्व में इजराइल के मामले में उसकी नीतियां इस मुद्दे पर महात्मा गांधी के विचारों पर आधारित रहीं हैं. गांधीजी ने 1938 में लिखा था, 'फिलिस्तीन उसी तरह से अरब लोगों का है, जिस तरह इंग्लैंड, अंग्रेजों का और फ्रांस, फ्रांसीसियों का है.' उन्होंने यह भी लिखा कि ईसाइयों के हाथों यहूदियों ने प्रताड़ना भोगी है. मगर इसका यह मतलब नहीं है उन्हें मुआवज़ा देने के लिए फिलिस्तीनियों से उनकी ज़मीन छीन ली जाए. यहूदी यूरोप में व्याप्त यहूदी-विरोधवाद के शिकार रहे हैं. यहूदियों के प्रति ईसाइयों के बैरभाव के कई कारणों में से एक यह है कि ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के लिए यहूदी ज़िम्मेदार थे. आगे चलकर व्यापारिक होड़ के कारण यह बैर और बढ़ा. यहूदी-विरोधवाद का सबसे क्रूर और सबसे हिंसक पैरोकार था एडोल्फ हिटलर जिसने लाखों यहूदियों को मौत के घाट उतार दिया. अकेले गैस चैम्बरों में 60 लाख यहूदी मारे गए. हिटलर द्वारा यहूदियों को हर तरह से प्रताड़ित किया गया. यूरोप में यहूदियों को कई तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता था. इसी के नतीजे में ज़ोयनिज्म या यहूदीवाद का जन्म हुआ. थियोडोर हर्ट्सज़ल ने 'द ज्यूइश स्टेट' शीर्षक से एक पुस्तक लिखी और इस मुद्दे पर स्विट्ज़रलैंड के बाल शहर में कुछ यहूदियों की बैठक हुई. ओल्ड टेस्टामेंट के हवाले से उन्होंने घोषणा की कि फिलिस्तीन की भूमि यहूदियों की है. उनका नारा था, 'भूमिविहीन मानवों (यहूदियों) के लिए मानव-विहीन भूमि (फिलिस्तीन).' जाहिर है कि यह नारा उस भूमि पर 1,000 साल से रह रहे फिलिस्तीनियों के साथ बेरहमी करने का आह्वान था. और ये फिलिस्तीनी केवल मुसलमान नहीं थे. उनमें से 86 फ़ीसदी मुसलमान, 10 फीसदी ईसाई और 4 फीसदी यहूदी थे. बहरहाल एक 'ज्यूइश नेशनल फण्ड' स्थापित किया गया और दुनिया भर से यहूदी फिलिस्तीन आकर वहां ज़मीन खरीदने लगे. शुरुआत में अधिकांश यहूदी भी यहूदीवाद के खिलाफ थे. जो यहूदी फिलिस्तीन में बसे, उनसे कहा गया कि वे अपनी ज़मीन न तो किसी अरब को किराये पर दें और न किसी अरब को बेचें. उनका इरादा साफ़ था, धीरे-धीरे फिलिस्तीन पर कब्ज़ा जमाते जाओ. यहूदियों की संख्या बढ़ती गई. फिर एक अंतरराष्ट्रीय समझौते के अंतर्गत फिलिस्तीन का शासन इंग्लैंड के हाथ में आ गया और वहां की आतंरिक समस्याएं बढ़ने लगीं. सन् 1917 में इंग्लैंड ने बेलफोर घोषणापत्र जारी कर 'फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिए गृहराष्ट्र की स्थापना' का समर्थन किया. इस तरह फिलिस्तीन की समस्या की जड़ में ब्रिटिश उपनिवेशवाद है. महान यहूदी लेखक आर्थर केस्लेर ने बेलफोर घोषणापत्र के बारे में लिखा, 'इससे विचित्र दस्तावेज दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा था.' अमेरिकी-इजराइली इतिहासवेत्ता मार्टिन क्रेमर के अनुसार, 'यह दस्तावेज संकीर्ण और तरह-तरह के प्रतिबंधों और रोकों पर आधारित राजनैतिक यहूदीवाद की ओर पहला कदम था.' अरब लोगों ने 1936 के बाद से इस घुसपैठ का प्रतिरोध करना शुरू किया, परन्तु उसे ब्रिटेन ने कुचल दिया.' इजराइल को अमेरिका और ब्रिटेन का पूरा समर्थन मिला. युद्धों के ज़रिये वह धीरे-धीरे अपने कब्ज़े की ज़मीन का विस्तार करता गया और आज स्थिति यह है कि वह मूल फिलिस्तीन की 80 प्रतिशत से भी ज्यादा ज़मीन पर काबिज़ है. फिलिस्तीनी अपनी ही ज़मीन पर शरणार्थी बन गए हैं और आज 15 लाख फिलिस्तीनी सुविधा-विहीन कैम्पों में रहने पर मजबूर हैं. शुरुआती विस्थापनों में से एक में 14 लाख फिलिस्तीनियों को अपने घरबार छोड़ने पड़े थे. इन्हीं विस्थापितों में से प्रतिरोध की एक नायिका लैला ख़ालिद उभरी थीं. वे 'पॉपुलर फ्रंट फॉर द लिबरेशन ऑफ़ पेलेस्टाइन' का सदस्य थीं. प्रतिरोध के एक अन्य बड़े नायक थे यासेर अराफात, जिन्होंने बीच का रास्ता चुना और फिलिस्तीन को वैश्विक मुद्दा बनाया. समाधान के कई प्रयास असफल हो गए, जिनमें ओस्लो समझौता शामिल है.

> यहूदी यूरोप में व्याप्त यहूदी-विरोधवाद के शिकार रहे हैं. यहूदियों के प्रति ईसाइयों के बैरभाव के कई कारणों में से एक यह है कि ऐसा माना जाता है कि ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाये जाने के लिए यहूदी ज़िम्मेदार थे. आगे चलकर व्यापारिक होड़ के कारण यह बैर और बढ़ा.

मीडिया में अन्यत्र

बीमा की पहुंच बढ़ाने का अवसर

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के चेयरमैन देवाशीष पांडा ने घोषणा की है कि बीमा नियामक, स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) जैसा एक निकाय गठित करने पर विचार कर रहा है. यह बड़ी तादाद में भारतीयों को बीमा उद्योग के दायरे में लाने की दिशा में एक उपयोगी कदम हो सकता है. एसएलबीसी की अवधारणा सन 1977 में भारतीय रिजर्व बैंक के अधीन प्रस्तुत की गई थी तथा यह राज्य स्तर पर एक अंतर-सांस्थानिक मंच है, जो सरकार और बैंकों के बीच बैंकिंग विकास से जुड़े मसलों पर समन्वय का काम करता है. ये उच्च अंतर-सांस्थानिक मंच हर तिमाही बैठक करते हैं और इनकी अध्यक्षता नामित प्रमुख बैंक के चेयरपर्सन या कार्यकारी निदेशक द्वारा की जाती है. उसके साथ हर संबंधित राज्य के अपर मुख्य सचिव या विकास आयुक्त सह अध्यक्षता करते हैं. हाल के दिनों में एसएलबीसी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत नागरिकों तक बैंकिंग की पहुंच बढ़ाने का काम करके वित्तीय समावेशन हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है. आज 143 से भी कम ऐसे गांव हैं, जिनके पांच किलोमीटर के दायरे में बैंकिंग संपर्क नहीं है. वर्ष 2019 में यह संख्या 11,278 थी. बीमा नियामक को अगर ऐसी उपस्थिति दर्ज करनी है तो उसे एसएलबीसी जैसे संस्थान की आवश्यकता होगी. भारत दुनिया का दसवां सबसे बड़ा बीमा बाजार है, लेकिन औसत भारतीय आमतौर पर बीमा से वंचित है. उदाहरण के लिए अकेले जीवन बीमा की पहुंच केवल 3.2 फीसदी है. सैद्धांतिक तौर पर ऐसा वितरण की सीमित पहुंच के कारण है. ग्रामीण आबादी की बात करें तो 10 फीसदी से भी कम लोगों के पास जीवन बीमा कवरेज है और 20 फीसदी से भी कम आबादी के पास स्वास्थ्य बीमा कवर है. यह भी मुख्य रूप से आईआरडीएआई के निर्देश के कारण हुआ. कुल मिलाकर देखें तो स्विस रे के अध्ययन के मुताबिक मृत्यु दर संरक्षण में बहुत बड़ा अंतर है यानी वांछित संसाधनों और उपलब्ध संसाधनों के बीच 1,320 लाख करोड़ रुपये का अंतर है, जिससे पता चलता है कि औसत भारतीय वास्तव में बड़े जोखिम में हैं. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

बीबी/बीवी

मियां बीवी राजी तो क्या करेगा काजी? यह कहावत बहुत प्रचलित है. इसका प्रयोग अक्सर लोग कर लिया करते हैं, जब एक पुरुष का एक नारी से प्रेम हो जाता है. बीवी का श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द है बीबी. पत्नी के अर्थ में कोई बीवी शब्द का प्रयोग करता है तो कोई बीबी का. ऐसे में इस सवाल का उठना स्वाभाविक है कि पत्नी के लिए कौन सा शब्द सही है बीबी या बीवी? बिहार के कुछ जिलों में 'व' अक्षर का उच्चारण 'ब' की तरह किया जाता है. आपने भी उन क्षेत्रों के लोगों को यह कहते सुना होगा कि बास्तबिकता कुछ और ही है या यह करना संभब नहीं होगा. तो वैसे लोगों के मुंह से अगर बीवी शब्द को बीबी के रूप में सुनना पड़े तो इसमें चकित होने जैसी कोई बात नहीं है. जहां तक शब्दकोशों का सवाल है तो उनमें बीबी और बीवी दोनों शब्द मान्य हैं, लेकिन अर्थ दोनों के अलग-अलग हैं. वर्धा हिंदी शब्द कोश के अनुसार दोनों शब्द फारसी मूल के हैं. इस शब्दकोश में बीवी का मतलब बताया गया है पत्नी, भार्या, जीवन संगिनी. वहीं बीबी शब्द का मतलब है क्षेत्र विशेष में ननद को दिया गया संबोधन, स्त्रियों के लिए प्रयुक्त सम्मानपूर्ण संबोधन, फातिमा, प्रतिष्ठित महिला, अविवाहित कन्या के लिए संबोधन. प्रसिद्ध हिंदी-उर्दू शब्दकोश रेख्ता में बीबी शब्द के मतलब में थोड़ा-सा अंतर है. इस शब्दकोश में बीबी का मतलब स्त्रियों के लिए प्रयुक्त सम्मान जनक संबोधन, प्रतिष्ठित महिला, सरदार, अविवाहित कन्या के लिए संबोधन, खातून, कुलवधू, जोरू, पत्नी बताया गया है. इसी शब्दकोश में बीवी का मतलब केवल पत्नी ही है. हिंदी शब्दसागर में भी बीबी का मतलब ऐसा ही बताया गया है. पंजाबी में मां, बहन, बेटी से लेकर किसी भी उम्र की सम्मानित महिला को बीबी कहा जाता है. निष्कर्ष यही निकलता है कि बीबी किसी भी स्त्री को कहा जा सकता है, लेकिन बीवी केवल पत्नी को ही.

पुराने जमाने के चांद की काल्पनिक सैर

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

सुबह छह बजे हम लोग उड़न-खटोले में बैठकर चांद की सैर के लिए निकले. उड़न खटोला हवा से भी तेज चल रहा था. उसमें चारों तरफ सुंदर फूल सजे हुए थे. भीतर सोफे पड़े थे. भोजन की अच्छी व्यवस्था थी. हम लोग खाते-पीते गाते-बजाते चांद की तरफ बढ़ते जा रहे थे. रास्ते में बादल पड़े. लेकिन हमारे उड़न खटोले पर बादलों की एक बूंद तक नहीं आई. बादलों ने हमें छुआ और हमें रुई की छुअन का एहसास हुआ. फिर हम और ऊंचे चल पड़े. चलते-चलते जब शाम हो गई तो हमने उड़न खटोले में लालटेन जलाई. तीन-चार मोमबत्तियां भी हमारे पास थीं. उनके जलने से भी उड़न खटोले के भीतर का वातावरण जगमगा उठा. धीरे-धीरे रात घिर आई. हमारा उड़न खटोला चांद की तरफ बढ़ता जा रहा था. अचानक हमें दूर से एक तेज चमकदार रोशनी दिखाई दी. बिल्कुल सफेद दूधिया. चारों तरफ उजाला बिखर रहा था. हल्की-हल्की घंटियों की सी आवाज हो रही थी. उस मधुर संगीत से हम उड़न खटोले में बैठे-बैठे ही मंत्रमुग्ध होते जा रहे थे. हम समझ गए कि हमारा उड़न खटोला चांद के पास आ पहुंचा है. चांद दूर से जितना खूबसूरत दिखता था, पास से उसके हजार गुना ज्यादा सुंदर था. बस यूं कहिए कि टकटकी लगाकर देखते रहो और अपनी सुध-बुध खो जाओ. ऐसा उजला रूप संसार में कभी किसी ने धरती पर नहीं देखा. फिर वह महान क्षण भी आया, जब हमारा उड़न खटोला चांद के ऊपर आ गया. थोड़ी देर तक उड़न खटोले ने चांद के चारों तरफ कुछ चक्कर लगाए और फिर धीरे-धीरे नीचे उतरने लगा. नीचे चांद की जमीन थी. वास्तव में वह जमीन न कहकर चांदी की सतह कहना ज्यादा उपयुक्त होगा. ऐसी सफेद चांदी धरती भला किसने देखी होगी! बस यूं समझ लीजिए कि चांदी को पिघलाकर अगर कोई सड़क बनाई जाए, तो बस वही चांद की सतह थी. हमने उस चांदी की सड़क पर पांव रखा तो गौरव से भर गए. कितनी सुंदर चांदी की सतह है. ऐसी चमक भला कहां होगी! उड़न खटोले से हम लोग उतरकर थोड़ी दूर चले तो देखा कि कुछ दूर पर दूध की नदी बह रही है. बिल्कुल सफेद दूध! दौड़कर पास गए. हाथों में नदी का दूध भरा और मुंह से लगा लिया. गटागट पी गए. ऐसा मीठा दूध संसार में सिवाय चांद के और कहीं नहीं मिलता. कुछ दूर पर एक बुढ़िया खीर पका रही थी. उसके बाल भी चांदी की तरह सफेद थे. हम समझ गए कि यह वही बुढ़िया है, जिसका उल्लेख हजारों साल से कहानी-किस्सों में होता चला आया है. उसने हमें मुफ्त में दूध की खीर खिलाई.

धर्म अध्यात्म

संतान की दीर्घायु के लिए माताएं रखेंगी व्रत

संतान की तरक्की और दीर्घायु के लिए कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माताएं अहोई अष्टमी का व्रत रखती हैं. इस साल यह व्रत 05 नवंबर रविवार के दिन रखा जाएगा. हालांकि व्रत-त्यौहार में अब प्रांत-स्थान की सीमा उतनी प्रभावी नहीं दिखती, फिर भी झारखंड-बिहार में इस व्रत का अधिक चलन नहीं. यह व्रत वैसा ही है जैसे अपने प्रांत में जीतिया. जिन परिवारों में जीतिया नहीं धारता (शुभकर होता), वे माताएं यहां भी अपनी संतान की सुख-समृद्धि व स्वास्थ्य के लिए यह व्रत करने की इच्छा रखती हैं. अहोई अष्टमी को अहोई आठे के नाम से भी जाना जाता है. इस व्रत का पारण तारों को अर्घ्य देकर किया जाता है.

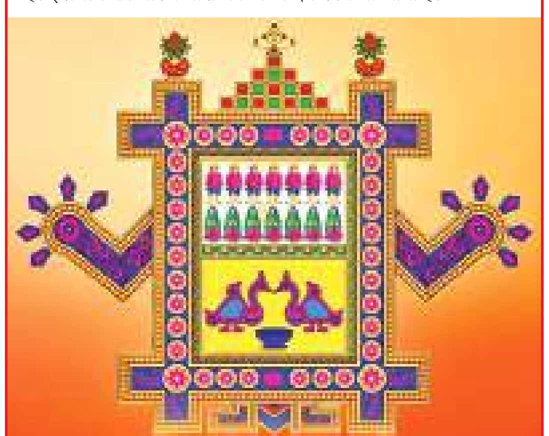

शिव परिवार की पूजा

यह निर्जला व्रत है यानी व्रत के दौरान माताएं पानी तक नहीं ग्रहण करती हैं. अहोई अष्टमी पर भगवान शिव और माता पार्वती के साथ-साथ उनके पूरे परिवार यानी भगवान कार्तिक और गणेश जी की भी पूजा की जाती है. अहोई अष्टमी की कथा सुनते समय सात प्रकार के अनाज को आपकी हथेली पर रखी जाती है और व्रत कथा सुनने के बाद गाय को इसे खिलाया जाता है. पूजा के समय अपने पुत्र या पुत्री को अपने साथ बिठाया जाता है और भगवान को भोग लगाने के बाद सबसे पहले बच्चों को प्रसाद खिलाया जाता है. इस दिन ब्राह्मण, जरूरतमंदों या गाय को भोजन करना भी बहुत ही शुभ फलदायी माना जाता है.

संतान की दीर्घायु के लिए माताएं रखेंगी व्रत

संतान की तरक्की और दीर्घायु के लिए कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को माताएं अहोई अष्टमी का व्रत रखती हैं. इस साल यह व्रत 05 नवंबर रविवार के दिन रखा जाएगा. हालांकि व्रत-त्यौहार में अब प्रांत-स्थान की सीमा उतनी प्रभावी नहीं दिखती, फिर भी झारखंड-बिहार में इस व्रत का अधिक चलन नहीं. यह व्रत वैसा ही है जैसे अपने प्रांत में जीतिया. जिन परिवारों में जीतिया नहीं धारता (शुभकर होता), वे माताएं यहां भी अपनी संतान की सुख-समृद्धि व स्वास्थ्य के लिए यह व्रत करने की इच्छा रखती हैं. अहोई अष्टमी को अहोई आठे के नाम से भी जाना जाता है. इस व्रत का पारण तारों को अर्घ्य देकर किया जाता है.

डॉ मयंक मुरारी

जीवन में जो भी श्रेष्ठ है, उस सबको प्राप्त करने का एकमात्र माध्यम हमारा शरीर है. हमारे शरीर की दिव्यता और भव्यता पर ही हमारी जीवन की यात्रा एवं उसके परिणाम जुड़े हैं. भारतीय जीवन में उत्सव और पर्व हमारे चंचल मन और वासना से घिरे शरीर को शुद्ध और सात्विक करने का माध्यम है. हमारे शरीर में जल तत्व की प्रधानता के कारण हमारे जीवन के केंद्रीय भाव कर्म में जल-स्नान, जल-अर्पण, जलाभिषेक, आचमन की प्रधानता रही है. इस कारण कार्तिक के पूरे माह में व्यक्ति दैहिक एवं आत्मिक रूप से जल में स्नान करता है ताकि अपने को पवित्र कर सके. डुबकी लगता है, ताकि उन जगहों से खुद को जोड़ सके. उन स्थल पर कर्म, तप, ध्यान और चिंतन से वायु और पृथ्वी तत्वों से जुड़ना सहज हो पाता है, जो दैनिक जीवन में अस्वभाविक कार्य होता है. हमने माना कि जीवन में जहां रस है, जहां तरलता है, वहां उदारता का वास है. उदारता ही व्यक्ति को दिव्यत्व की ओर आरोहण कराता है.

कार्तिक हे सखि पुण्य महीना

प्रकृति देती अपना सर्वश्रेष्ठ

कार्तिक मास को मंगल मास कहा गया है जो पूरे महीने शुद्धता, सरलता और दिव्यता के अंतर्प्रवाह से चित्त और आत्मा को स्वच्छ और सात्विक करता है. बारह महीनों की श्रृंखला में कार्तिक को श्रेष्ठ मास बताया गया है. इसका संबंध शरद ऋतु से है. शरद के दो मासों में आश्विन तप का और कार्तिक कृत्य का मास है. इस माह में दान का महत्व है. शरद ऋतु का संबंध पतझड़ से है, जिसमें प्रकृति अपना सबकुछ इस अस्तित्व को अर्पित कर देती है. इस माह में हमें प्रकृति से जीवनदायनी प्राण ऊर्जा, स्वच्छ एवं शीतल वायु तथा औषधीय गुणों से परिपूर्ण जल की प्राप्ति होती है. अतएव प्रकृति जब इतना कुछ कार्तिक में देती है, तो मानव को भी कुछ दान देना चाहिए. आचार, व्यवहार और आचरण को शुभता से कार्तिक मास में जोड़ना चाहिए. हमारी दैनिक गतिविधियां में निरंतरता और सात्विकता का समावेश हो. समाज और परिवार के प्रति हमारे कर्मों की गति सदैव उदार हो. ऐसा व्यवहार सभी को स्वीकार्य हो, इसका प्रयास करना चाहिए तथा हमारे स्वभाव और विचार में उच्च भावों का समावेश हो.

दान, सेवा और कर्म का महीना

उत्सव को धार्मिक मान्यता प्रदान की गयी, ताकि व्यक्ति उसको सहर्ष स्वीकारे और उसका लाभ भी सहज प्राप्त हो सके. वर्षा ऋतु के प्रारंभ पर भगवान विष्णु के सोने जाने तथा उसकी समाप्ति पर जगने के पीछे खेती कार्य को प्रमुखता प्रदान करना रहा है. इस दौरान हर परिवार अनाज उत्पन्न करने में लगे. खेत-खलिहान में व्यस्त रहे ताकि अन्न कम न हो. कार्तिक मास में भगवान विष्णु के जगने का तात्पर्य है कि अब कर्म और क्रियाशीलता का समय आ गया है. धन-धान्य से परिपूर्ण समाज के लिए कार्तित दान, सेवा और पुण्य कर्म करने का अवसर प्रदान करता है. कार्तिक में पूरे माह ब्रह्म मुहूर्त में नदी, तालाब, कुंड, नहर में स्नान कर नियमपूर्वक भगवान की पूजा की जाती है. इस पूरे माह में जल की प्रधानता होती है. ऋग्वेद के सातवें मंडल के सूक्त 49 में ऋषि वशिष्ट धरती के वासियों के लिए आहवान करते हैं कि जल आकाश से बारिश के माध्यम से प्राप्त होते हैं, जो नदियों में सदा गमनशील हैं, खोदकर जो कुएं और तालाब से निकाले जाते हैं और जो सभी जगह प्रवाहित होकर पवित्रता बिखेरते हुए समुद्र की ओर जाते हैं, वे दिव्यतायुक्त पवित्र जल हमारी रक्षा करें.

धार्मिक महत्व

मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन ही भगवन विष्णु ने प्रलय काल में वेदों की रक्षा के लिए तथा सृष्टि को बचाने के लिए मत्स्यावतार धारण किया था. शिवभक्तों के अनुसार इस दिन भगवान शंकर ने त्रिपुरासुर नामक असुर का संहार किया तो, भगवान विष्णु ने शिवजी को त्रिपुरारी नाम दिया. इस कारण कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहते हैं. इस दिन सिक्ख मत के संस्थापक गुरुनानक देव जी का भी जन्म हुआ था. इस कारण यह गुरु पर्व कहा जाता है. भगवान विष्णु को पुनः जागने का दिवस ही प्रबोधनी एकादशी है. यह अवसर साधना का आनंद और आस्था के दीप को प्रज्जवलित करने का होता है. महाभारत में वर्णन है कि पितामह भीष्म कार्तिक एकादशी से लेकर पूर्णिमा तक पांडवों को राजधर्म और जीवन के कर्म एवं धर्म की शिक्षा दी थी. श्रीकृष्ण इस अवधि को भीष्म पंचक के नाम से पुकारा है. विष्णु के जागरण के कारण कार्तिक पूर्णिमा देवताओं की दीपावली है.

स्वास्थ्य के लिए बेहतर

शरद पूर्णिमा के बाद चंद्रमा से निकलने वाली अमृतदायी किरणों का प्रभाव पूरे कार्तिक मास में रहता है. वर्षा के बाद आसमान साफ और निर्मल हो जाता है जिस कारण सूर्य और चंद्रमा की किरणें एवं प्रकाश सीधे धरती पर पड़ती है. सूर्य की तीखी किरणों में पृथ्वी से कीड़े-मकोड़ें खत्म हो जाते हैं, वहीं चंद्रमा की मधुरिमा से सरोवर, सरिता और जलकुंड में एक शक्ति का संचयन होता है. बारिश के कारण पहाड़, जंगल और वनों से जड़ी बूटियों के प्रवाहित होने एवं जल में मिलने से जल की औषधि तत्वों में वृद्धि हो जाती है. यह प्रायः पहाड़ी और जंगल एवं तराई क्षेत्रों में जाता होता है. औषधियों से भरपूर जल हमारे शरीर के निर्मलता और स्वस्थ के लिए बेहतर होते हैं. इस कारण ही कार्तिक के पूरे मास में जलस्नान का विधान है.

रमा एकादशी 9 नवंबर

विष्णु की पूजा से होगी सुख-समृद्धि

आचार्य अजय कुमार मिश्रा

धार्मिक मान्यता है कि रमा एकादशी पर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है. आइए शुभ मुहूर्त, पारण का समय एवं पूजा विधि के बारे में जानकारी हासिल करें-

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि रमा/रंभा एकादशी मनाई जाती है. इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है. ऐसी मान्यता है कि रमा एकादशी के दिन व्रत और पूजा करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. इस वर्ष गुरुवार 9 नवंबर को रमा एकादशी है.

पूजा विधि

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठें. उठने के साथ भगवान विष्णु को याद करें और प्रणाम निवेदित करें. फिर स्नान करें. शास्त्रों में पवित्र नदी में स्नान का विधान दिया गया है. अगर संभव नहीं तो नहाने के पानी में थोड़ा गंगाजल मिला लें. पीले रंग का वस्त्र धारण करें. इसके बाद पूजा स्थान पर बैठें. आचमन कर व्रत संकल्प लें सबसे पहले भगवान सूर्य को लाल रंग मिश्रित जल से अर्घ्य दें. एक चौकी पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के चित्र को स्थापित करें. अब कलश स्थापित कर विधिवत भगवान विष्णु की पूजा करें. भगवान विष्णु को केसर युक्त खीर, मिठाई, फल, फूल आदि अर्पित करें. विष्णु चालीसा का पाठ और मंत्र जाप करें. पूजा के अंत में आरती कर सुख, समृद्धि और आय में वृद्धि हेतु कामना करें. पूरे दिन व्रत पर रहें. शाम को आरती अर्चना कर फलाहार करें. अगले दिन पुनः पूजा करें फिर जरूरतमंद ब्राह्मण को दान दें. इसके बाद ही स्वयं भोजन/पारण करें.

शुभ मुहूर्त

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 08 नवंबर को प्रातः काल 08 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर अगले दिन यानी 09 नवंबर को सुबह 10 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी. 08 नवंबर को सुबह 08 बजे तक दशमी तिथि रहने के चलते 09 नवंबर को एकादशी का व्रत रखा जाएगा.

पारण का समय

10 नवंबर को सुबह 06 बजकर 39 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 50 मिनट तक पूजा पाठ कर पारण कर सकते हैं. द्वादशी तिथि का समापन दस नवंबर को दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर होगा.

मां लक्ष्मी हो जाएंगी नाराज

यहां कभी नहीं रखें झाड़ू

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

झाड़ू को लक्ष्मी जी से जोड़ कर देखा जाता है. इसे लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं. इसके इस्तेमाल व रखरखाव को लेकर कई निर्देश धर्म शास्त्रों में दिए गए हैं. आइए, आज इसी पर करें चर्चा...

- अगर परिवार को कोई सदस्य घर से बाहर जा रहा है, तो संभव हो तो उसके निकलने से पहले ही झाड़ू कर लें. उसके जाने के बाद में झाड़ू नहीं लगाएं.
- झाड़ू को घर में छुपा कर रखना चाहिए. इधर उधर कहीं भी नहीं रखनी चाहिए. कोई बाहरी व्यक्ति घर में प्रवेश करें तो उन्हें झाड़ू नहीं नजर आए.
- झाड़ू पर कभी भी पैर नहीं लगाने चाहिए. मान्यता है कि झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है. अगर गलती से कभी पैर लग भी जाए तो उसको प्रणाम करना चाहिए.
- ज्यादा पुरानी टूटी-फूटी झाड़ू का इस्तेमाल घर में नहीं करना चाहिए, इससे घर के निवासियों के रोजगार धंधे में वृद्धि नहीं होती है.
- नई झाड़ू का इस्तेमाल हमें शनिवार को ही करना चाहिए, और उसे छुपा कर रखनी चाहिए. घर के मुख्य द्वार, छत पर बिल्कुल भी नहीं रखनी चाहिए.
- झाड़ू को कभी भी किचन में नहीं रखना चाहिए. घर में दरिद्रता आती है.
- झाड़ू को कभी भी बेडरूम में नहीं रखना चाहिए. इससे पति-पत्नी के बीच में झगड़े होने की आशंका रहती है.
- सूर्यास्त के बाद कभी भी झाड़ू पोछा नहीं करना चाहिए.
- झाड़ू को कभी भी गीली नहीं रखनी चाहिए.
- झाड़ू से कभी भी किसी व्यक्ति या जानवर को नहीं मारना चाहिए.
- नए घर में अगर प्रवेश कर रहे हैं तो नई झाड़ू जरूर खरीदना चाहिए.
- झाड़ू से कभी भी जूठन साफ नहीं करनी चाहिए.
- अमावस्या या शनिवार को पुरानी व झाड़ू टूटी-फूटी झाड़ू को घर से बाहर फेंकनी चाहिए. गुरुवार या शुक्रवार को कभी भी झाड़ू को नहीं फेंकनी चाहिए या घर से बाहर नहीं निकालनी चाहिए. मान्यता है कि ऐसे में मां लक्ष्मी भी घर से चली जाएंगी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अंक तालिका

रैंक	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
1	भारत (क्वा)	07	07	00	14	+2.102
2	दक्षिण अफ्रीका	07	06	01	12	+2.290
3	ऑस्ट्रेलिया	06	04	02	08	+0.970
4	न्यूजीलैंड	07	04	03	08	+0.484
5	पाकिस्तान	07	03	04	06	-0.024
6	अफगानिस्तान	06	03	03	06	-0.718
7	श्रीलंका	07	02	05	04	-1.162
8	नीदरलैंड	06	02	04	04	-1.277
9	बांग्लादेश (ई)	07	01	06	02	-1.446
10	इंग्लैंड	06	01	05	02	-1.652

एक नजर में

भारत 357/8

प्लेयर ऑफ द मैच: मोहम्मद शमी

पाकिस्तान 55/10

आगे कौन

सबसे अधिक रन: 545

क्विंटन डी कॉक, द. अफ्रीका

सबसे अधिक विकेट: 18

दिलशान मधुशंका, श्रीलंका

सिक्सर किंग रोहित शर्मा : 20

बाउंड्री

6: 426

4: 1516

विश्व कप : भारत ने श्रीलंका के खिलाफ दर्ज की रिकॉर्ड जीत

अजेय अभियान जारी

भाषा। मुंबई

भारत और श्रीलंका के बीच विश्व कप में खेले गए मैच में शानदार फार्म में चल रही भारतीय टीम ने श्रीलंका को 302 रनों से हराया. यह जीत विश्व कप के इतिहास में भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है. भारत ने अपना 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा. टीम ने 2007 में बरमूडा को 257 रन से हराया था. भारत ने इस विश्व कप में लगातार 7वां मैच जीता है और सेमीफाइनल में सबसे पहले जगह पक्की की है.

भारत के 7 मैचों में 14 अंक हो गए और टीम टूर्नामेंट में अजेय है.

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 357 रन बनाए. दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 19.4 ओवर में 55 रन पर ऑलआउट कर दिया.

भारतीय टीम के लिए मोहम्मद शमी ने 5 मोहम्मद सिराज ने 3 और जसप्रीत बुमराह ने 1 विकेट लिए. एक विकेट स्पिनर रवींद्र जडेजा को मिला. इनसे पहले शुभमन गिल (92 बॉल पर 92 रन), विराट कोहली (94 बॉल पर 88 रन) और श्रेयस अय्यर (56 बॉल पर 82 रन) शतक बनाने से चूक गए.

टॉस हार कर बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने इस वर्ल्ड कप में पहली बार 350 का स्कोर खड़ा किया. भारत से शुभमन गिल ने 92 बॉल पर 92, विराट कोहली ने 94 बॉल पर 88 और श्रेयस अय्यर ने 56 बॉल पर 82 रनों की पारियां खेलीं. श्रीलंका से दिलशान मदुशंका ने 5 विकेट झटके. वहीं दुष्मंथा चमीरा को एक विकेट मिला.

शमी ने तोड़े कई रिकॉर्ड

वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

- 45 - मोहम्मद शमी*
- 44- जहीर खान
- 44 - जवागल श्रीनाथ
- 33-जसप्रीत बुमरा
- 31 - अनिल कुंबले

भारत के लिए सर्वाधिक 5-फर

- 4 - मोहम्मद शमी
- 3- जवागल श्रीनाथ
- 3 - हरभजन सिंह

एशिया में सबसे तेज 8 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने कोहली

- विराट कोहली एशिया में सबसे तेज 8 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हैं. उन्होंने 159 पारियों में यह कारनामा किया
- 1. विराट कोहली: 159 पारी
- 2. सचिन तेंदुलकर: 188 पारी
- 3 कुमार संगकारा: 213 पारी

स्कोरबोर्ड

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित बो मदुशंका	4	2	1	0
गिल कै कुसल मेंडिस बोल्ड मदुशंका	92	92	11	2
कोहली कै निसांका बो मदुशंका	88	94	11	0
अय्यर कै थीक्षाना बो मदुशंका	82	56	3	6
राहुल) कै हेमंथा बो चमीरा	21	19	2	0
सूर्यकुमार कै कुसल मेंडिस बो मदुशंका	12	9	2	0
जड़ेजा रन आउट (समराविक्रमा/मेंडिस)	35	24	1	1
शमी रन आउट (कुसल मेंडिस)	2	4	0	0
बुमराह नॉट आउट	1	1	0	0

अतिरिक्त: 20, कुल: 357/8, 50 ओवर, विकेट पतन: 4-1, 193-2, 196-3, 256-4, 276-5, 333-6, 355-7, 357-8, गेंदबाज: दिलशान मदुशंका: 10-0-80-5, चमीरा: 10-2-71-1, राजिथा: 9-0-66-0, मैथ्यूज: 3-0-11-0, एम थीक्षाना: 10-0-67-0, दुशान हेमंथा: 8-0-52-0

श्रीलंका	रन	बॉल	4	6
निसांका एल्बडब्ल्यू बो बुमराह	0	1	0	0
करुणारत्ने एबीडब्ल्यू बो सिराज	0	1	0	0
कुसल मेंडिस बो सिराज	1	10	0	0
समरविक्रमै कै अय्यर बो सिराज	0	4	0	0
असलांका कै जडेजा बो शमी	1	24	0	0
मैथ्यूज बो शमी	12	25	1	0
हेमंथा कै राहुल बो शमी	0	1	0	0
चमीरा कै राहुल बो शमी	0	6	0	0
महेश थीक्षाना नॉट आउट	12	23	2	0
राजिथै कै गिल बो शमी	14	17	2	0
मदुशंका कै अय्यर बो जड़ेजा	5	6	1	0

अतिरिक्त: 10, कुल: 55/10, 19.4, विकेट पतन: 0-1, 2-2, 2-3, 3-4, 14-5, 14-6, 22-7, 29-8, 49-9, 55-10, गेंदबाज: जसप्रीत बुमराह: 5-1-8-1, मोहम्मद सिराज: 7-2-16-3, मोहम्मद शमी: 5-1-18-5, कुलदीप यादव: 2-0-3-0, रवींद्र जड़ेजा: 0.4-0-4-1

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

मलेशिया ने थाईलैंड को हराया

टूर्नामेंट में मलेशिया ने दर्ज की पहली जीत

शुभम किशोर। रांची

रांची में आयोजित झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के पांचवें दिन सभी टीमों के लीग का आखिरी मुकाबला खेला गया. दिन का पहला मुकाबला मलेशिया और थाइलैंड के बीच खेला गया. दोनों टीमें सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी हैं. इस मुकाबले में मलेशिया ने थाइलैंड 2-0 से हराकर जीत दर्ज की. मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम खेले गए इस मुकाबले के पहला क्वार्टर गोलरहित रहा. मुकाबले का पहला गोल मलेशिया की नूर मोहम्मद ने 25 वें मिनट में किया. उन्होंने थाइलैंड के डिफेंस को भेद कर शानदार फील्ड गोल किया. प्रतियोगिता का दूसरा गोल 52 वें मिनट में आया. मलेशिया की नूर युसैनी ने शानदार फील्ड गोल दागा. मलेशिया ने प्रतियोगिता की पहली जीत दर्ज की.

2-0 से जीता मलेशिया

सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो चुकी हैं दोनों टीमें

चीन ने जापान को 1-0 से हराया

चीन ने प्रतियोगिता में तीसरी जीत दर्ज की

दिन का दूसरा मुकाबला जापान और चाइना के बीच खेला गया. इस मुकाबले में चीन ने जापान को 1-0 से हराकर प्रतियोगिता की तीसरी जीत दर्ज की. मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम खेले जा रहे मुकाबले में जापान और चाइना एक दूसरे पर लगातार प्रहार कर रही थी. मुकाबले का एकमात्र गोल प्रतियोगिता के 8वें मिनट में चीन ने किया. बिंगफेंग गू ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया. इसके बाद दोनों टीम की ओर से कई प्रयास किए गए, लेकिन वो गोल नहीं कर पाए. इस मुकाबले में जापान को 2 और चाइना और 4 पेनाल्टी कॉर्नर मिले.

झारखंड की रोपनी को मिला रेलवे में नौकरी का ऑफर

- जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य है रोपनी

रांची। जूनियर भारतीय महिला हॉकी टीम के सदस्य झारखंड की बेटी रोपनी कुमारी को दक्षिण पूर्व रेलवे रांची ने जॉब का ऑफर दिया है. रोपनी जूनियर वर्ल्ड कप के लिए बेंगलुरु में चल रहे भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय कैंप में शामिल है. यह किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है. इससे उनका मनोबल बढ़ेगा. विगत चार-पांच वर्षों में झारखंड की आधा दर्जन से अधिक महिला हॉकी खिलाड़ियों को रेलवे ने नौकरी दी है.

हमने भारत को उनकी सरजमीं पर पहले भी हराया है : डुसेन

पुणे। भारत की परिस्थितियों से शानदार तरीके से सामंजस्य बैठाकर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने कहा कि उनकी टीम अगले मुकाबले में भारत की चुनौती से निपटने के लिए तैयार है. दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को न्यूजीलैंड को 190 रनों से हराकर लगातार चौथे मैच में जीत के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया. टीम का अगला मुकाबला रविवार को कोलकाता में टूर्नामेंट की एकमात्र अजेय टीम भारत से होगा. डुसेन ने न्यूजीलैंड पर टीम की बड़ी जीत के बाद कहा कि भारत में भारत के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती है. वे वास्तव में अच्छा खेल रहे हैं. उनकी टीम में काफी अनुभवी है. टीम में कोई खामी नजर नहीं आ रही है.

राष्ट्रीय खेल

झारखंड ने वुशु, जेवलिंग थ्रो में पदक जीते

संवाददाता। रांची

भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा 25 अक्टूबर से 9 नवंबर तक गोवा में चल रहे 37 वें राष्ट्रीय खेल में गुरुवार को झारखंड के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन कर 3 पदक दिलाए. वुशु खिलाड़ी सुनीता गाड़ी ने सिल्वर, जबकि तारा कुमारी ने जेवलिंग थ्रो में ब्रॉज मेडल जीता. वहीं रॉल बॉल की टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा. इस उपलब्धि पर सीएम हेमंत सोरेन, खेल मंत्री हफीजुल हसन, खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, झारखंड ओलंपिक संघ के पदाधिकारियों एवं खेल विभाग के अधिकारियों ने बधाई दी है.

- रॉल बॉल : झारखंड पुरुष टीम को सेमीफाइनल में महाराष्ट्र से 17-09 से हार का सामना करना पड़ा. अंक के आधार पर कांस्य पदक प्रदान किया गया.
- महिला रॉल बॉल : महिला टीम को राजस्थान से हार. अंक तालिका के अनुसार चौथे स्थान पर रही.
- महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम : दीपिका कुमारी, कोमोलिका बारी, दीप्ति कुमारी, अघनी कुमारी की टीम तमिलनाडु को रोमांचक मुकाबले में पराजित कर फाइनल में पहुंची.
- पुरुष रिकर्व तीरदांजी टीम : गुरुचरण बेसरा, श्रेय भारद्वाज, मृणाल चौहान, गोल्डी मिश्रा की टीम ने सर्विसेस को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया..
- मिक्स रिकर्व तीरंदाजी टीम : दीपिका कुमारी, मृणाल चौहान ने उत्तर प्रदेश को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया.
- हॉकी महिला : झारखंड महिला टीम ने अपने तीसरे लीग मैच में महाराष्ट्र को 3- 0 से पराजित किया.
- हॉकी पुरुष : झारखंड पुरुष टीम ने अपने दूसरे लीग मैच में गोवा को 6-1 से पराजित किया.
- लॉन बाल : पुरुष डबल में दिनेश कुमार एवं सुनील बहादुर की जोड़ी ने पश्चिम बंगाल को 30-06 से हराकर दूसरा लीग मैच जीत अपने पुल में टॉप कर एक मेडल पक्का किया.
- पुरुष ट्रिपल : अभिषेक, मो वासिम, कृष्णा खलको ने पश्चिम बंगाल को 30-06 से पराजित कर अपने पुल में टॉप पर रहते हुए एक पदक पक्का किया.
- महिला सिंगल : छोटी कुमारी ने बिहार को 21-9 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया.
- एथलेटिक्स महिला वर्ग : सुप्रीति कच्छप 5000 मीटर के फाइनल में 6 वें एवं बसंती कुमारी 8वें स्थान पर रही.
- वूशु पुरुष वर्ग : शशिकांत महतो ने असम के के बासोमातृ को 65 किलो वर्ग में 2-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर अपना पदक पक्का किया. कंचन तिग्गा ने 48 किलो वर्ग में त्रिपुरा की अनामिका को हराकर सेमी फाइनल में जगह बना अपना पदक पक्का किया. निशांत तिर्की ने 48 किलो वर्ग में उत्तराखंड के हर्षित जोशी को 2-0 से सेमीफाइनल में पराजित कर एक पदक पक्का किया.

गौरवान्वित इमाम के फुटबॉल के नायब जौहर को देख अंग्रेज मेजर जनरल ने इंग्लैंड आने दिया था निमंत्रण

अंग्रेजों को पछाड़ अली इमाम ने पहना था जीता का सेहरा

रेहान अहमद। रांची

25 फरवरी 1921 को रांची जिला के ब्रांबे गांव के अंसारी परिवार में अली इमाम का जन्म हुआ. पिता स्वर्गीय हाजी इमाम अली स्वतंत्रता सेनानी थे. वे अपने क्षेत्र के प्रभावी व्यक्ति थे. अली इमाम की प्रारंभिक शिक्षा ब्रांबे में ही हुई.

1930 में इमाम रांची आ गये. रांची में संत पाल हाई स्कूल से 1940 में मैट्रिक पास किया. स्कूली जीवन से ही उन्हें फुटबॉल का काफी शौख था, इसलिये स्कूल टीम से भी फुटबॉल खेलकर स्कूल व रांची का नाम रौशन किया. रांची में इंटर करने के बाद 1944 में बीए की पढ़ाई के लिये पटना चले गये. वहीं अली

इमाम ने पढ़ाई के साथ साथ अपने फुटबॉल प्रेम को जिंदा रखा. आज पटना में जहां मोइनुल हक स्टेडियम है, उस मैदान में अंग्रेजों के खिलाफ मैच में उनकी टीम 3-0 से जीत दर्ज की. अंग्रेज मेजर जनरल ने उन्हें इंगलैंड आने का निमंत्रण दिया, किंतु उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया.

एथलेटिक्स में भी बनाई थी पहचान

अली इमाम के बेटे नसर इमाम ने बताया कि पिता ने फुटबॉल के साथ साथ हाई जंप में भी कई रिकॉर्ड बनाये. 1948 में अली इमाम ने कलकत्ता के मशहूर फुटबॉल क्लब मोहम्मडन स्पोर्टिंग की ओर से भी फुटबॉल खेला था. उन्हें उच्च स्तरीय फुटबॉल प्रतिभा की बुनियाद पर बिहार सरकार ने उन्हें फूड ग्रेन ऑफिसर के पद पर नियुक्त किया था. किंतु कुछ ही दिनों में इस नौकरी को उन्होंने छोड़ दिया. अली इमाम छोटानागपुर एथलेटिक एसोसिएशन के अजीवन सदस्य होने के साथ साथ लंबे समय तक इसके महासचिव भी रहें. 1957 में जब डॉ राजेंद्र प्रसाद को राष्ट्रपति बनने का निमंत्रण मिला तब वे अली इमाम को अपने साथ दिल्ली चलने को कहा, किंतु वे रांची में रहना ही पसंद किए.

वरीय कांग्रेस नेता के रुप में भी इमाम ने बनाई पहचान

फुटबॉल के साथ अली इमाम राजनीति में भी रुचि थी. उन्होंने 1937 में छात्र कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी. 1940 में वह कांग्रेस के रामगढ़ अधिवेशन में कांग्रेस सेवा दल के सदस्य थे. 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में भी छात्र दल की ओर से उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया था.

1933 से 1957 तक 24 साल फुटबॉल खेलते रहें. उन्होंने रांची संत पाल स्कूल, रांची कॉलेज, बीएन कॉलेज पटना, पटना लॉ कॉलेज के फुटबाल टीमों का प्रतिनिधित्व किया. कई वर्षों तक कैप्टन रहें. उन्होंने अपनी टीम को कई प्रतियोगिताओं में चैंपियन बनाने में अहम भुमिका निभाई.

हेनरी के विकल्प के तौर पर न्यूजीलैंड ने जैमीसन को भारत बुलाया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले कई खिलाड़ियों के चोटों से परेशान न्यूजीलैंड ने गुरुवार को विश्व कप टीम में लंबे कद के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को शामिल करने की घोषणा की. इस अहम मुकाबले के लिए तेज गेंदबाज मैट हेनरी की उपलब्धता पर संदेह के बीच 28 वर्षीय छह फीट आठ इंच लंबे जैमीसन गुरुवार देर रात बेंगलुरु पहुंचेगें. न्यूजीलैंड को शनिवार को बेंगलुरु में पाकिस्तान का सामना करना है. टूर्नामेंट के आखिरी चरण के मैचों से पहले दो तेज गेंदबाजों के साथ पांच खिलाड़ियों के चोटिल होने से न्यूजीलैंड की टीम मुश्किल स्थिति में है. नियमित कप्तान केन विलियमसन (अंगूठा), लॉकी फर्ग्यूसन (टखना) और मार्क चैपमैन (पैर की मांसपेशियों) पहले से ही चोटों से जूझ रहे थे.

मुश्ताक अली: पंजाब, बड़ौदा और दिल्ली सेफा में पहुंचे

मोहाली/मुल्लांपुर

भारतीय टी-20 टीम में जगह बनाने वाले रिंकू सिंह की 33 गेंद में 77 रन की पारी के बावजूद उत्तर प्रदेश को सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को यहां पंजाब के खिलाफ पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा. क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में बड़ौदा ने मुंबई को तीन विकेट जबकि दिल्ली ने विदर्भ को 49 रन से हराया. पंजाब के खिलाफ रिंकू ने अपनी पारी में छह छक्के जड़े और चौथे विकेट के लिए 8.5 ओवर में समीर रिजवी (29 गेंद में 42 रन) के साथ 116 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को तीन विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया. पंजाब ने 19.1 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया. उत्तर प्रदेश को कप्तान करण शर्मा (24 गेंद में 14 रन) की धीमी पारी का खामियाजा भुगतना पड़ा. पंजाब ने शुरुआती चार ओवर में 14 रन के अंदर अभिषेक शर्मा (12), प्रभसिमरन सिंह और कप्तान मनदीप सिंह के विकेट गंवा दिये. अनमोलप्रीत सिंह (29 गेंद में 43 रन) और नेहाल वढेरा (39 गेंद में 52 रन) ने 9.2 ओवर में 72 रन की साझेदारी कर टीम की पारी को पटरी पर लाने में सफल रहे.

खास बातें

- पंजाब ने उत्तर प्रदेस को पांच विकेट से हराया
- बड़ौदा ने मुंबई व दिल्ली ने विदर्भ को हराया

ब्रीफ खबरें

शाहरुख के जन्मदिन पर 'डंकी' का टीजर जारी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने 58वें जन्मदिन पर आगामी फिल्म 'डंकी' का टीजर जारी किया और उन्होंने इस फिल्म को अपने सपनों और इच्छाओं को पूरा करने की कोशिश करने वाले साधारण लोगों की कहानी बताया. शाहरुख खान ने इस फिल्म को जाने माने निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ मिलकर बनाया है. अभिनेता ने फिल्म की पहली झलक का वीडियो गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल से साझा किया, जिसे निर्माताओं ने 'डंकी ड्रॉप 1' का नाम दिया है. शाहरुख खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि यह साधारण लोगों की कहानी है.

मुख्यमंत्री को मिली जान मारने की धमकी

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य पुलिस मुख्यालय में किसी व्यक्ति ने फोन कर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को जान से मारने की धमकी दी है. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह धमकी बुधवार शाम को पुलिस मुख्यालय के नियंत्रण कक्ष को फोन करके दी गई. मीडिया में प्रसारित कुछ खबरों में बताया गया है कि यह फोन कॉल किसी नाबालिग लड़के ने किया था. इस संबंध में सवाल किए जाने पर पुलिस ने कहा कि वह मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है.

श्रीलंका में एसबीआई की शाखा का उद्घाटन

कोलंबो। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह शहर त्रिंकोमाली का दौरा किया और वहां उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक शाखा का उद्घाटन किया. सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में कॉरपोरेट जगत को समर्थन देने में एसबीआई की भूमिका की सराहना भी की. सीतारमण श्रीलंका की तीन दिन की यात्रा पर हैं. त्रिंकोमाली में भारतीय स्टेट बैंक की एक शाखा खोलने से पहले बहु-जातीय शहर में मुख्य हिंदू मंदिर में जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करके उन्होंने अपने दिन की शुरुआत की.

कांग्रेस प्रत्याशी के काफिले पर पथराव

सतना। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपनी मौजूदा चित्रकूट सीट से दोबारा चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के विधायक नीलांशु चतुर्वेदी के काफिले पर तड़के सतना जिले में पथराव किया गया. हमले में कोई घायल नहीं हुआ है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना आधी रात के बाद मझगवां पुलिस थाने की सीमा में हुई जब विधायक चुनाव प्रचार के बाद लौट रहे थे. पुलिस ने कहा कि जिस कार में चतुर्वेदी बैठे थे, उस पर हमला नहीं हुआ, लेकिन काफिले में कुछ अन्य वाहनों पर पथराव किया गया. इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है.

भूटान नरेश 8 दिवसीय भारत के यात्रा पर

नई दिल्ली। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक शुक्रवार से भारत की आठ दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे. विदेश मंत्रालय (एमईए) ने यह जानकारी दी. मंत्रालय के कहा कि भूटान नरेश की यह यात्रा दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा करने और अनुकरणीय साझेदारी को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी. मंत्रालय के मुताबिक, भूटान नरेश वांगचुक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे. इस दौरान भारत-भूटान संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा होने की उम्मीद है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री वांगचुक से मुलाकात करेंगे.

ईडी के एक अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इम्फाल के एक अधिकारी व उसके सहयोगी को कथित रूप से परिवादी से 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. अधिकारियों ने बताया कि आरोपी चिटफंड मामले में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में आरोपी से 17 लाख रुपए मांग रहा था. ब्यूरो (एसीबी) के बयान के अनुसार, गिरफ्तार लोगों में ईडी के इम्फाल (मणिपुर) स्थित एक कार्यालय का प्रवर्तन अधिकारी (ईओ) नवल किशोर मीणा तथा उसका स्थानीय सहयोगी बाबूलाल मीणा है.

गुरुवार की सुबह मुंबई के बांद्रा के मन्नत में अपने जन्मदिन पर अपने प्रशंसकों के लिए अपना सिग्नेचर पोज देते शाहरुख खान. फोटोः पीटीआई

'मैं आपके प्यार का मुरीद हूं' : शाहरुख खान

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने उनके 58वें जन्मदिन पर उनके घर के बाहर एकत्रित हुए सैकड़ों प्रशंसकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मैं महज एक अभिनेता हूं. अभिनेता अपने आवास 'मन्नत' से बाहर आए और उनकी एक झलक पाने को बेताब प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया. अभिनेता ने भी अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया वह आवास से बाहर आए, हाथ जोड़े, 'फ्लाइंग किस' किया और फिर अपने लोकप्रिय अंदाज में बाहें फैला कर लोगों को अभिवादन किया. फिल्म 'पठान' और 'जवान' से दमदार वापसी करने वाले अभिनेता ने अपने प्रशंसकों के लिए 'एक्स' पर एक संदेश भी लिखा. उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है कि आप में से इतने सारे लोग यहां देर रात मुझे शुभकामनाएं देने आएं. मैं महज एक अभिनेता हूं. मैं आपके प्यार का मुरीद हूं.

आओ जानें

एक ट्रिलियन डॉलर जीडीपी हासिल करने वाले देश

1969	यूएसए	2006	द. कोरिया, ब्राजील
1978	जापान	2007	भारत, मेक्सिको, रूस
1986	जर्मनी	2008	ऑस्ट्रेलिया
1988	फ्रांस	2017	इंडोनेशिया
1990	इटली, यूके	2021	नीदरलैंड
1998	चीन	2022	सऊदी अरब
2004	कनाडा, स्पेन	2023 :	तुर्की

चुनाव प्रचार के दौरान इजराइल-हमास युद्ध के बीच बाइडन ने कहा-

इजराइल-हमास युद्ध में 'कुछ विराम' की जरूरत

भाषा। मिनियापोलिस (अमेरिका)

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार शाम को कहा कि फिलिस्तीन में मानवीय जरूरतों की आपूर्ति सुनिश्चित के लिए इजराइल-हमास युद्ध में 'कुछ देर विराम' की आवश्यकता है. बाइडन ने उनके चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक प्रदर्शनकारी द्वारा इजराइल-हमास युद्ध के बीच संघर्ष विराम का आह्वान करने के बाद यह बात कही.

बाइडन ने कहा कि मुझे लगता है कि कुछ देर के विराम की आवश्यकता है. यह आह्वान बाइडन और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के शीर्ष सहयोगियों के अब तक रहे रुख से अलग है, जो पश्चिम एशिया संकट के दौरान यह कहते रहे हैं कि वे यह निर्देश नहीं देंगे कि हमास द्वारा सात अक्टूबर के हमले के जवाब में इजराइल अपना सैन्य अभियान कैसे चलाए. राष्ट्रपति को मानवाधिकार समूहों, सहयोगी विश्व नेताओं और यहां तक कि उनकी अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी के उदार सदस्यों के बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ा है, जिनका कहना हैं कि गाजा पर इजराइली बमबारी सामूहिक सजा है और यह संघर्ष विराम का समय है.

अपनी टिप्पणियों में बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर दबाव डाला कि वह फिलिस्तीनियों को निरंतर सैन्य अभियान से कम से कम थोड़ी राहत दें, जिसमें हजारों लोग मारे गए हैं और 141 वर्ग मील की गाजा पट्टी भीषण मानवीय संकट में फंस गई है. व्हाइट हाउस ने संघर्ष विराम का आह्वान करने से इनकार किया है, लेकिन संकेत दिया है कि नागरिकों को मानवीय सहायता प्राप्त होनी चाहिए और गाजा पट्टी में फंसे विदेशी नागरिकों को गाजा छोड़ने की अनुमति मिलनी चाहिए तथा इसके लिए इजराइलियों को मानवीय आधार पर 'कुछ देर विराम' पर विचार करना चाहिए.

खास बातें

- निरंतर सैन्य अभियान से कम से कम थोड़ी राहत दें
- व्हाइट हाउस ने संघर्ष विराम से इनकार किया है

महिला उठी और चिल्लाई... युद्धविराम का आह्वान करें

अमेरिका में इजराइल के राजदूत माइकल हर्जोग ने बुधवार को 'न्यूजनेशन' पर 'द हिल' से कहा कि हम गाजा के उन क्षेत्रों में मानवीय सहायता आपूर्ति बढ़ा रहे हैं जो गाजा के दक्षिणी भाग में हमास से दूर हैं. ट्रकों की संख्या दोगुनी हो गई है और यह और अधिक बढ़ने वाली है. हमने पानी उपलब्ध कराया है. हम अन्य प्रकार की आपूर्ति प्रदान कर रहे हैं. बाइडन ने बुधवार शाम को मिनियापोलिस में समर्थकों की भीड़ को संबोधित किया. इस दौरान एक महिला उठी और चिल्लाई... राष्ट्रपति जी, अगर आप यहूदी लोगों की परवाह करते हैं, तो मैं चाहती हूं कि आप युद्धविराम का आह्वान करें. बाइडन ने कहा कि वह प्रदर्शनकारी की भावनाओं को समझते हैं. जब उनसे मानवीय 'अल्प विराम' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यहां 'अल्प विराम' का अर्थ है, बंधकों को बाहर निकालने के लिए समय देना. व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बाद में स्पष्ट किया कि उनका आशय बंधकों और मानवीय सहायता से था.

गाजा सिटी के निकट बढ़ रही है इजराइली सेना

इजराइली सेना ने कहा कि हमास आतंकवादियों के साथ भीषण लड़ाई के लिए सेना गाजा सिटी के निकट बढ़ रही है. व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि इजराइल के लिए नवनियुक्त राजदूत जैक ल्यू जल्द पश्चिम एशिया के लिए रवाना होंगे और उन्हें वहां मानवीय मदद पहुंचाने के लिए आवश्यक कुछ समय के विराम के अनुकूल परिस्थितियां पैदा करने के लिए अमेरिकी प्रयासों में सहयोग का जिम्मा सौंपा जाएगा. बाइडन ने हाल में इजराइल के लिए राजदूत के तौर पर ल्यू के नाम की पुष्टि की थी.

दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की

भाजपा नेताओं ने राजघाट पर दिया धरना

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के नेताओं ने महात्मा गांधी के स्मारक राजघाट के निकट गुरुवार को धरना दिया और कथित आबकारी नीति घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की. केजरीवाल दिन में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश नहीं हुए और चुनाव प्रचार के सिलसिले में मध्य प्रदेश रवाना हो गए. उन्होंने जांच एजेंसी द्वारा भेजे समन को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि इसे भाजपा के इशारे पर जारी किया गया है. धरने पर बैठे भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आबकारी नीति में हजारों करोड़ रुपये का घोटाला हुआ और दिल्ली का बच्चा बच्चा भी जानता है कि केजरीवाल ही इसके मुख्य साजिशकर्ता हैं. सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन, सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी समेत शीर्ष भाजपा नेता धरने में

खास बातें

- ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए अरविंद केजरीवाल
- चुनाव प्रचार के लिए मध्य प्रदेश हो गए रवाना
- आबकारी नीति में हजारों करोड़ का घोटाला

यूरेशिया के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी में विस्फोट

मॉस्को। यूरेशिया के सबसे ऊंचे सक्रिय ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद बुधवार को राख का विशाल गुबार फैल गया, जिसके कारण अधिकारियों ने रूस के कम आबादी वाले कामचटका द्वीप के दो शहरों में स्कूलों बंद करने का आदेश दिया. क्लुचेव्स्काया सोपका ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद समुद्र तल से 13 किलोमीटर (8 मील) ऊपर तक राख फैल गई है. किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर उस्त-कामचत्स्क और क्लाइची में स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया. प्रत्येक कस्बे में लगभग पांच हजार लोगों की आबादी है. ज्वालामुखी से क्लाइची की दूरी लगभग 30 किलोमीटर और उस्त-कामचत्स्क की 50 किलोमीटर है. कल 4,650 मीटर (15,255 फुट) ऊंचा यह ज्वालामुखी हाल के वर्षों में सक्रिय हुआ है.

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने की तीन ग्रामीणों की हत्या

माओवादियों का दावा नक्सल विरोधी इकाई सी-60 के थे मुखबिर

भाषा। कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के एक गांव में संदिग्ध नक्सलियों ने महाराष्ट्र पुलिस के लिए मुखबिरी करने के संदेह में तीन ग्रामीणों की कथित तौर पर हत्या कर दी है. पुलिस अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने एक बयान में कहा कि उन्हें घटना के बारे में सूचना मिली है तथा इस संबंध में और अधिक जानकारी एकत्र की जा रही है.उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पड़ोसी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले से सटे छोटेबेठिया पुलिस थाना (कांकेर) के मोरखंडी गांव के निवासी कुल्ले कतलामी (35), मनोज कोवाची (22) और डुग्गे कोवाची (27) की नक्सलियों ने कथित तौर पर हत्या कर दी है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर फेंके गए पर्चे में माओवादियों ने दावा किया कि तीनों महाराष्ट्र पुलिस की विशेष नक्सल विरोधी इकाई सी-60 के लिए मुखबिर के रूप में काम कर रहे थे. उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में अधिक जानकारी ली जा रही है. छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दो चरणों में होगा. कांकेर जिले में पहले चरण में सात नवंबर को मतदान होगा, जबकि अन्य 70 सीटों पर 17 नवंबर को दूसरे चरण में वोट डाले जाएंगे.

चिकित्सकों ने सांस संबंधी समस्याओं के बढ़ने की चेतावनी की जारी

गैस चैंबर बनी देश की राजधानी

भाषा। नई दिल्ली

पराली जलाने की घटनाओं और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण दिल्ली में गुरुवार को धुंध छाई रही, जिससे आसमान धुंधला हो गया और सूरज छिप गया. चिकित्सकों ने सांस संबंधी समस्याओं के बढ़ने की चेतावनी जारी की. वैज्ञानिकों ने अगले दो सप्ताह के दौरान एनसीआर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की है. यह चिंताजनक इसीलिए है क्योंकि कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक पहले ही 400 से अधिक है. मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह आठ बजे के आसपास सफदरजंग वेधशाला में दृश्यता घटकर केवल 500 मीटर रह गई, दिन के दौरान जैसे-जैसे तापमान बढ़ता रहा दृश्यता 800 मीटर हुई. शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दोपहर तीन बजे 378 तक पहुंच गया. बुधवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 364, मंगलवार को 359, सोमवार को 347, रविवार को 325, शनिवार को 304 और शुक्रवार को 261 था.

बीएचयू में छात्रा से छेड़छाड़ छात्रों ने किया उग्र प्रदर्शन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में लगातार छात्राओं छेड़खानी करने का मामला सामने आ रहा है. बुधवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के आईआईटी कैंपस में एक छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. छात्रा से छेड़छाड़ की जानकारी पर हजारों की संख्या में छात्र-छात्राओं ने विरोध करते कैंपस में जाम लगा दिया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्राओं का काफी समझाने का प्रयास किया. लेकिन छात्र-छात्राएं कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे. ताजा वारदात में बताया जा रहा कि आरोपियों ने छात्रा के कपड़े उतारे और अश्लील हरकत का वीडियो भी बना लिया. छात्रा अपने दोस्त के साथ घूमने निकली थी. पीड़िता इस घटना के बाद से सदमे और दहशत की हालत में है.

मणिपुर राइफल्स के शस्त्रागार को लूटने की कोशिश की गई थी

मणिपुर में हालात अभी भी तनावपूर्ण

भाषा। इंफाल

मणिपुर की राजधानी इंफाल में गुरुवार को शांति रही, लेकिन हालात अभी भी तनावपूर्ण हैं. एक दिन पहले यहां मणिपुर राइफल्स के शिविर के शस्त्रागार को लूटने की कोशिश के दौरान सुरक्षा बलों ने दो हजार से अधिक लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में कई राउंड फायरिंग की थी.

शहर में कई बाजार बंद रहे, लेकिन शैक्षणिक संस्थान, सरकारी कार्यालय और मणिपुर उच्च न्यायालय सामान्य रूप से खुले रहे, जबकि सुबह 10 बजे से कर्फ्यू में ढील के बाद सड़कों पर वाहनों की आवाजाही भी देखी गई. प्रशासन ने प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त राज्य और केंद्रीय बलों को तैनात किया और पुलिसकर्मी मणिपुर राइफल्स शिविर के पास के इलाकों में गश्त कर रहे हैं. राज्य पुलिस ने गुरुवार को कहा कि कल हथियारबंद भीड़ द्वारा मणिपुर राइफल्स बटालियन में हथियार और गोला-बारूद लूट की कोशिश की गई थी, जिसे संयुक्त सुरक्षा बलों ने विफल कर दिया था. भीड़ ने बुधवार को इंफाल वेस्ट जिले में राजभवन और मुख्यमंत्री कार्यालय के करीब मणिपुर राइफल्स शिविर को निशाना बनाया था. इसके बाद सख्ती दिखाते हुए इंफाल ईस्ट और वेस्ट जिले में अधिकारियों ने दैनिक कर्फ्यू में सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक की छूट को वापस ले लिया था.

खास बातें

- इंफाल शहर में कई बाजार बंद रहे, सुरक्षा बल मौजूद
- मणिपुर राइफल्स कई इलाकों में मुस्तैद

अच्छी पहल

हमारा उद्देश्य मनोरंजक तरीके से भाषा को बढ़ावा देना है : गोकर्णकर

फिल्मी गानों को संस्कृत में पेश कर रहा पुणे का एक बैंड

भाषा। पुणे

पुणे में संगीत प्रेमियों का एक समूह नातू, नातू, श्रीवल्ली और ऊ अंतवा जैसे लोकप्रिय गानों को संस्कृत में पेश कर रहा है, ताकि आम लोगों तक यह भाषा आकर्षक तरीके से पहुंच सकें. संस्कृत को दुनिया की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक माना जाता है. इसकी एक समृद्ध साहित्यिक परंपरा है और इसका उपयोग भारत में धार्मिक अवसरों और उत्सवों के मौके पर किया जाता है. संगीत बैंड 'वृंदा गंधर्व सख्यम' में 15 से 50 वर्ष की आयु वर्ग के लगभग 20 सदस्य हैं, जिनमें से कुछ मुंबई से भी हैं. वे संतूर, कीबोर्ड, गिटार और तबला जैसे वाद्ययंत्रों के साथ गीत को संस्कृत में तैयार करते हैं.

लयबद्ध रचना के कारण बढ़ रही लोकप्रियता : गोकर्णकर ने कहा कि हमारा उद्देश्य मनोरंजक तरीके से संगीतम (संगीतमय तरीके) के माध्यम से भाषा को बढ़ावा देना है. लोगों तक गीतों को संस्कृत भाषा में पहुंचाने के लिए हम बैंड ने संस्कृतश्री नाम से अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया है. बैंड का दावा है कि सोशल मीडिया पर उनकी बढ़ती उपस्थिति और उनकी सरल और लयबद्ध रचना के कारण वे लोगों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं.

खास बातें

- संस्कृत की एक समृद्ध साहित्यिक परंपरा है
- संस्कृत को लोकप्रिय बनाने के लिए एक प्रयास
- पुणे के इस संगीत बैंड का नाम 'वृंदा गंधर्व सख्यम' है

संस्कृत भाषा को नियमित उपयोग में लाना हमारा लक्ष्य

मुंबई के संस्कृत के प्रोफेसर डॉ. श्रीहरि गोकर्णकर ने बताया कि ज्यादातर लोग अपनी औपचारिक शिक्षा में संस्कृत को एक विषय के रूप में पढ़ते हैं, भाषा के रूप में नहीं. बैंड के साथ जुड़े गोकर्णकर ने कहा कि हमारा लक्ष्य प्राचीन भाषा को इस तरह नियमित उपयोग में लाना है जो लोगों, खासकर युवाओं को पसंद आए. हालांकि, क्रैश कोर्स, बातचीत आदि के माध्यम से भाषा को लोकप्रिय बनाने के कई प्रयास किए जा रहे हैं.

कांग्रेस जीती तो महिलाओं को हर माह 4000 का लाभ देंगे

भाषा। हैदराबाद

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि अगर तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य में महिलाओं को सामाजिक पेंशन, रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कमी तथा मुफ्त बस यात्रा जैसे कदमों के तहत हर महीने 4,000 रुपये का लाभ हो सकता है. कालेश्वरम परियोजना के मेदिगड्डा (लक्ष्मी) बैराज के पास अंबातिपल्ली गांव में महिलाओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा कथित रूप से लूटा गया सारा धन महिलाओं को लौटाने का फैसला किया है. तेलंगाना की महिलाएं यहां के मुख्यमंत्री की लूट से सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं. कांग्रेस पार्टी ने मुख्यमंत्री द्वारा लूटी गई रकम को आपके बैंक खातों में जमा करने का फैसला किया है. उन्होंने कहा कि पहले कदम के तौर पर महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने 2500 रुपये सामाजिक पेंशन के तौर पर जमा किये जायेंगे. साथ ही 1,500 रुपये की बचत भी होगी क्योंकि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में दिया जाएगा.

राजस्थान : कांग्रेस-भाजपा में कड़ा संघर्ष, छोटे दल बागियों के भरोसे

देवेंद्र शास्त्री
वरिष्ठ पत्रकार, जयपुर

राजनीतिक दलों में टिकट काटे जाने या डिजर्विंग उम्मीदवार की अनदेखी की वजह से नाराजगी कोई नई बात तो नहीं है लेकिन इस बार राजस्थान में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों में ही बागियों और खेल बिगाड़ने वालों की संख्या लगभग बराबरी की है. लिहाजा अनुमान लगाया जा रहा है कि कई सालों से विकल्प की तलाश में भटक रही जनता को शायद इस बार निर्दलीय विधायकों का तीसरा मोर्चा मिल जाए.

राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा ही सरकार बनाती रही हैं. इस बार भी इन्ही दोनों को वोट देने के लिए मजबूर हैं राजस्थान के मतदाता. दुर्भाग्य से इस बार भी जनता को तीसरा विकल्प नहीं मिल रहा है. जबकी हर बार मौजूदा सरकार को हरा कर मरुभूमि का वोटर विकल्प की अपनी भूख लगातार जताता आ रहा है. जनता ने जिस पार्टी में उम्मीद बांध रखी थी, आम आदमी पार्टी, पंजाब चुनाव के परिणाम के ही साथ प्रदेश में उसकी जबरदस्त हवा बनी लेकिन जैसे ही आम आदमी पार्टी ने संगठन भंग किया, आप लगातार सत्ता के संघर्ष से खुद को दूर करती चली गई. आज स्थिति यह है कि दावे के मुताबिक 200 सीटों पर उम्मीदवार देने में भी पार्टी को पसीने छूट जाएंगे. उसका चुनाव अभियान दिनोंदिन कमजोर पडता जा रहा है.

एक और पार्टी आरएली ने विकल्प देने के दावे किये लेकिन हनुमान बेनीवाल की आरएलपी नागौर जिले, उनके परिवार से बाहर आती दिखाई नहीं दे रही है. चंद्रशेखर आजाद रावण के साथ गठबंधन तो हुआ है लेकिन यह गंठजोड़ कोई बड़े परिणाम दिखा सकता है, ऐसी आशा नहीं करनी चाहिए. बसपा हर बार आधा दर्जन या इससे ज्यादा विधायक बनाती है लेकिन हर बार बसपा विधायक दलबदल का शिकार बनते आ रहे हैं. बसपा ज्यादातर ऐसे लोगों को टिकट देती है जो बसपा के मूल वोटरों से अपने मत जोड़ कर जीत का गणित बैठा रहे होते. इसके बाद तीसरे मोर्चे के नाम का समापन हो जाता है क्यूंकि कम्यनिस्ट और आदिवासी पार्टियों के छोटे छोटे पोकेट्स हैं. वो अपने पॉकेट्स में मतदान करा सकती हैं, उसके बाहर इनका कोई प्रभाव नहीं है.

राजस्थान में इस बार के समीकरण कुछ ऐसे थे कि तीसरे विकल्प के लिए स्वर्णिम अवसर था. पर कोई संगठित पार्टी आगे नहीं आ सकी जो सरकार बनाने के दावे के साथ जनता के बीच जाए. निश्चित ही राजस्थान में इस बार निर्दलीय विधायकों को अपनी तरफ लाने के लिए दोनों ही बडी पार्टियां विधायक खरीद फरोख्त का बडा बाजार लगाएंगी. चुनाव परिणाम देख कर जितना दिमाग घूमेगा उससे कहीं ज्यादा विधायकों के बाजार को देख कर लोगों को आश्चर्य होगा. कांग्रेस प्रदेश में सत्तारुढ़ थी और जनता की सरकार के प्रति नाराजगी पर उसने तमाम फ्रीबी घोषणाओं की चादर डाल दी है और वो अपनी सरकार रीपीट करने की जुगत में लगी है.

भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा,धनबल और जांच एजेंसियों की ताकत है तो कांग्रेस भी पांच साल से सत्ता की ताकत इस्तेमाल करती आ रही है. वो भी धनबल, बड़ी-बड़ी घोषणाओं और अशोक गहलोत की राजनीतिक कौशल से लेस है. मुकाबला दिलचस्प है लेकिन बागी दोनों को बराबरी का दर्द दे रहे हैं. भाजपा की पहली ही लिस्ट में एक दर्जन से ज्यादा सीटों पर बागियों ने जबरदस्त बवाल काटा. कांग्रेस शुरूआती दोर में विवादित सीटो को टालती रही लेकिन पांचवी लिस्ट में विरोध के काफी मुखर स्वर उभर आये हैं.

भाजपा इस बात से निश्चिंत होकर नहीं बैठ सकती कि परंपरा के मुताबिक इस बार उसकी ही बारी है. कांग्रेस सत्ता की स्वाभाविक नाराजगी के घेरे से बाहर आने में कुछ हद तक सफल हो गई है. इसलिए टक्कर जोरदार होगी. छोटे दल इन दोनों की पार्टियों कांग्रेस व भाजपा के बागियों का इंतजार कर रही हैं. पर ज्यादातर बागी निर्दलीय चुनाव लड़ना चाहते हैं. ताकि बाद में किसी भी पार्टी की सरकार को समर्थन देने और मंत्री पद हासिल करना आसान बना रहे.

मध्यप्रदेश : विस्मय उपजाते हैं कमलनाथ

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

कमलनाथ मध्यप्रदेश कांग्रेस के मुखिया हैं. संप्रति वह राज्य विधानसभा के सदस्य हैं, लेकिन उनकी उजली कमीज पर तमगों की कमी नहीं है. वह मुख्यमंत्री रहे हैं. केन्द्रीय मंत्री रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उन्होंने खासी शोहरत कमाई है. वह लोकसभा के लिये सर्वाधिक बार चुने गये सांसदों के विरल क्लब में शुमार हैं, लेकिन जो बात उन्हें विलक्षण बनाती और विस्मय उपजाती है, वह है इस पकी उम्र में युवकोचित स्फूर्ति और स्टैमिना. 18 नवंबर यानि एक पखवाड़े के बाद वह 77 साल के हो जायेंगे, लेकिन भौगोलिक दूरियाँ नापने, बैठकें और सभाओं को संबोधित करने तथा प्रबंधन की कुव्वत उनमें बखूबी बरकरार है. आश्चर्यजनक तौर पर उनका ऊर्जा स्तर किसी भी युवा नेता से कम नहीं है और वह 2018 की सफलता को दोहराने के लिये कटिबद्ध दीखते हैं.

अशोक गहलोत और कमलनाथ अलग-अलग मिजाज के नेता है. उनमें कुछ साम्य है, तो भिन्नता भी. एक 'ब्रांड' बनकर उभरे गहलोत नये अवतार में हैं. मगर गहलोत को जहाँ अपना किला बचाना है, वहीं नाथ को अपना खोया दुर्ग हासिल करना है. दोनों कसोटी पर हैं. गहलोत की भांति नाथ भी बदले-बदले नजर आते हैं. पहले से अधिक आक्रामक और तुर्श. उनका लहजा भी बदला हुआ है. अभी तीन दिन पहले वह सागर में सुरखी मे थे. सुरखी से गोविन्द राजपूत भाजपा के प्रत्याशी हैं वहीं, जो चार साल पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया की उस टोली में शरीक थे, जिसके पाला बदलने से नाथ को सत्ता गंवानी पड़ी थी. सुरखी में कमल नाथ के भाषण पर गौर करें. वह कहते हैं..'कमलनाथ अब 2018 का मॉडल नहीं है, 2023 का है, जिन्होंने यहां पर अत्याचार और भ्रष्टाचार किया है, आपको गुलाम बनाया है, मैं उन सभी को चेतावनी देना चाहता हूँ कि 40 दिन बाद कमलनाथ की न्याय की चक्की चलने वाली है.'

कमलनाथ इतना कह कर ही चुप नहीं हुए. उन्होंने आगे कहा- 'ताज्जुब हो रहा है कि मैं सुरखी में आया हूँ या अत्याचार और भष्टाचार के केन्द्र में आया हूँ.' मैं उन्हें पिछले चालीस से अधिक वर्षों से जानता हूँ. यह उनका लहजा नहीं है. वह सौम्य राजनीति करते रहे हैं. लेकिन केन्द्र से प्रदेश की राजनीति में आना एक सीढ़ी नीचे उतरने जैसा है. अनसोचे वाकयों ने उन्हें यूं तल्ख बनाया है कि अब वह त्रुर्श जुबां हैं. अब वह तंज भी करते हैं. शिवराज सिंह चौहान के बारे में कहते हैं- 'शिवराज नदी नहीं हो, फिर भी पुल की घोषणा करते हैं.' कमलनाथ पेशगी तैयारी में रखते हैं. गजब का होमवर्क. आधुनिक तक्नोलॉजी का इस्तेमाल वह सन 1980 के दशक के शुरू से करते आ रहे हैं. वह रेशा-रेशा उधेड़ने के बाद चीजों में पैठते हैं. मसलन 31 अक्टूबर को उनके अलीराजपुर के चुनावी दौरे को लें. वहां उतरने के पहले जोबट और अलीराजपुर की राई- रत्ती जानकारी उनकी पोरों पर थी. मोहल्लों, टोलों, पंचायतों और व्यक्तियों की बिंदुवार जानकारियां उन्होंने जुटा रखी थी और पहुंचने के पहले ही पार्टी की मशीनरी का स्विच आॅन कर दिया था. जोबट में बागी माधोसिंह भाजपा के लिये मुसीबत बने हुये हैं. भाजपा सांसद डामोर उनकी मनुहार के लिए पहुंचते हैं, तो उन्हें धता बताकर वह अज्ञातवास पर चले जाते हैं. अलीराजपुर में वकीलसिंह ठकराला क्षुब्ध हैं. अतीत के कटु अनुभव से वह खुद तो मैदान में नहीं उतरते, किंतु उनके अनुज, सुरेश ठकराला पर्चा दाखिल कर देते हैं. अब नागर सिंह चौहान पसोपेश में हैं. कमलनाथ को बखूबी पता है कि सोडवा और नानपुर में कांग्रेस के पाये मजबूत करने हैं. वह जानते हैं कि सोडवा और छकतला इलाके के नर्व सेंटर हैं. इन पर ध्यान देना होगा. ऐसे ही जोबट में वह भांबरा और कट्ठीवाड़ा में कांग्रेस की मजबूती पर ध्यान देते हैं और कांग्रेस प्रत्याशी सेना पटेल को सबको साथ लेकर चलने की हिदायत देते हैं. उनके जेहन में रहता है कि स्थानीय नेता सुरपाल अजनार को 'एक्टिव' करना है और भाजपा प्रत्याशी विशाल रावत की कार्यशैली को चुनावी मुद्दा बनाना है. ऐसे ही झाबुआ में पूर्व विधायक जेवियर मेडा का पर्चा भरना कांग्रेस के लिये चिंता का सबब था. कमलनाथ कलें घुमाते हैं. फलतः मेडा नाम वापसी को तैयार हो जाते हैं. नाथ की जादुई करामात से विक्रांत भूरिया के माथे की सलें गायब.

तो यह है कमलनाथ की कार्यशैली. आमला से निशा बांगरे का चुनाव लड़ना लगभग तय था. कांग्रेस की टिकट नहीं मिली तो निर्दल / वरिष्ठ नेता विवेक तनखा ने उनकी मदद की. हाईकोर्ट के दखल से निशा को दुश्चिंता से मुक्ति मिली. महत्वाकांक्षी निशा कमलनाथ से मिली. कमलनाथ ने कहा- 'आपको बड़ी भूमिका निभानी है.' अब आमला के बजाय पूरा मध्यप्रदेश निशा का कार्यक्षेत्र रहेगा. नाथ की युक्ति काम कर गयी. पूर्व सांसद राजेंद्र सिंह राजूखेड़ी को उन्होंने महू का प्रभारी बना दिया. नाथ अब पहले से कहीं ज्यादा दृढ़ हैं. कहीं कोई मुरव्वत नहीं, हुजूर से नरेश ज्ञानचंदानी फाइनल तो फाइनल. मन्नू डागा को राजा साहब से बड़ी उम्मीदें थी. कमलनाथ ने चैप्टर क्लोज कर दिया. तो यह है कमलनाथ की शैली. भिन्न और विस्मयोत्पादक. उन्होंने चुनावी-रण के लिये पेशेवर वकीलों की सेवायें ली. हाँ, नरोत्तम मिश्रा, रीति पाठक, राकेश सिंह, लालसिंह आर्य, प्रह्लाद सिंह पटेल, गणेश सिंह, शिवराजसिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय, भूपेंद्र सिंह, फग्गन सिंह, राव उदय प्रताप सिंह और नरेन्द्र सिंह तोमर के निर्वाचन क्षेत्रों में उन्होंने क्रमवार प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है. मीडिया कंट्रोल रूम की कमान संतोष सिंह परिहार और फरहाना खान के हाथों में है. मीडिया - इंचार्ज केके मिश्रा विजयवर्गीय के खिलाफ यूँ ही आक्रामक और मुखर नहीं हैं. संजय शुक्ला के खिलाफ कैलाश सांसत में हैं. मध्यप्रदेश में लड़ाई कमल और कमलनाथ के दरम्यां है. कमल की आठ पंखुरियों में आठ चेहरों का अक्स है. जंग दिलचस्प है. काटें की लड़ाई. छिंदवाड़ा में मुहावरा प्रचलित है- 'यह कमलनाथ का वायदा है, टूटेगा नहीं' और अब तो पार्टी वायदा नहीं करती, वरन वचन देती है. रही दिग्गी राजा से मनोमालिन्य की बात, तो दोनों का चालीस से अधिक सालों का रिश्ता अटूट है. लोग कयास लगाते रहे हैं, लगाते रहें.

छत्तीसगढ़ : महिला मतदाता निभाएंगी महत्वपूर्ण भूमिका

राजकुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

छत्तीसगढ़ में नामांकन वापसी के बाद अब चुनाव प्रचार जोर पकड़ता जा रहा है. दो चरणों में होने वाले चुनाव में भाजपा-कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी सहित स्टार प्रचारक मतदाताओं को रिझाने में लगे हैं. लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार चुनाव में महिला मतदाताओं की सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी. वजह है 2018 की तुलना में पुरुषों के मुकाबले 1,19, 370 महिला मतदाता अधिक वोट डालेंगी.

छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिलाएं

वर्ष	प्रत्याशी	विजेता
2003	62	05
2008	94	11
2013	83	10
2018	132	13

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस और भाजपा से कुल 33 महिलाएं मैदान में हैं. उपचुनावों को छोड़ दें तो वर्ष 2003 से 2018 तक हुए चार विधानसभा चुनावों में दोनों दलों ने कुल 86 महिलाओं को टिकट दिया. इनमें से 38 ने जीत दर्ज की थी. राज्य गठन के बाद से अब तक हुए विधानसभा उपचुनावों में भी चार महिलाओं ने सफलता हासिल की. इस तरह अब तक चुनी गईं महिला विधायकों की संख्या 42 हो जाती है. इनमें से 22 कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा पहुंचीं. भाजपा से 17, बसपा से दो और जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) से एक विधायक चुनी गईं. कांग्रेस ने इस बार भी महिलाओं पर भरोसा जताते हुए 18 को मैदान में उतारा है. जबकि, भाजपा ने 15 महिलाओं को ही टिकट दिया है. इसके अलावा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) समेत अन्य क्षेत्रीय दलों ने भी महिला प्रत्याशियों को स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए मैदान में उतारा है. मप्र से अलग होकर बनने के बाद से छत्तीसगढ़ में हुए चार विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस समेत अन्य दलों और निर्दलीय महिला प्रत्याशियों का कुल आंकड़ा 371 है. इस बार के चुनाव में खास बात यह भी है कि पुरुषों के मुकाबले 1,19, 370 महिला मतदाता अधिक हैं. विधानसभा चुनाव-2023 में इस बार मतदाताओं की संख्या कुल दो करोड़ तीन लाख 93 हजार 160 हैं. वहीं पहले 30 अक्टूबर तक और भी मतददाता जुड़े है जिनकी संख्या कुल 32 हजार 920 है. मतदाता सूची को अभी लॉक किया गया है, जिसके अनुसार राज्य में मतदाताओं की सूची में लिंगानुपात 1,012 हैं वहीं, आप को बता दें कि 18 से 19 वर्ष के युवा मतदाताओं की सामान्य संख्या सात लाख 29 हजार 267 हैं. गौरतलब है कि सूची के अनुसार 100 वर्ष की आयु वाले बुजुर्ग मतदाता की संख्या 2,457 हैं. जिनमें से राज्य में रहने वाले मतदाताओं की संख्या 17 हैं. दूसरे चरण की रिपोर्ट आने के बाद कुल एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 लोग मतदान कर सरकार चुनेंगे. एक नवंबर 2000 को राज्य स्थापना के समय 90 में से छह महिलाएं विधानसभा सदस्य थीं. इनमें से कांग्रेस की चार और भाजपा की दो विधायक थीं. चार चुनावों के बाद वर्तमान में अब प्रदेश में 16 महिला विधायक हैं. इनमें से तीन उप चुनाव में निर्वाचित हुईं. पार्टीवार देखें तो कांग्रेस से सबसे ज्यादा 13 और भाजपा, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जोगी) और बसपा से एक-एक विधायक हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

पीजीडीएम की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर। रजनीश प्रसाद

पीजीडीएम का फुल फॉर्म पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट है. यह मैनेजमेंट से संबंधित स्नातकोत्तर विशेष डिग्री प्रोग्राम है. पीजीडीएम कोर्स की अवधि दो वर्ष की होती है. कोर्स के लिए पात्र होने के लिए, उम्मीदवारों को प्रबंधन से बैचलर्स पूरी करनी होगी, लेकिन किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट इस कोर्स के लिए अप्लाई कर सकते हैं. पीजीडीएम कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया और फीस हर कॉलेज में अलग होती है, कुछ कॉलेज प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं, जबकि कुछ कॉलेज योग्यता-आधारित प्रणाली के आधार पर प्रवेश प्रदान करते हैं.

क्यों करें पीजीडीएम

- किसी भी स्ट्रीम के छात्र इस कोर्स को चुन सकते हैं : पीजीडीएम सिलेबस को किसी भी क्षेत्र के छात्रों के कॅरियर को आकार देने के लिए डिजाइन किया गया है. आवश्यक प्रतिशत के साथ किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री रखने वाले छात्र अपने समग्र विकास के लिए पीजीडीएम कोर्स के को चुन सकते हैं.
- फ्यूचर स्कोप : देश-विदेश में क्वालिटी मैनेजर्स की मांग बढ़ती जा रही है. वर्तमान में संगठनों ने उद्योग मानकों को पूरा करने के लिए अपने प्रशिक्षण और विकास पर बड़ी राशि खर्च की है, जिससे पीजीडीएम कोर्स छात्रों को उद्योगों और बाजारों की वर्तमान आवश्यकता के लिए तैयार करता है जिससे इनका फ्यूचर स्कोप भी बढ़ जाता है.
- कम संतृप्ति (सेचुरेशन) स्तर- किसी भी प्रोफेशनल कोर्स के लिए छात्र आमतौर पर डिप्लोमा की डिग्री के बाद मास्टर डिग्री का विकल्प चुनते हैं, जो पीजीडीएम कोर्स को प्रतिस्पर्धा के मामले में एक बेहतरीन कॅरियर विकल्प बनाता हैं, जो अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की तुलना में अपेक्षाकृत कम है.

पीजीडीएम के कोर्स के प्रकार

फुल टाइम पीजीडीएम कोर्स

पीजीडीएम कोर्स का यह पहला प्रकार है और यह कोर्स 2 साल का होता है. पीजीडीएम कोर्स के इस प्रकार को करने के लिए आपको प्रतिदिन कॉलेज जाना होता है. इसीलिए इस पोस्ट को फुल टाइम पोस्ट कहा गया है. इस कोर्स के लिए फीस काफी ज्यादा है, जो हर विद्यार्थी के लिए सुटेबल नहीं है.

डिस्टेंस पीजीडीएम कोर्स

जिन विद्यार्थियों के पास पीजीडीएम कोर्स करने के लिए फीस नहीं है, उन विद्यार्थियों के लिए यह डिप्लोमा बहुत ही उचित माना जाता है. इस डिप्लोमा कोर्स की फीस अनुमानित 30 हजार रुपए के आसपास होती है. लेकिन इस डिप्लोमा के लिए कॉलेज में आवेदन लेने से पहले आपको एक एंट्रेंस एग्जाम पास करना होता है और उसी एंट्रेंस एग्जाम के आधार पर आपको कॉलेज में दाखिला मिलता है.

ऑनलाइन पीजीडीएम कोर्स

यह डिप्लोमा कोर्स ऑनलाइन माध्यम से करवाया जाता है. इस डिप्लोमा कोर्स के लिए ऑनलाइन आवेदन दिया जा सकता है और ऑनलाइन घर बैठे पढ़ाई भी की जा सकती है.

पीजीडीएम कोर्स के विषय

- ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट : इस कोर्स में, आप किसी कंपनी या संगठन में कर्मियों के प्रबंधन के प्रति रणनीतिक दृष्टिकोण के बारे में जानेंगे. ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट यह सुनिश्चित करने में मुख्य भूमिका निभाता है कि एक कंपनी सुचारू रूप से चल रही है और कर्मचारी भी एक आरामदायक काम के माहौल में कुशलता से काम कर रहे हैं.
- मार्केटिंग मैनेजमेंट : कोर्स का यह क्षेत्र वस्तुओं, सेवाओं और विचारों की योजना, क्रियान्वयन (इम्प्लीमेंटेशन), मूल्य निर्धारण और प्रचार-प्रसार की प्रक्रिया के माध्यम से लोगों द्वारा बाजार के कुशल प्रबंधन को देखता है. यह एक विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किया जाता है, जो किसी कंपनी या व्यक्ति की आवश्यकताओं के अनुसार अलग हो सकता है.
- आईटी का परिचय : आईटी क्षेत्र में वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए, इस कोर्स ने एक विषय पेश किया है, जो आपको एक बुनियादी समझ देता है कि सूचना प्रौद्योगिकी क्या है. इस विषय का अध्ययन करके, आप आईटी क्षेत्र के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय बाजार की गतिशीलता की समझ विकसित करेंगे.
- बिजनेस लॉ : कोर्स का यह क्षेत्र आपको विभिन्न कानूनों और उपभोक्ता अधिकारों से परिचित कराता है जिनके बारे में आपको बाजार में प्रवेश करने से पहले पता होना चाहिए. इन कानूनों में विभिन्न विषय शामिल हैं जैसे मानव संसाधन प्रबंधन, भर्ती प्रक्रिया, उपभोक्ता अधिकार, कॉर्पोरेट कानून आदि.
- ऑपरेशनल मैनेजमेंट : यह कोर्स आपको सिखाता है कि कंपनी को कुशलतापूर्वक कैसे काम करना है ताकि विकास, रीमॉडेलिंग और प्रबंधन की प्रक्रियाएं कंपनी के मुनाफे को अधिकतम करने में काम कर सकें. इसमें एक कंपनी के दैनिक संचालन और उपयोग किए गए संसाधनों की निगरानी करना और विभिन्न दृष्टिकोणों और विधियों को अपनाने के माध्यम से उन्हें उपयोग में लाना शामिल है.

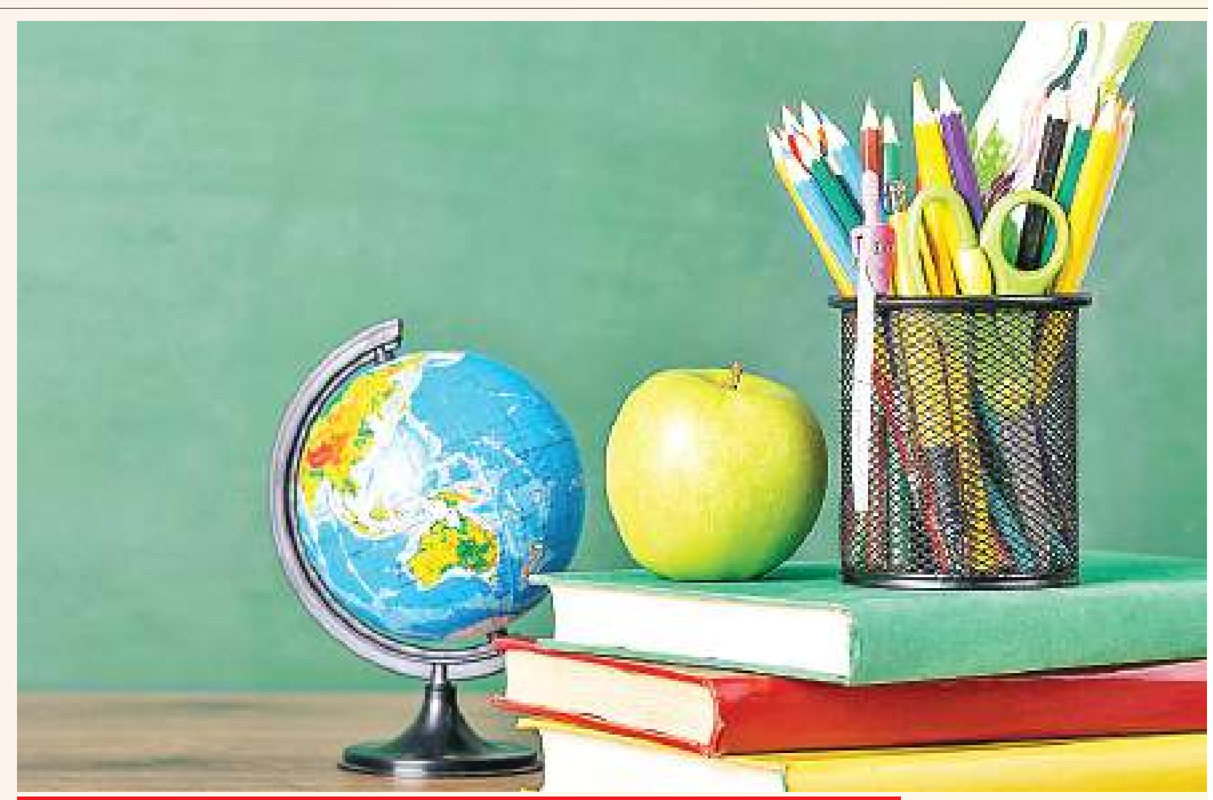

पीजीडीएम कोर्स के लिए यूनिवर्सिटीज

- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय,बनारस
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- लखनऊ विश्वविद्यालय
- मुंबई विश्वविद्यालय
- पुणे विश्वविद्यालय
- मिरांडा हाउस, दिल्ली
- हिंदू कॉलेज, दिल्ली
- श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली

प्रवेश परीक्षा

- कैट
- मैट
- जीमैट
- सीमैट
- जैट
- एनमैट

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)